2 **फरीदाबाद** खुद की सुरक्षा करके ही हम कोरोना को फैलने से रोक सकते हैं : हरप्रीत

6 **अभिमत** सार्वजनिक हित में कदम उठाए सरकार

8 **देश/विदेश** राजपक्षे ने सहयोग, मित्रता का हाथ बढ़ने के लिए मोदी की तारीफ की

11 **स्पोर्ट्स** कोहली-रोहित की टक्कर में आरसीबी के लिए तेज गेंदबाजी परेशानी का सबब

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 229
फरीदाबाद, सोमवार, 28 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

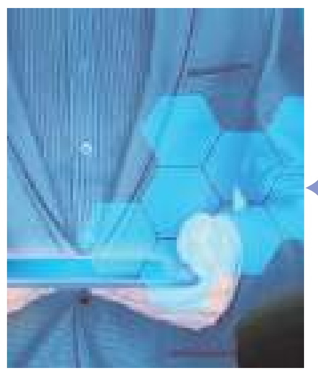

साइबर सुरक्षा क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अवसर
कॅरियर -10

कोरोना मीटर

विश्व	
कुल	32,886,465
मौतें	994,940
ठीक	22,759,961
भारत	
कुल	60,41,811
मौतें	94,937
ठीक	49,81,273

स्रोत: www.covid19india.org

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 36.09°C
न्यूनतम 26.05°C

क्विक न्यूज

आईपीएल : किंग्स इलेवन के दो विकेट पर 223 रन

शारजाह। किंग्स इलेवन पंजाब ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में रविवार को यहां दो विकेट पर 223 रन बनाए। किंग्स इलेवन की तरफ से मयंक अग्रवाल ने 106 और कप्तान केएल राहुल ने 69 रन बनाए।

● विस्तृत खबर पेज-11

युवती से बलात्कार में रेलवे के दो इंजीनियर निलंबित

भोपाल। मध्यप्रदेश में भोपाल रेलवे स्टेशन के वीआईपी विश्राम कक्ष में 22 वर्षीय एक युवती से कथित रूप से सामूहिक बलात्कार के एक दिन बाद आरोपी दो इंजीनियरों को रेलवे ने निलंबित कर दिया है। शनिवार को भोपाल स्टेशन परिसर में हुई सामूहिक बलात्कार की शिकायत शनिवार रात संज्ञान में आने पर जीआरपी द्वारा राजेश तिवारी (जूनियर इंजीनियर , कैरिज वैगन) तथा आलोक मालवीय (सीनियर सेक्शन इंजीनियर विद्युत)भोपाल के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया। इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में भीषण आग से लाखों का नुकसान

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के इकोटेक एक्सटेंशन-1 इलाके में रविवार दोपहर एक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें दोपहर 1.15 बजे आग लगने की सूचना मिली। कासना पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए आठ दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। दमकलकर्मी और पुलिस मिलकर आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटें हैं। आग लगाने का कारण अभी पता नहीं चला है। अधिकारियों ने बताया कि अभी घटना में किसी व्यक्ति के हताहत होने की जानकारी नहीं है। हालांकि संपत्ति के नुकसान का आकलन किया जाना बाकी है।

1999 में हाईजैक प्लेन छुड़वाने में अहम किरदार निभाने वाले पूर्व मंत्री जसवंत सिंह का निधन

सैनिक, फिर बतौर राजनेता देश की सेवा में ही लगे रहे जसवंत

एजेंसी। नई दिल्ली

अटल सरकार में मंत्री रहे जसवंत सिंह का रविवार सुबह 6.55 बजे निधन हो गया। वे 82 साल के थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व मंत्री के निधन पर शोक व्यक्त किया है। वे अगस्त 2014 में अपने घर में गिरने के बाद से बीमार थे। उन्हें सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस साल जून में उन्हें दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका अंतिम संस्कार राजस्थान के जोधपुर में किया गया। राजनीति में आने से पहले जसवंत सेना में थे। वे मेजर के पद से रिटायर हुए थे।

सरकार में तीन अहम विभाग (वित्त, रक्षा, विदेश) संभालने वाले जसवंत को खामियाजा भी भुगतना पड़ा। एक बार उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, 'जसवंत सिंह जी ने हमारे देश की पूरी लगन से सेवा की। पहले सैनिक के रूप में, बाद में राजनीति से उनका लंबा जुड़ाव रहा। अटल जी की सरकार उन्होंने बेहद अहम पोर्टफोलियो संभाले। वित्त, रक्षा और विदेश मामलों में उन्होंने मजबूत छाप छोड़ी। उनके निधन से दुखी हूं।' 24 दिसंबर 1999 को इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट को हाईजैक करके अफगानिस्तान के कंधार ले जाया गया था। यात्रियों को बचाने के लिए भारत सरकार को तीन आतंकी छोड़ने पड़े थे। जिन आतंकियों को छोड़ा गया था, उनमें मुश्ताक अहमद जरगर, उमर सईद शेख और मौलाना मसूद अजहर शामिल था। इन आतंकियों को लेकर जसवंत ही कंधार गए थे। 1998 में परमाणु परीक्षण के बाद अमेरिका ने भारत पर सख्त प्रतिबंध लगाए थे। तब जसवंत ने अमेरिका से बातचीत की थी। 1999 में करगिल युद्ध के दौरान भी उनकी भूमिका अहम रही।

जसवंत सिंह मोहम्मद अली जिन्ना पर लिखी अपनी किताब की वजह से 2009 में भाजपा से निकाले गए थे। कहा जाता है कि 'जिन्ना: इंडिया-पार्टीशन, इंडिपेंडेंस' किताब में उन्होंने जिन्ना को एक तरह से धर्मनिरपेक्ष बताया था। इसके अलावा सरदार पटेल और पंडित नेहरू को भारत-पाकिस्तान विभाजन का जिम्मेदार बताया था। 2010 में भाजपा में जसवंत की वापसी हुई। 2012 में भाजपा ने उन्हें उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया, लेकिन, यूपीए के हामिद अंसारी से हार गए। 2014 में उन्हें भाजपा ने लोकसभा चुनाव का टिकट नहीं दिया। उनकी बाड़मेर सीट से भाजपा ने कर्नल सोनाराम चौधरी को उतारा। इसके बाद जसवंत ने भाजपा छोड़ दी। निर्दलीय चुनाव लड़े, लेकिन हार गए। इसी साल उन्हें सिर में चोट लगी। इसके बाद से जसवंत कोमा में चल रहे थे।

● संबंधित खबर पेज-09

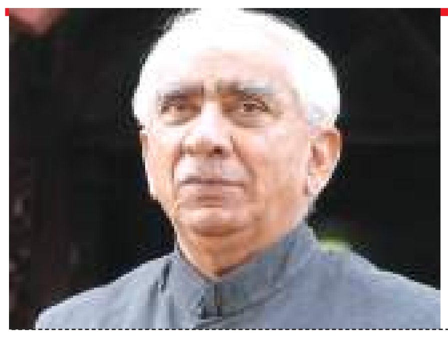

भैरों सिंह शेखावत लाए राजनीति में

जसवंत सिंह 1957 से 1966 तक सेना में रहे और 1965 की जंग में हिस्सा लिया। सेना से रिटायर्ड होने के थोड़े समय बाद ही वे जोधपुर के महाराज गज सिंह के सलाहकार बन गए। जसवंत ने 1977 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत के कहने पर राजनीति में एंट्री की और उनके दिशा-निर्देशन में आगे बढ़े। 1980 में भाजपा के गठन के समय तक वे अग्रणी भूमिका में आ चुके थे। शेखावत के कहने पर वाजपेयी ने उन्हें राज्यसभा में भेजा। 1989 में जसवंत ने जोधपुर से लोकसभा चुनाव लड़ा और अशोक गहलोत (मौजूदा मुख्यमंत्री) को हराया। जसवंत सिंह और राजमाता विजयाराजे सिंधिया के सचिव रहे सरदार आंग्रे की पत्नियां आपस में चचेरी बहनें थी।

सरगना सुनील राठी की एक करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति कुर्क

बागपत (यूपी)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुख्यात अपराधी और माफिया सरगना मुन्ना बजरंगी की जेल में हत्या करने के आरोपी सुनील राठी की एक करोड़ 20 लाख रुपये मूल्य की अवैध संपत्ति रविवार को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क कर ली गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने बताया कि दोघट थाना क्षेत्र के टीकरी गांव में कुख्यात माफिया सरगना सुनील राठी की एक करोड़ 20 लाख रुपये की अवैध संपत्ति को गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 (1) के अंतर्गत कुर्क किया गया है। उसके कुल तीन मकान और एक लग्जरी कार कुर्क की गई है। कुख्यात सुनील राठी के खिलाफ उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश में हत्या, लूट, डकैती और रंगदारी वसूली के 41 मुकदमे दर्ज हैं।

राजस्थान में हिंसक प्रदर्शन और भड़का, दो की मौत

उपद्रवी पहाड़ियों पर डटे राज्य ने आरएएफ मांगी

एजेंसी। उदयपुर

राजस्थान में शिक्षक भर्ती में अनारक्षित पदों को एसटी उम्मीदवारों से भरने की मांग को लेकर चौथे दिन भी हिंसक प्रदर्शन जारी है। उदयपुर के खेरवाड़ा में प्रदर्शनकारियों ने पहाड़ियों पर कब्जा जमा लिया है। वे यहां से सारी गतिविधियों पर नजर रखे हैं। वहीं, आदिवासी जनप्रतिनिधियों के साथ अफसरों ने बैठक की। रविवार देर रात तक जयपुर से आए राज्य के बड़े अफसर स्थिति काबू करने में जुटे रहे। वहीं, खेरवाड़ा में हुई फायरिंग में दो लोगों की मौत की सूचना है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 3300 लोगों पर केस दर्ज हो चुका है। उदयपुर जिले में धारा-144 भी लगा दी गई है। उधर, हिंसा को देखते हुए उदयपुर की गोगुंदा और सराड़ा पंचायत में 28 और 29 सितंबर को होने वाले पंचायत चुनाव स्थगित कर दिए गए हैं।

प्रदर्शनकारियों ने रविवार देर शाम तक उदयपुर-अहमदाबाद हाईवे को बहाल नहीं होने दिया है। डूंगरपुर के पास दोवड़ा में तड़के 4 बजे कॉलोनी में खड़े एक पिकअप वाहन में आग लगा दी। यहां कंजड़ी घाटी में छोटी पहाड़ियों पर आदिवासी युवा चढ़ गए। हाईवे पर आने-जाने वाले लोगों पर पथराव करने पर पुलिस ने हवाई फायर किए। इसके बाद सभी भाग निकले। इससे पहले देर रात कुछ उपद्रवी हाईवे के पास बनी श्रीनाथ कॉलोनी में घुसे और जमकर तोड़फोड़ की। कई घरों के शीशे तोड़ दिए गए। कार और बाइक को आग के हवाले कर दिया, जिससे रातभर लोगों में खौफ बना रहा। फिलहाल, यहां हथियारबंद 40 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

खेरवाड़ा के बाद ऋषभदेव में भी गरमाया माहौल

खेरवाड़ा के बाद ऋषभदेव में भी माहौल गरमा गया। यहां तीन पहाड़ियों पर बैठे 100 से ज्यादा उपद्रवियों का पुलिस से टकराव हो गया। इस दौरान उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। जिसमें एक इंस्पेक्टर और चार पुलिसवाले जख्मी हो गए। मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधि प्रदर्शनकारियों को समझाने में जुटे रहे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को शिक्षामंत्री गोविंद डोटासरा, सीएस राजीव स्वरूप, डीजीपी भूपेंद्र सिंह, प्रमुख सचिव (गृह) अभय कुमार, डीजी अपराध एमएल लाठर समेत अफसरों के साथ बैठक की। गहलोत ने कहा, सरकार किसी भी वर्ग की न्यायोचित मांगों पर विचार करने और चर्चा के लिए हर समय तैयार हैं। स्टूडेंट्स और नौजवानों से अपील है कि हिंसा छोड़ें और अपनी बात रखने के लिए आगे आएं।

चीन के खिलाफ लद्दाख में चल रही फौज की तैयारियां, एलएसी पर टी-90 और टी-72 टैंक तैनात

-40 डिग्री टेम्परेचर में निशाना साधने में सक्षम

एजेंसी। लद्दाख

लद्दाख में करीब 5 महीने से जारी तनाव के बीच सेना ने सर्दी के लंबे मौसम में भी मोर्चा संभालने की तैयारियां पुख्ता कर ली हैं। सेना ने पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पास आर्मर्ड रेजीमेंट के टी-90 और टी-72 टैंकों की तैनाती की है। इसके अलावा बीएमपी-2 कॉम्बैट व्हीकल भी भेजे गए हैं। यह युद्धक टैंक 14 हजार 500 फीट की ऊंचाई पर चुमार-डेमचोक एरिया में तैनात किए गए हैं। इसे टैंकों के लिहाज से दुनिया का सबसे ऊंचा युद्ध क्षेत्र कहा जाता है। इन टैंकों की खासियत है कि ये माइनस 40 डिग्री टेम्परेचर में भी ऑपरेट किए जा सकते हैं।

14 कॉर्प्स के चीफ ऑफ स्टाफ ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि लद्दाख में सर्दियों का मौसम खराब होता है। जहां तक सर्दियों के मौसम की बात है, तो हम पूरी तरह तैयार हैं। हाई कैलोरी और न्यूट्रीशन वाला राशन हमारे पास है। फ्यूल और ऑयल, सर्दियों के कपड़े, गर्मी पहुंचाने के उपकरण हमारे पास पर्याप्त मात्रा में हैं।

दरअसल, सर्दियों में यहां रात के वक्त टेम्परेचर माइनस 35 डिग्री तक पहुंच जाता है। इसके अलावा तेज बर्फीली हवाएं भी चलती हैं। इस इलाके में टैंकों, बड़ी बंदूकों और युद्धक वाहनों का मेंटेनेंस बहुत बड़ी चुनौती रहता है। फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स भारतीय सेना की अकेली या दुनिया की अकेली टुकड़ी है, जो ऐसे हालात में मोर्चा संभालने के लिए तैनात की गई है। हमने यहां पर जवानों और हथियारों की मेंटेनेंस और तैयारी को लेकर पर्याप्त व्यवस्थाएं कर रखी हैं। भारत की आर्मर्ड रेजीमेंट के पास कम समय में एलएसी के पास पहुंचने की क्षमता है और यह रेजीमेंट ऐसा करके दिखा चुकी है। तब 29-30 अगस्त को चीन ने अपने टैंक तैयार किए थे और भारत की कुछ पोस्ट पर कब्जा करने की कोशिश की थी। लेकिन, भारतीय जवानों ने न सिर्फ चीन की घुसपैठ नाकाम कर दी, बल्कि पैगॉन्ग के दक्षिणी किनारे पर अहम चोटियों पर भी कब्जा कर लिया।

14,500
की ऊंचाई पर चुमार डेमचोक एरिया में तैनात किए गए हैं यह युद्धक टैंक
हाई कैलोरी और न्यूट्रीशन वाला राशन हमारे पास है

कृषि विधेयकों पर राजग छोड़ने पर शिअद की सराहना

मुंबई। शिवसेना ने किसानों के हितों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से अलग होने पर शिरोमणि अकाली दल की रविवार को सराहना की। हालांकि पार्टी सांसद संजय राउत ने यह भी कहा कि शिरोमणि अकाली दल (शिअद) का राजग से अलग होने का फैसला दुखद घटनाक्रम है।

शिअद ने शनिवार रात को राजग से अपने संबंध तोड़ने की घोषणा की। वह हाल के वर्षों में भाजपा की अगुवाई वाले राजग से अलग होने वाली तीसरी बड़ी पार्टी है। इससे पहले शिवसेना और तेदेपा भी राजग से अलग हो चुकी हैं। गत वर्ष शिवसेना ने महाराष्ट्र में सत्ता साझेदारी के मुद्दे पर भाजपा से टकराव के बाद राजग को अलविदा कह दिया था।

अलकायदा का एक और आतंकवादी गिरफ्तार

एजेंसी। कोलकाता

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले से एक और व्यक्ति को पाकिस्तान प्रायोजित अलकायदा के मॉड्यूल से जुड़े होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। रविवार को बताया कि एनआईए ने शमीम अंसारी नामक व्यक्ति को उसके जलांगी स्थित आवास से शनिवार को पकड़ा। उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। इससे पहले पाकिस्तान प्रायोजित अलकायदा के मॉड्यूल से जुड़े नौ लोगों को गिरफ्तार किया था, जिनमें से छह की गिरफ्तारी पश्चिम बंगाल से जबकि तीन की गिरफ्तारी केरल से की गई थी।

आतंकवादियों की घुसैपठ नाकाम : जम्मू। पाकिस्तान रेंजर्स की गोलीबारी की आड़ में भारी मात्रा में हथियारों से लैस पांच आतंकवादियों की जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते भारत में घुसपैठ की कोशिश को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने नाकाम कर दिया। बीएसएफ की ओर की गई जवाबी कार्रवाई की वजह से पांचों आतंकवादी वापस पाकिस्तानी क्षेत्र में लौट गए। 26-27 सितंबर की रात बीएसएफ के जवानों ने आतंकवादियों के समूह की गतिविधियां देखीं, जो सीमा पार से इस ओर आने की कोशिश कर रहे थे।

अवंतीपुरा में आतंकियों से मुठभेड़ शुरू

जम्म। अवंतीपुरा में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबर है। पुलिस ने जानकारी दी है कि आतंकियों के साथ अवंतीपुरा के संपूरा में यह मुठभेड़ चल रही है। हालांकि कश्मीर जोन पुलिस ने यह जानकारी नहीं दी कि आतंकियों की संख्या कितनी है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। देर रात तक अधिक जानकारी सामने आएगी।

किसानों के मुद्दे पर एक मंच पर आए सेलजा और जाखड़

चंडीगढ़। भले ही पंजाब व हरियाणा में पिछले कई वर्षों से एसवाईएल के पानी को लेकर लड़ाई चल रही है व पंजाब के नेता हरियाणा को उसके हिस्से का पानी देने से इनकार करते रहे हैं, लेकिन कृषि अध्यादेशों के विरोध के चलते पंजाब में पैदा हुए राजनीतिक हालातों ने दोनों राज्यों के कांग्रेस नेताओं को एक मंच पर आने को मजबूर कर दिया है।

पंजाब कांग्रेस प्रधान सुनील जाखड़ तथा हरियाणा कांग्रेस प्रधान कुमारी सेलजा ने रविवार को संयुक्त प्रेस वार्ता के माध्यम से जहां अकाली दल द्वारा समर्थन वापस लिए जाने को नाटक करार दिया वहीं दोनों नेताओं ने दुष्यंत पर भी समर्थन वापसी का दबाव बनाया। पंजाब में राजनीतिक हालात तेजी से बदल रहे हैं। बादलों द्वारा पंजाब में किसान यात्रा का ऐलान किया जा चुका है, जिसके चलते एसवाईएल, चंडीगढ़ राजधानी जैसे मुद्दों की लड़ाई भुलाकर मजबूरी में एक मंच पर आई सेलजा ने कहा कि भाजपा के लिए लोकतंत्र के कोई मायने नहीं है।

राष्ट्रपति ने जम्मू-कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक को मंजूरी दी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की मंजूरी के बाद एक नए कानून को अधिसूचित कर दिया गया है, जिसमें जम्मू-कश्मीर की आधिकारिक भाषाओं की सूची में उर्दू और अंग्रेजी के अतिरिक्त कश्मीरी, डोगरी और हिंदी को शामिल किया गया है।

हाल में मानसून सत्र के दौरान संसद ने जम्मू-कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक, 2020 को पारित किया था। गजट अधिसूचना के मुताबिक जम्मू कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक, 2020 को 26 सितंबर को राष्ट्रपति ने अपनी मंजूरी दे दी।

रेलवे की मौसमी फलों और सब्जियों से किसान ट्रेनों को जोड़ने की तैयारी

एजेंसी। नई दिल्ली

रेलवे किसान ट्रेनों को मौसमी फलों और सब्जियों से जोड़ने पर विचार कर रहा है ताकि छोटे किसानों को लाभ हो सके। यह जानकारी रेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को दी। यह तब किया जा रहा है, जब एक देश में एक बाजार के वादे के साथ लाए गए कृषि विधेयकों को लेकर राजनीतिक बंवडर उठा हुआ है।

अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की पहली किसान ट्रेन आगामी दिसंबर और जनवरी में नागपुर से दिल्ली के लिए संतरा किसान विशेष ट्रेन और पंजाब से पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा के लिए कीनू विशेष ट्रेन हो सकती है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने किसान रेल सेवा की शुरुआत की गई थी और अब तक किसानों का 4,100 टन उत्पाद देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अभी अंतिम रूपरेखा तय किया जाना बाकी है, लेकिन साथ ही कहा कि उसे मौसमी उत्पादों के लिए समर्पित विशेष ट्रेन चलाने की व्यवहारिकता को लेकर जोनल रेलवे से प्रतिपुष्टि (फीडबैक) प्राप्त हुई है। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, संतरा और कीनू विशेष रेलगाड़ी संभवत: पहली रेलगाड़ी होगी जिसका परिचालन किया जाएगा।

बिहार के पूर्व डीजीपी जदयू में शामिल

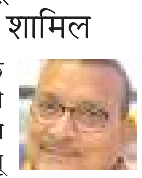

पटना। बिहार के पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय रविवार को जेडीयू में शामिल हो गए। सीएम आवास पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुप्तेश्वर पांडेय को पार्टी की सदस्यता दिलाई। बिहार में अगले महीने से विधानसभा चुनाव की शुरुआत होने वाली है।

राज्य में तीन फेज में वोटिंग होगी। जेडीयू का दामन थामने के बाद गुप्तेश्वर पांडेय ने कहा कि वह राजनीति नहीं समझते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे खुद मुख्यमंत्री ने बुलाया था और शामिल होने के लिए कहा। मैं राजनीति नहीं समझता हूं। मैं एक साधारण व्यक्ति हूं, जिसने अपना समय समाज के निम्न वर्ग के लिए काम करने में बिताया है। गुप्तेश्वर पांडेय ने मंगलवार, 22 सितंबर की देर शाम वीआरएस ले लिया था।

तीनों कृषि संबंधी विधेयकों को राष्ट्रपति कोविंद ने स्वीकृति दी, मन की बात में बोले मोदी

किसानों को जहां अच्छे दाम मिलेंगे, वहीं फल-सब्जियां बेच सकेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संसद से पारित तीनों कृषि विधेयकों को रविवार को स्वीकृति दे दी। इन विधेयकों का पूरे देश में विरोध हो रहा है। खासकर पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के किसान इनके विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, विपक्ष भी इन विधेयकों को लेकर केंद्र पर निशाना साध रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 69वीं बार मन की बात कार्यक्रम के जरिए देश को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने लोगों को कोरोना से बचाव में पूरी सावधानी रखने की सलाह दी। बच्चों को कहानी सुनाने की परंपरा खत्म होने पर चिंता जताई। किसानों को भरोसा दिया कि कृषि बिलों से उनका नुकसान नहीं, फायदा होगा। उन्हें जहां ज्यादा कीमत मिलेगी अपनी फसल-फल वहीं बेंच सकेंगे। आखिरी में महात्मा गांधी, लालबहादुर शास्त्री, जयप्रकाश नारायण और राजमाता सिंधिया के योगदान को याद किया। इन सभी हस्तियों का अगले महीने जन्मदिन है। कोरोना के कालखंड में दो गज की दूरी जरूरी बन गई है। इस दौरान कई परिवारों को दिक्कतें भी आईं। परिवार के बुजुर्गों ने बच्चों को कहानियां सुनाकर समय बिताया। कहानियां संवेदनशील पक्षों को सामने लाती हैं। जब मां बच्चे को खाना खिलाने के लिए कहानी सुनाती है, उसे देखना दिलचस्प होता है। लंबे समय तक में घुमंतू रूप में रहा। कई घरों में जाता था। मैं बच्चों को कहानियां सुनाता था। वे कहते थे, अंकल चुटकुले सुनाइए। मैं हैरान रह गया कि घरों में कहानियों की परंपरा खत्म हो गई।

● संबंधित खबर पेज-09

गृहमंत्री शाह से मिलने पहुंचे सीएम मनोहर लाल

चंडीगढ़। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर रविवार शाम 5 बजे देश के गृहमंत्री अमित शाह से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। इससे पहले सीएम ने रविवार को अपने चंडीगढ़ के सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए थे। मुलाकात के दौरान सीएम प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार, बरोदा उपचुनाव, भाजपा संगठन में नई नियुक्तियों पर भी चर्चा कर सकते हैं। इससे पहले रविवार को ही हरियाणा के सीएम भाजपा के संगठन महामंत्री बीएल संतोष से भी मिले थे। दोनों ने नाश्ता इकट्ठे किया था। इस दौरान भी सीएम की कई विषयों पर चर्चा हुई है। माना जा रहा है कि संगठन और पार्टी के बड़े नेताओं से मुलाकात के पीछे की वजह मंत्रिमंडल विस्तार है।

Good Morning!
फरीदाबाद पायनियर
हरियाणा, सोमवार, 28 सितंबर 2020 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

खुद की सुरक्षा करके ही हम कोरोना को फैलने से रोक सकते हैं : हरप्रीत

कोरोना वायरस की वैक्सीन अभी बन नहीं पाई हैं। हम सिर्फ सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस से ही खुद को कोरोना से बचा सकते हैं, लेकिन नियमों का पालन करने में लापरवाही बरतने वाले लोगों की वजह से ही कोरोना लगातार फैल रहा है। ये लोग अपने साथ-साथ अपने परिवार और समाज को भी खतरे में डालने का काम कर रहे हैं। इसलिए बाद में रोने से अच्छा है कि हमें अभी से सम्भल जाना चाहिए। यह कहना है कि फरीदाबाद लेडिज क्लब, इंपावरिंग वूमैन की अध्यक्ष हरप्रीत कौर का। श्रीमती हरप्रीत कौर लंबे समय महिलाओं में आत्मविश्वास जगाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर भी बना रही है। **पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और हरप्रीत कौर की बातचीत के कुछ खास अंश :-**

जीवन परिचय

नाम	: हरप्रीत कौर
जन्मदिन	: 14 जून 1970
पिता	: हरमीत सिंह
माता	: मोहिंद्रजीत कौर
पति	: जितेंद्र सिंह तनेजा
परिवार	: बेटी सिमर, सुखमणी, दामिनी
स्कूल	: 10 वीं - गोवर्नमेंट मॉडल स्कूल, सेक्टर 35, चंडीगढ़
उच्चशिक्षा	: बीए, बीएड, कप्यूटर कोर्स
रूचि	: समाजसेवा

सवाल : शिक्षा के बाद आपने करियर की शुरूआत कैसे की।
जवाब : शिक्षा के बाद मैने थोड़ा समय मॉडलिंग, सीरियल्स में एक्टिंग, विज्ञापन की वॉयसओवर का काम किया। फिर मैने कोको कोला कंपनी के अकाउंट्स विभाग में काम करना शुरू कर दिया। कुछ समय बाद मैने चंडीगढ़ की एक अन्य कंपनी में काम किया। विवाह के बाद में दिल्ली में आ गई। मेरे बुजुर्ग सास ससुर फरीदाबाद में रहते थे। इसलिए वर्ष 1995 में हम फरीदाबाद के सेक्टर 21 बी में शिफ्ट हो गए।

सवाल : आपने समाजसेवा की तरफ कदम कैसे बढ़ाया।
जवाब : मैं दिल्ली में भी समाजसेवा के कार्यो से जुड़ी रहती थी। यहां आने के बाद मैं आरडब्ल्युए की कार्यकारी सदस्य बनी। जिसके तहत मैने सेक्टर के पार्क को संवारने का काम किया। प्रोत्साहन मिलने पर मैं समाजसेवा के अन्य कामों में जुटती चली गई।

सवाल : आपने अपनी संस्था की स्थापना कब की।
जवाब : वैसे तो मैं पिछले सात साल से संस्था चला रही हूं, लेकिन वर्ष 2016 में मैने फरीदाबाद लेडिज क्लब, इंपावरिंग वूमैन का रजिस्ट्रेशन करवाया है।

सवाल : संस्था किस तरह के कार्य करती है।
जवाब : संस्था महिलाओं खासकर गृहणियों में आत्मविश्वास जगाने का काम करती है। जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का काम किया जाता है। भारतीय संस्कृति और त्यौहारों के महत्व के बारे में महिलाओं को जागरूक करने के लिए प्रत्येक मौके पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। रक्तदान, नेत्रदान और स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन भी किया जाता है।

सवाल : समाजसेवा के कार्यों के लिए क्या आपकों पुरस्कार भी मिले हैं।
जवाब : वर्ष 2017 में वूमैन एचीवमेंट अवार्ड, वर्ष 2018 में इंपारिंग जैम ऑफ इंडिया अवार्ड, वर्ष 2019 में बेस्ट वूमैन आईकॉन अवार्ड, आईकॉन वूमैन ग्लोवल अवार्ड समेत अनेक पुरस्कार मुझे मिल चुके हैं।

सवाल : लॉकडाउन के दौरान आपने जरूरतमंदों की कैसे मदद की।
जवाब : लॉकडाउन में हमने गुरूद्वारा सेक्टर 15 के साथ मिलकर भोजन वितरण का काम किया। कई जरूरतमंद परिवारों को राशन उपलब्ध कराया। मदद के काम में जुटी अन्य संस्थाओं को आर्थिक सहायत भी दी।

सवाल : वर्तमान स्थिति में हम कोरोना से कैसे जीत सकते हैं।
जवाब : हमें कोरोना के साथ जीते हुए अपने जरूरी काम करने हैं। इसलिए हमें खुद की सुरक्षा करनी होगी। यदि हम खुद को सुरक्षित रखेंगे तो यह बीमारी फैलेगी नहीं।

सवाल : जानबूझ कर नियम तोड़ रहे लोगों को आप क्या संदेश देना चाहती हैं।
जवाब : सरकार ने नियमों के प्रति लोगों को खूब जागरूक करने का काम किया है। लेकिन अनेक लोग जानबूझ नियमों को तोड़कर अपने साथ साथ अपने परिवार के लोगों का बहुमूल्य जीवन खतरे में डाल रहे हैं।

सवाल : क्या सरकार ने लॉकडाउन ठीक समय पर किया था।
जवाब : सरकार ने ठीक समय पर ठीक कदम उठाया था। लेकिन मजदूरों के मामले में सरकार में से थोड़ी सी चूक हुई है। इस चूक की वजह से मजदूरों को परेशानियां झेलते हुए पैदल यात्रा करनी पड़ी थी।

संक्षिप्त समाचार

शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जन्मदिन पर हुए कार्यक्रम

फरीदाबाद। एनएच-एक स्थित फावड़ा सिंह चौक पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग के साथ एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जय हिन्द सेवा दल द्वारा प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाता। इस अवसर पर शहर की कई धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की चित्र पर पुष्प अर्पित किए। वहीं जय हिन्द सेवा दल के संस्थापक राजू बजाज ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत माता के लिए उन्होंने मात्र 23 वर्ष की उम्र में इतना महान क्रांतिकारी कार्य किया। जिसे प्रत्येक देशवासी आज भी अपने दिलों में याद रखता है। आज इन महान क्रांतिकारियों की बदौलत में आजादी की सांस ले रहे है। इस अवसर पर मनोनीत पार्षद दिनेश भाटिया, लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्रधान लक्ष्मण खन्ना, जिला टैक्स बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप सेठी, अर्न्तराष्ट्रीय रोनियार वैश्य महासम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, समाजसेवी अनिल फागना, अवतार सिंह जैसवाल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अनीष पाल, एनएच एक-ए ब्लॉक के प्रधान महेन्द्र कपूर, युवा समाजसेवी गगन कपूर, ओमप्रकाश छाबड़ा, शिवम पांडे, गुलशन भोला, आयाराम, विरेन्द्र सिंह, राहुल कालरा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रविन्द्र फागना ने 85 रन से जीता मैच

फरीदाबाद। छठां ऑल इंडिया रविंद्र फागना अंडर 17 क्रिकेट टूर्नामेंट में रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने वर्षा क्रिकेट अकादमी को 85 रन से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि यह मैच 40-40 ओवर का था। इसमें रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्यण लिया। रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी की ओर से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 40 ओवर में 6 विकेट पर 200 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए समीर खान ने 42 रन, कुनाल सिंह और वैभव सिंह ने 33-33 रन बनाए। वर्षा क्रिकेट अकैदमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए निखिल ने 3 विकेट, अभिषेक ने 2 विकेट और अनुभव सिंह ने 1 विकेट लिया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए वर्षा क्रिकेट अकैदमी की टीम को 32.4 ओवर 10 विकेट में 115 रन बनाकर हार का सामना करना पड़ा। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए सोनू खोली ने 38 रन, ऋषभ गुप्ता ने 33 रन और उज्वल मिश्रा ने 16 रन बनाए। रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी की और से गेंदबाजी करते हुए अंनु भड़ाना ने 4 विकेट, हरीश भड़ाना ने 2 विकेट, अनिक गॉर्ड और हर्ष फागना ने 1-1 विकेट लिए। लाखन एंपायर (रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी) के द्वारा अन्नु भड़ाना को मैन ऑफ दा मैच का पुरस्कार दिया गया।

धार्मिक और सामाजिक संगठन के महासचिव बने मनोज नरूला

फरीदाबाद। रविवार को एक बैठक फरीदाबाद धार्मिक एवं सामाजिक संगठन के प्रांगण में मुनिराज महाराज एवं अश्वनी त्रिखा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें दिवगंत आत्मा स्वर्गीय डॉक्टर राधा नरूला को श्रद्धांजलि दी गई। प्रधान जोगेंद्र चावला ने सबसे 2 मिनट का मौन व्रत रखवाया और सभी सदस्यों को उनके पद चिन्हों पर चलने को कहा। श्रद्धांजलि सभा में कंवल खत्री, अजय नाथ, स्वर्गीय डॉ. राधा नरूला के पुत्र मनोज नरूला और पुत्रवधु तनु नरूला, सचिन खत्री, मोहन लाल अरोड़, अनिल भाटिया, विश्व बंधु शर्मा, नरेश कथूरिया, विनोद मालिक, अर्जुन दास, गुर दयान, सूंदर लाल चुग, चुनी लाल चावला, राम कुमार तिवारी, संदीप भाटिया, दलजीत सिंह, जयपाल शर्मा, बसंत गुलाटी, रानी चौपड़ा, सरला विरमानी, अमर नाथ भाटिया,जी.पी. गांधी, मनोहर लाल वधवा , विशंभर भाटिया,अश्वनी आजाद ,आदि उपस्थित थे ह्व और प्रधान जोगेंद्र चावला जी ने बताया कि फ़रीदाबाद धार्मिक एवं सामाजिक संगठन में कंवल खत्री चेरयमैन और स्वर्गीय डॉ राधा नरूला के पुत्र मनोज नरूला महासचिव, जयपाल शर्मा सचिव और पीर जगन नाथ, मुनिराज महाराज और एडवोकेट अश्वनी त्रिखा को संस्था की तरफ से सरपरस्ती दी।

शहर का तापमान
- अधिकतम 37.03 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 24.05 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज
- सेक्टर-12 में सड़क निर्माण को लेकर सामाजिक संस्थाएं सौंपेंगी डीसी को ज्ञापन: सुबह 10.30
- बीके चौक पर आशा वर्करों का धरना: सुबह 10 बजे
- सेक्टर-12 में पीटीआई टीचरों का प्रदर्शन: सुबह 11 बजे
- बीके में कोरोना जांच व ओपीडी शुरू: सुबह 8 बजे

निवेश गुरु

कैश इन्वेस्टमेंट

कैश इन्वेस्टमेंट में हर दिन इस्तेमाल होने वाले बैंक अकाउट्स, ऊंची ब्याज दर वाले सेविंग अकाउंट्स और टर्म डिपॉजिट शामिल रहते हैं। सभी तरह के निवेश में कैश निवेश में सबसे कम रिटर्न की उम्मीद होती है। कैश इन्वेस्टमेंट में कैपिटल ग्रोथ का कोई मौका नहीं होता। इनसे नियमित आय हो सकती है और वेल्थ को प्रोटेक्ट करने में इनकी अहम भूमिका भी होती है।

यूटीलिटी न्यूज

नि:शुल्क प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

फरीदाबाद। सोनू नव चेतना फाउंडेशन ने रविवार को ग्राम बहबलपुर के सरस्वती स्कूल में दादा हरचंदी रेवती देवी निश्शुल्क सिलाई व कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर सोनू नव चेतना फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ दुर्गेश, ट्रस्टी सोनू भाटी, फरीदाबाद की कार्यशील लोकप्रिय संस्था संभार्य फाउंडेशन के चेयरमैन अभिषेक देशवाल, नगर निगम के जेई व संस्था के सहयोगी आशीष विशेष तौर पर मौजूद रहे। राजकीय महाविद्यालय फरीदाबाद की प्राध्यापक जन्नत खत्री ने रिबन काट कर केंद्र का शुभारंभ किया। इसके बाद सरस्वती दीप विद्यालय के प्राचार्य ओम स्वरूप जी ने गांव वालों को संबोधित कर संस्था का आभार प्रकट किया और जल्द ही गांव के अंदर बच्चियों व जरूरतमंदों के लिए नि: शुल्क कंप्यूटर कोचिंग सेंटर खोलने का आग्रह किया जिसे संस्था ने स्वीकार करते हुए जल्द ही ग्राम बहवलपुर में नि:शुल्क कंप्यूटर कोचिंग सेंटर खोलने जल्द ही शुरू करने को कहा।

क्विक न्यूज

चंदीला बने अध्यक्ष

फरीदाबाद। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हम सबके प्रेरणास्रोत हैं। उनके द्वारा किए गए कार्यों को हमें आत्मसात करते हुए भारतीय जनता पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का काम करेंगे। ये विचार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किये गए वरिष्ठ भाजपा नेता विजय चंदीला ने रविवार को सेक्टर 56 में कार्यालय का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये। विजय चंदीला ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे व्यक्तित्व के लोग विरले ही होते हैं। मुझे उस मंच की हरियाणा की जिम्मेदारी दी गई है और मेरा प्रयास रहेगा कि उनके विचारों को प्रदेश के हर घर तक पहुंचाऊं। विजय चंदीला ने कहा कि वो जल्द पूरे प्रदेश में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विचार मंच की कार्यकारिणी का गठन करेंगे।

कंगाल नगर निगम

अनियोजित विकास कार्यों से शहर बना नरक

राजेश दास। फरीदाबाद

कोरोना महामारी के दौरान सरकार की तरफ से लोगों को स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया जा रहा है। लेकिन नगर निगम के अधिकारियों की लापरवाही के कारण एनआईटी 86 विधानसभा क्षेत्र के नंगला एन्कलेव इलाके में रहने वाले लोग पिछले लंबे समय से नरकीय जीवन जीने के लिए मजबूर हो रहे हैं। जबकि नगर निगम की तरफ से सीवर की लाइन और नालियों के निर्माण पर करोड़ों रुपये इस इलाके में खर्च किए जाने दावें किए जा रहे है। यहां पर हाल की कुछ महीने पहले नाले का निर्माण करवाया गया था। लेकिन उसका इलाके के लोगों को कोई फायदा नहीं हो रहा है। इस इलाके में सीवर और नालियों का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों और गलियों में बह रहा है। नगर निगम की लापरवाही के कारण इलाके के लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। नगर निगम में धरने, प्रदर्शन और शिकायत करने के बाद भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। लेकिन निगम अधिकारियों को लोगों की परेशानी से कोई सरोकार नहीं।

सीवर लाइन या मुसीबत

घनी आबादी वाले इस इलाके में वर्षो पहले नगर निगम की तरफ से करोड़ों रुपये खर्च कर सीवर की लाइनें डाली गई थी। लेकिन यह इलाके की आबादी के मुताबिक नहीं डाली गई। वहीं दूसरी तरफ नगर निगम सीवर लाइनों की सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करता है। लेकिन सफाई सिर्फ दिखावे के लिए होती है। इस लापरवाही के कारण सीवर की यह लाइनें बुरी तरह जाम हो चुकी है। जिससे इलाके के लाखों लोग सीवर ओवरफ्लो की समस्या से जूंझ रहे है। इलाके के लोगों का कहना है कि निगम इस इलाके में काम करने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं है। निगम मुख्यालय में शिकायत करने के बाद अधिकारियों ने दौरा कर समस्याओं का जायजा तो ले लिया। लेकिन आज तक समस्याओं का समाधान करवाने की जरूरत महसूस नहीं की। सीवर जाम होने से गंदा पानी जगह जगह ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बह रहा है।

नालियों की सफाई न होने से गंदा पानी नहीं निकल पाता। पिछले दिनों इलाके के लोगों ने निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन तक किया। लेकिन समस्या ज्यूं की त्यूं बनी हुई है।

फोटो : राजेश पुंजानी

8 साल से परेशानी

नगला एन्कलेव इलाके में पड़ने वाले वार्ड नंबर, छह, सात, आठ और नौ में लंबे समय से सीवर जाम की समस्या चल रही है। एक तरफ निगम स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर उन स्थानों पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रहा है, जहां पहले से सबकुछ ठीक है। वहीं दूसरी तरफ एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के अंर्तगत आने वाले नंगला एन्कलेव इलाके के लाखों लोग पिछले करीब आठ साल से नरकीय जीवन जीने को मजबूर हो रहे हैं। खासकर इलाके के वार्ड नंबर नौ की हालत से बद से बदतर हो चुकी है। इलाके में लंबे समय से सीवर की लाइनें जाम पड़ी हैं। सीवर का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बहता रहता है। नालिया गाद से भरी होने से गंदे पानी की निकासी बिल्कुल भी नहीं हो पा रही है। इलाके की तमाम सड़के और गलियां टूट चुकी हैं। इतने सालों में यहां विकास के नाम पर एक ईंट तक नहीं लगाई गई। यदि मामले की गहनता से जांच की जाए तो निगम के रिकॉर्ड में यहां करोड़ों खर्च होने बात सामने आ सकती है।

पैसों का दुरूपयोग

नगर निगम के अधिकारी सरकार के पैसों का लगातार दुरूपयोग करने में जुटे हुए है। आरएमसी रोड के निर्माण पर सरकार ने कई साल पहले प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन ठीक ठाक सड़कों को तोड़ कर फिर से आरएमसी रोड का निर्माण करवाया जा रहा है। सीवर की सफाई में इस्तेमाल होने वाली कई सूपर सकर मशीने निगम के पास मौजूद हैं। लेकिन यह मशीन नगर निगम सभागार में खड़ी हैं। मशीनों का इस्तेमाल न होने की वजह से यह अब जर्जर होनी शुरू हो गई। वहीं दूसरी तरफ अपनी मशीनों का इस्तेमाल करने की बजाए निगम द्वारा सीवर की सफाई का ठेका ठेकेदारों को दिया जाता है। ज्यादातर ठेकेदार सीवर लाइन की सफाई करने की बजाए सिर्फ दिखाव कर बिल नगर निगम में भुगतान के लिए जमा करवा कर अपना कर्तव्य पूरा कर लेते हैं। इलाके में तैनात नगर निगम के एसडीओ और जेई भी ठेकेदारों द्वारा किए जाने वाले काम पर ध्यान देने की बजाए अपने कार्यालय में बैठ कर सहमति जता देते हैं। जिसका खामियाजा शहर के लोगों को उठाना पड़ता है।

ध्यान नहीं देते

इलाके में रहने वाले बलराम का कहना है कि सीवर लाइनों की सफाई के लिए इलाके के लोग लगातार पाषर्दो और निगम से शिकायत कर रहे है। लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

सड़के जलमग्न

इलाके में दुकान चलाने वाले शांति का कहना है कि इलाके की सीवर लाइनें जाम पड़ी है। सीवर का गंदा पानी ओवरफ्लो होने से इलाके की सड़के हमेशा गंदे पानी से जलमग्न रहती है।

सफाई नहीं होती

नगला एन्कलेव इलाके में रहने वाले विनोद का कहना है कि नगर निगम के कर्मचारी यह नियमित रूप से काम पर नहीं आते। इसी वजह से इलाके की नालियां जाम हो चुकी है।

मां दुर्गा की मूर्तियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

दुर्गापूजा

डेढ़ महीने पहले ही मां दुर्गा की मूर्तियां बनाने का काम शुरू

कविता। फरीदाबाद

कोरोना के कारण इस बार दुर्गा पूजा के लिए डेढ़ महीने पहले ही मां दुर्गा की मूर्तियां बनाने का काम शुरू कर दिया गया था। ताकि कोरोना महामारी से बचाव के नियमों के साथ होने वाली तैयारियों के साथ दुर्गा पूजा हो सके। शहर में दुर्गापूजा की तैयारियां अंतिम चरण पर पहुंच चुकी है।

हर बार दुर्गापूजा के लिए शहर के कई मंदिरों में बाहर से मूर्तिकार आकर दुर्गा मां की मूर्तियां बनाकर तैयार करते है। इसी कड़ी में सेक्टर-16 स्थित फरीदाबाद कालीबाड़ी मंदिर में दुर्गा की प्रतिमा बनाने के लिए भी मूर्तिकारों को 15 दिन पहले बुलाया गया था। मूर्तिकारों द्वारा तैयार की जा रही प्रतिमाओं में रस्म के तौर पर वैश्या के घर की मिट्टी का इस्तेमाल किया जाता है। इस बारे में जानकारी देते हुए मूर्तिकार पांचु गोपाल पाल ने बताया कि यहां पहले उनके पिता स्व. नील कमल पाल मूर्तिया बनाने के लिए आते थे। पिछले करीब 20 साल से वह और उनका भाई प्रदुयुत पाल मूर्तियां बनाने का काम कर रहे है। उन्होंने बताया कि दुर्गा की प्रतिमा बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मिट्टी में विभिन्न पवित्र स्थलों की मिट्टी के साथ वैश्या, कुम्हार व लौहार के घर की मिट्टी को मिलाने की परम्परा प्राचीन काल से चली आ रही है।

इसमें सबसे ज्यादा महत्व गंगा के किनारे से लाई जाने वाली मिट्टी का होता है। क्यों गंगा नदी को सबसे ज्यादा पवित्र माना जाता है।

मां दुर्गा की मुर्ति को तैयार करता चित्रकार पांचु गोपाल पाल

ईको फ्रैंडली मूर्तियां

मूर्तिकार पांचु गोपाल पाल ने बताया कि मूर्तिया पूरी तरह से ईको फ्रैंडली बनाई जा रही है। ताकि विसर्जन के बाद इनसे किसी तरह का प्रदूषण न फैलने पाए। इसके लिए वह इन मूर्तियों को बनाने के लिए चिकनी मिट्टी, यमुना रेत, धान का भूस और रूई का इस्तेमाल करते हैं। मूर्ति का ढांचा तैयार हो जाने के बाद उसे रंगने के लिए प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने बताया कि वे स्वंय ही मिट्टी से ही अलग-अलग तरह के रंग तैयार करते हैं। इस तरह से मूर्तियां तैयार करने के बाद विसर्जन के दौरान नदियों और नहरों में जरा भी प्रदूषण नहीं फैलता। इस तरह से एक मूर्ति को बनाने में करीब 51000 रुपये का खर्चा आ रहा है। इसके अलावा अन्य कई स्थानों के लिए यहां मूर्तियां तैयार करने का काम किया जाता है।

स्लेजहैमर समूह की एक और बड़ी पहल
फ्री एम्बुलेंस सेवा
इस सेवा का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय लोगों को दिया जा रहा है।

जरूरतमंद फ्री एम्बुलेंस के लिए फोन करें।
9899885190
9899882050
SledgeHammer | SLEDGEHAMMER CRICKET ACADEMY | पायनियर

लापरवाही : सोशल डिस्टेंसिंग टूटने से प्रकोप दिखा रहा है कोरोना

मृतकों की संख्या का आंकड़ा 215 पर

विभिन्न संगठन और राजनीतिक पार्टियां तक कोरोना के बढ़ते खतरे को कर रही हैं नजरअंदाज

कविता। फरीदाबाद

सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ती धज्जियां

जिले में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे है। जिसमें कभी संक्रमण को मात देने वालों की संख्या बढ़ जाती है, तो दूसरी तरफ आंकड़ों में उछाल आ जाता है। हिसाब-किताब बराबर हो जाता है, लेकिन हरियाणा के अन्य जिलों के मुकाबले फरीदाबाद में सर्वाधिक मौत हुई है। जिसमें 215 मृतकों की संख्या है। ऐसी परिस्थिति में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है, लेकिन लोग लापरवाह हो रहे हैं। विभिन्न संगठन और राजनीतिक पार्टियां तक कोरोना के बढ़ते खतरे को नजरअंदाज कर रही हैं।

यह है कारण

जिले में लोग बचाव नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। जिसके गंभीर परिणाम सामने आ रहा है। कोरोना के प्रकोप को देखते हुए केंद्र सरकार ने पूरे देश में 24 मार्च से लॉकडाउन लगाया गया था, जो 31 मई तक था। जरूरी कार्य छोड़कर लोगों को घर निकलने पर पाबंदी थी। जरूरत की दुकानें खुलती थी। बाकी दुकानें बंद रहती थी। एक जून से देश में अनलॉक शुरू हुआ। इसमें बाजार खुलने लगे। अनलॉक दो शुरू हुआ तो शॉपिंग मॉल भी खुल गए। लोगों को रोजमर्रा के जीवन यापन के लिए और छूट दिए जाने की घोषणा के साथ एक सितंबर से अनलॉक चार भी शुरू हो गया है।

सावधानी हटी, दुर्घटना घटी

जिले में होने वाले सामाजिक एवं राजनीतिक आयोजनों में लोगों भारी संख्या में जमा होते हैं। ज्ञापन देने, धरना-प्रदर्शन और अन्य कार्यक्रमों के दौरान यहां सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती नजर आती है। रैलियों में आलम यह रहता है कि लोग एक दूसरे से सटकर चल रहे होते हैं। कोरोना के लगातार बढते मामले के बीच इस तरह से स्वास्थ्य विभाग टेंशन में हैं। हालांकि कोई अधिकारी इस मामले में खुलकर कुछ नहीं कहना चाहता।

लेकिन उनका मानना है कि अब लोग लापरवाह हो चले हैं। कोरोना से बचाव के लिए जो सावधानी बरतनी चाहिए, वह नहीं बरती जा रही है। जिससे सावधानी हटी और दुर्घटना घटी वाली कहावत चरितार्थ हो रही है।

जीवन से खिलवाड़

लोगों को यह समझना होगा कि अनलॉक होने से ही सब कुछ सामान्य नहीं हो गया है। अनलॉक में लोगों को राहत दी गई है, ना कि सब कुछ सामान्य किया गया है। कोरोना वायरस से बचने के लिए लोगों को हर हाल में मास्क का उपयोग और सामाजिक दूरी बनानी।

कोरोना से दो मौतें, 178 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 19,299

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में रविवार को 238 पॉजिटिव लोगों ने कोरोना की जंग को जीत लिया। जिससे जिले का रिकवरी रेट 91.9 प्रतिशत पर पहुंच गया। वहीं राहत के बीच दो पॉजिटिव मरीजों ने विभिन्न बीमारियों के कारण दम तोड़ दिया। जिससे मृतकों की संख्या का आंकड़ा 215 पर पहुंच गया।

जिले में पिछले कुछ दिनों के मुकाबले रविवार को पॉजिटिव मरीजों की संख्या काफी कम आई है। 178 पॉजिटिव से जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 19299 पर पहुंच गया।

मृतक और पॉजिटिव

रविवार को कोरोना पॉजिटिव दो मरीजों ने दम तोड़ दिया। जिसमें चावला कालोनी निवासी 54 वर्षीय पुरूष और 55 वर्षीय जवाहर कालोनी निवासी एक महिला शामिल थी। वह दोनों अन्य कई तरह की बीमारियों से ग्रस्त थे। वहीं 178 पॉजिटिव में सुरदास कालोनी, शिव दुर्गा बिहार, सेक्टर-82, बसेलवा कालोनी, जीवन नगर, एसजीएम नगर से 2-2 मरीज है। सेक्टर-41, 21, 25, 64, 85, 86, 75, 55, 65, नेकपुर, चार्मवुड, भूड कालोनी, अरावली टॉवर ओमेक्स हिल्स, खेड़ी कला, मवई, शिव कालोनी, चावला कालोनी, नंगला इंक्लेव, बल्लभगढ़, इंदिरा इंक्लेव, राजीव कालोनी, मेवला महाराजपुर, अहीरवाडा, प्रतापगढ़, कृष्णा कालोनी, तिलपत, ब्रावैली टॉवर हिल-दो, एनएच-एक, सेहतपुर, संजय इंक्लेव, पाली, से 1-1 मरीज है। सेक्टर-आठ, 29, 78, एनएच-4 से 3-3 मरीज है। सेक्टर-7 से 4, जवाहर कालोनी से 5, ग्रीन फिल्ड कालोनी से 6 और अन्य एरियों से 89 मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

अब तक कुल जांच	194921
अब तक पॉजिटिव	19299
रिपोर्ट नेगेटिव आई	175315
रिपोर्ट आनी बॉकी	307
गंभीर हालत में भर्ती	43
वेंटिलेटर पर भर्ती	9
अब तक ठीक हुए	17730
अब तक कुल मौत	215

संक्षिप्त समाचार

दो पारियों में हुई जेईई एडवांस्ड की परीक्षा

फरीदाबाद। कोरोना महामारी के बीच गाइडलाइन फोलो करते हुए रविवार को एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) की ओर से जेईई एडवांस्ड की परीक्षा आयोजित की गई। आय ऑन डिजिटल जोन सेक्टर-20बी में परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा सुबह और दोपहर की दो पारियों में संपन्न कराई गई। परीक्षा सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2.30 से शाम 5.30 बजे तक हुई। फरीदाबाद के अलावा पलवल के परीक्षार्थियों का केंद्र भी औद्योगिक नगरी में ही बनाया गया। इस बार आय ऑन डिजिटल जोन के लिए परीक्षा सफलतापूर्वक कराना एक बड़ी चुनौती था, क्योंकि कोरोना संक्रमण अपने चरम पर हैं और नए मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। परीक्षार्थियों के बीच शारीरिक दूरी बनाए रखने के लिए केंद्र के अंदर एवं बाहर सफेद रंग से एक मीटर की दूरी पर गोल घेरे बनाए गए थे। केंद्र प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार पहली व दूसरी पाली में करीब 350 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। इनमें से कुछ अनुपस्थित भी रहे हैं। वहीं अभिभावकों को केंद्र से पहले रोक दिया गया था और माइक के जरिये अभिभावकों से घर वापस जाने की अपील की जा रही थी। परीक्षार्थी परीक्षा को लेकर तनाव में दिख रहे थे, लेकिन परीक्षा समाप्त होने के बाद केंद्र से बाहर निकलते समय परीक्षार्थी काफी खुश दिखाई दे रहे थे। परीक्षार्थियों के अनुसार जेईई मेन की तर्ज पर ही एडवांस्ड का प्रश्नपत्र आया था।

मंच ने महिला अभिभावकों को जोड़ने का लिया संकल्प

फरीदाबाद। अभिभावक एकता मंच महिला सेल की बैठक रविवार को आयोजित की गई। जिसमें मंच की महिला सदस्यों के साथ साथ कई स्कूलों की महिला पेरेंट्स व सामाजिक संगठनों की महिला प्रतिनिधियों ने भाग लेकर प्राइवेट स्कूलों की मनमानियों के बारे में चर्चा की। समाज सेविका डॉक्टर हेमलता शर्मा की अध्यक्षता में उनके सेक्टर-21बी स्थित निवास पर आयोजित इस बैठक में मंच की महिला सेल की सदस्य एडवोकेट अर्चना अग्रवाल, पूनम भाटिया, महिला अभिभावक साक्षी भाटिया, आशा, ममता शर्मा, अनीता, राखी, सुरभि, तान्या, निशा रानी, पिंकी शर्मा ने बताया कि प्राइवेट स्कूलों द्वारा कराई जा रही तथाकथित ऑनलाइन पढ़ाई में सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को उठानी पड़ रही है। बच्चों को मोबाइल पर कराई जा रही ऑनलाइन पढ़ाई के समय उनको भी बैठना पड़ता है, उनको आ रही दिक्कत को दूर करना पड़ता है और दिए जाने वाले होमवर्क में भी हाथ बटाना होता है। सभी ने मंच द्वारा किए जा रहे कार्य व कार्यक्रमों की सराहना करते हुए मंच को पूरा सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया और मंच के उद्देश्यों को प्रत्येक महिला अभिभावक की जानकारी में लाने का संकल्प लिया।

विश्वकर्मा महासंगठन ने बैठक का किया आयोजन

फरीदाबाद। अखिल भारतीय श्रीविश्वकर्मा महासंगठन की हरियाणा प्रदेश की एक बैठक का आयोजन संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक सदस्य रतन लाल शर्मा के सेक्टर-19 स्थित कार्यालय पर किया गया। इस बैठक में भाग लेने के लिए हरियाणा प्रदेश से सभी लोकसभा इंचार्ज, सभी जिलों के जिलाध्यक्ष व पदाधिकारी पहुंचे। कार्यक्रम की शुरूआत महासंगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रतन लाल शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष (महिला) पुष्पा शर्मा जागिड़, महासचिव रमेश कुमार जांगड़ा द्वारा दीप प्रज्जवलित कर की गई। इस बैठक में संगठन की कार्यप्रणाली, लक्ष्य एवं व्यवस्था पर चर्चा व सुझावों का आदान प्रदान किया गया। इसके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी व लोकसभा अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र देने के साथ साथ उन्हें शपथ भी दिलाई गई। बैठक में विश्वकर्मा बंधुओं ने बारी बारी से अपने विचार रखे और महासंगठन को मजबूती देने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

चोरी और छीना झपटी के दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद । क्राइम ब्रांच सेक्टर 48 ने चोरी और छीना झपटी करने वाले दो आरोपी करण निवासी पलवल और गुलशन निवासी समयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी करण फिलहाल नंगला एनक्लेव पार्ट 2 में रह रहा है। आरोपी करण ने बताया कि उसने अपनी प्रेमिका को घुमाने और उसकी जरूरतों को पूरी करने के लिए चोरी और छीना झपटी की कई वारदातों को अंजाम दिया है। आरोपी करण ने 26 फरवरी 2020 को एनआईटी थाना एरिया में एक ऑटो सीएनजी चुराया था। आरोपी ने 21 अगस्त 2020 को मुजेसर थाना एरिया में एक मोटरसाइकिल चोरी की। 13 सितंबर 2020 को आरोपी ने एसजीएम नगर थाना एरिया में स्कूटी चोरी की थी। इसके अलावा आरोपी करण ने अपने दोस्त गुलशन के साथ मिलकर थाना सेक्टर 58 एरिया में 25 सितंबर 2020 को फोन छीनने की वारदात को अंजाम दिया था। जिस पर आरोपीयों के खिलाफ मामला दर्ज है। करण इससे पहले 377 के एक मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने आरोपीयों से उपरोक्त तीन वारदात को सुलझाते हुए छीना हुआ मोबाइल फोन, 1 सीएनजी ऑटो, एक स्कूटी, और सीआरपीसी 102 के तहत आरोपी करण से 3 स्पलेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

गांवों को निगम में शामिल करने का विरोध

फरीदाबाद। पृथला विधानसभा क्षेत्र के 11 गांवों को नगर निगम फरीदाबाद में शामिल करने के विरोध में रविवार को सभी 11 गावों मौजिज सरदारी की एक पंचायत क्षेत्र के पूर्व विधायक रघुवीर सिंह तेवतिया के सीकरी स्थित कार्यालय पर आयोजित की गई। इस पंचायत में उपरोक्त गांवों के पंच-सरपंच सहित मौजिद सरदारी ने बढ़-चढक़र भाग लिया। इस पंचायत में एक स्वर से फैसला लिया गया कि अगर पृथला क्षेत्र के 11 गावों सहित सभी 26 गावों को नगर निगम में शामिल करने के फैसले को निरस्त नहीं किया गया तो वह सभी पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरियाणा के नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा से मिलेंगे और सभी 26 गांव की सरदारी, पार्टी के विधायकों व कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर एक बडी सभा का आयोजित किया जाएगा। जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को आमंत्रित किया जाएगा। नगर निगम में जाने के बाद गांव विकास कार्यों के लिए आने वाली राशि सीधा निगम के पास जाएगी और जो नगर निगम घोटालों के चलते खुद घाटे में है, वह हमारे गांव का क्या भला कर पाएगा। पूर्व विधायक तेवतिया ने कहा कि पहले किसान विरोधी बिल और अब ये नगर निगम फैसला, पूरी तरह किसान विरोधी और जन विरोधी है।

गांजा की तस्करी में दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। दयालबाग चौकी प्रभारी एसआई राजेश कुमार और उनकी टीम ने नाका बंदी कर मोटरसाइकिल पर गांजा ले जाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मुकेश निवासी नई दिल्ली और हिमांशु निवासी शिव दुर्गा विहार लक्कड़पुर फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी दो मोटरसाइकिल सवार आरोपियों के पास गांजा है। जिसको वह सप्लाई करने के लिए लेकर जा रहे हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस चौकी प्रभारी एसआई राजेश और उनकी टीम ने दयालबाग चौक पर नाकाबंदी कर आरोपियों को रुकवाने की कोशिश की जिस पर आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद नाकाबंदी और अलर्ट खड़े पुलिस कर्मियों ने भाग कर आरोपियों को मौके पर ही धर दबोचा। आरोपियों की तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से 3 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। जिस पर आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला थाना सूरजकुंड में दर्ज किया गया है।

पार्क अस्पताल के शिविर में ह्रदय जांच को पहुंचे 200 मरीज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पार्क हॉस्पीटल के सभी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स में एक दिवसीय नि:शुल्क ह्रदय जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक के कैम्प में पार्क समूह के सभी अस्पतालों में 200 से अधिक रोगियों ने अपनी जांच कराई। कोरोना महामारी के इस दौर में इस कैम्प में माता-पिता और बच्चों के बीच एक अनोखा उपचार अनुभव और संबंध देखा गया। बच्चे अपने माता-पिता के स्वास्थ्य के बारे में अधिक चिंतित हैं, क्योंकि शिविर में बच्चों को अपने माता-पिता के लिए निवारक हार्ट पैकेज बुक करते हुए देखा गया। शिविर में सेनिटाइज़र, सोशल डिस्टेंसिंग जैसे उपायों का इस्तेमाल किया गया और शिविर में उपस्थित लोगों के लिए अन्य व्यक्तिगत उपाय किए गए। पार्क समूह अर्थात दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पानीपत, करनाल और अंबाला के सभी स्थानों पर हार्ट कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मुफ्त परामर्श, ईसीजी, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर जांच, ईको/टीएमटी की जांच की गई। इस शिविर का आयोजन वर्ल्ड हार्ट डे के उपलक्ष्य में किया गया। शिविरों में विशेषज्ञों के अलावा कार्डियोलॉजी व कार्डियक सर्जरी विभाग के विशेषज्ञ भी उपलब्ध रहें। जिसमें पार्क हॉस्पिटल, गुड़गांव के डॉ. विनय कुमार कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ. ईला मदान फेलोशिप इन नॉन इनवेसिव कार्डियोलॉजी और पार्क हॉस्पिटल, फरीदाबाद के डॉ. राकेश अरोड़ा कार्डियोलॉजिस्ट और द सिग्नेचर हॉस्पिटल, गुडगांव के डॉ. सौरभ चौपड़ा और विशेषज्ञों की टीम में डॉ. दीपक नटराजन, डॉ. सीएम मित्तल, डॉ. अरविंद सिंगल, डॉ. संजय कुमार गुप्ता रहेंगे।

आईटीआई व कौशल विकास के ठेका कर्मचारियों का शोषण बर्दाश्त नहीं : शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रदेश की आईटीआई में वर्षों से तैनात ठेका कर्मचारियों ने ठेकेदारों व अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहे शोषण के खिलाफ रविवार को मंत्री मूलचंद शर्मा के कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मंत्री के सामने आपबीती सुनाई, जिसको सुनकर मंत्री स्तब्ध रह गए। मंत्री ने तुरंत विभाग के एसीएस व निदेशक से बातचीत कर शिकायतों एवं शोषण का समाधान करने के लिए 30 सितंबर को मीटिंग निश्चित की। मंत्री ने प्रदर्शनकारियों के बीच आकर आश्वासन दिया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रक्षिक्षण विभाग हरियाणा में ठेके पर लगे कर्मचारियों के शोषण करने वाले ठेकेदारों और इसमें शामिल अधिकारियों को बख्शा नही जाएगा। प्रदेश की आईटीआई में तैनात कर्मचारी रविवार को ओपन एयर थियेटर सेक्टर 12 में एकत्रित हुए। वहां से सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री,उप प्रधान सबिता मलिक, आल हरियाणा आईटीआई आउटसोर्सिंग इंप्लाईज एसोसिएशन के राज्य संयोजक श्रवण कुमार व सह संयोजक अनीता,एसकेएस के जिला सचिव बलबीर सिंह व नपाकसं हरियाणा के उप महासचिव सुनील कुमार की अगुवाई में जूलूस की शक्ल में प्रर्दशन करते हुए कैबिनेट मंत्री के कार्यालय पर पहुंचे और जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के तेवरों को देखते हुए मंत्री ने शिष्टमंडल को तुरंत बातचीत के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद ही प्रदर्शनकारी शांत हुए। सुभाष लांबा व नरेश कुमार शास्त्री ने मंत्री से मामले में हस्तक्षेप कर तुरन्त निर्देश जारी करे कि ठेका बदलने पर किसी पुराने कर्मचारी को न हटाने,हटाए गए कर्मचारियों को वापस ड्यूटी पर लेने और समय पर पूरा वेतन भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की। आल हरियाणा आईटीआई आउटसोर्सिंग इंप्लाइज एसोसिएशन के संयोजक श्रवण कुमार व सह संयोजक अनीता ने मंत्री को बताया कि प्रदेश की आईटीआई में करीब 1240 ठेका कर्मचारी आऊटसोर्सिंग पॉलसी -1 के अंतर्गत सफाई कर्मचारी व माली के पदों पर काम कर रहे है।

सीएम फ्लाइंग की टीम ने पकड़ा नकली घी और नशे का सामान

नकली घी और भांग के गोले किए बरामद, मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

सीएम फ्लाइंग ने सेक्टर-सात थाना पुलिस के साथ मिलकर रविवार की सुबह करीब दस बजे सेक्टर-तीन स्थित एक किरयाने की दुकान पर छापा मारा। पुलिस ने रवि किरयाना स्टोर से करीब सवा सौ किलो भांग के गोले व पचास किलो नकली देशी घी, ब्रांडेड कंपनियों के देशी घी की पैकिंग व मोहर आदि सामान जब्त किया। पुलिस ने दुकानदार व उसके भाई को मौके से गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है। देर शाम तक पुलिस जांच में जुटी रही।

मुख्यमंत्री उड़न दस्ते के प्रभारी डीएसपी देवेंद्र यादव ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि सेक्टर तीन स्थित रवि किरयाना स्टोर पर नकली घी बनाने व नशे का सामान भारी संख्या में रखा हुआ है। उन्होंने सेक्टर सात थाना प्रभारी व सरकारी अस्पताल के डॉक्टर की टीम को साथ लेकर सुबह करीब दस बजे रेड कर दी। रेड के दौरान दुकान से पचास किलो नकली घी। मिल्कफ़ूड, अमूल व मदर डेयरी के नकली पैकिंग व करीब सवा सौ किलो भांग के गोले बरामद हुए। उन्होंने बताया कि भांग के गोलों को सस्ते नशे के रूप में युवाओं द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। दुकानदार भांग बाहर से भारी मात्रा में मंगवाकर छोटे दुकानदारों और खोखे वालों को सप्लाई करता था। इसके साथ ही ब्रांडेड घी की नकली पैकिंग बनाकर मिलावटी देशी घी बनाकर भी बेचता था। टीम ने घी के सेम्पल लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के पास जांच के लिए भेज है। सभी सामान की गिनती करके जब्त किया गया है। दुकान संचालक रवि अग्रवाल को हिरासत में लेकर उससे आगे के नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जा रही है।

एकलव्य ने जीता 68 रन से मैच

फरीदाबाद। प्रथम रविंद्र फागना टी-20 क्रिकेट लीग में एकलव्य क्रिकेट अकैडमी (फ़रीदाबाद) ने शाहिद राज सिंह खटाना क्लब (दमदमा) को 68 रन से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि ये मैच 20-20 ओवर का है ये मैच एकलव्य क्रिकेट अकैडमी (फ़रीदाबाद) और शाहिद राज सिंह खटाना क्लब (दमदमा) के साथ खेला गया। एकलव्य क्रिकेट अकैडमी (फ़रीदाबाद) ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्यण लिया। एकलव्य क्रिकेट अकैडमी (फ़रीदाबाद) टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 182 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए हेमंत डोगरा ने 82 रन, पारस डोगरा ने 63 रन और सोमबीर ने 16 रन बनाए। शाहिद राज सिंह खटाना क्लब (दमदमा) की और से गेंदबाजी करते हुए नीरज तिवारी, रक़म सिंह ओर सतीश मास्टर ने 1-1 विकेट लिए।

मंच लाया मानसिक रूप से कमजोर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मारवाड़ी युवा मंच बल्लभगढ़ शाखा के द्वारा मानसिक रूप से कमजोर बच्चों के चेहरे के ऊपर मुस्कान लाने का कार्य किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष विमल खंडेलवाल उपस्थित हुए, मंच के द्वारा कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान समाज में विभिन्न प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं।

जो बच्चे मानसिक रूप से विकसित नहीं है अपना पालन पोषण नहीं कर सकते, मारवाड़ी युवा मंच बल्लभगढ़ शाखा के द्वारा रविवार के दिन भारत कॉलोनी के पास इन बच्चों के साथ समय व्यतीत किया गया, चॉकलेट, टॉफी, बिस्कुट, फ्रूटी, दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई, इन सब चीजों को देखकर बच्चों के चेहरों के भाव मुस्कान से भरे हुए थे, विमल खंडेलवाल ने इस नेक कार्य के लिए सभी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष रवि भाटी ने बताया कि हमारी संस्था में किसी भी सदस्य का जन्म दिवस हो शादी की सालगिरह हो तो उसे व्यक्ति से सहयोग लेकर इन बच्चों के चेहरे के ऊपर खुशी लाने का कार्य हम सदैव करते रहते हैं, परमात्मा ने हमें मनुष्य के रूप में जन्म दिया है यह हमारा सौभाग्य है कि हम इस प्रकार जनमानस और लाभान्वित करा सकें। कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश उपाध्यक्ष विमल खंडेलवाल, बल्लभगढ़ शाखा अध्यक्ष रवि भाटी, पूर्व अध्यक्ष अनुज शर्मा, उपाध्यक्ष विपिन शर्मा, मुकेश शर्मा, तनुज ठाकुर, राजीव शर्मा, विष्णु शर्मा,अधिवक्ता रविंद्र गुप्ता, अधिवक्ता राजेंद्र गौतम, अधिवक्ता रामवीर तंवर, अधिवक्ता ओ पी सैनी, अधिवक्ता शिवकुमार शर्मा, मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पंजाबी सभा के शिविर में 351 लोगों ने किया रक्तदान

कोरोना महामारी के चलते रक्तदान शिविर लगाना बहुत ही नेक कार्य : मूलचंद शर्मा

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं और इसका कोई दूसरा विकल्प भी नहीं : यशपाल यादव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ स्थित अग्रवाल धर्मशाला में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के 'जन्मदिवस' के उपलक्ष में पंजाबी समिति बल्लभगढ़ द्वारा छठां विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें समिति द्वारा 351 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस दौरान कोविद-19 को ले सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी का पालन करते हुए समिति के सदस्यों ने मास्क व दस्ताने भी पहन रखे थे। साथ ही शिविर में सोशल डिस्टेंसिंग व सैनिटाईज का भी ध्यान रखा गया। रक्त दाता को भी रक्तदान से पूर्व सैनिटाइज भी किया गया। गौरतलब है कि समिति द्वारा आयोजित हुये प्रथम शिविर 2015 में 150 यूनिट रक्त, 2016 में 201, 2017 में 225, 2018 में 251 एवं 2019 में 275 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। जोकि अपने आप में एक मिसाल है।

हर वर्ष कि भांतिं समिति द्वारा रक्तदाता का उपहार स्वरूप कुछ ना कुछ दिया जाता है इसी के चलते इस बार समिति द्वारा सड़क सुरक्षा और यातायात के नियमों को ध्यान में रखते हुए रक्तदाता को उपहार स्वरूप में (आईएसआई) हेलमेट प्रदान किया गया। शिविर में सदस्यों द्वारा माक्स भी वितरित किए गए। इस शिविर में महिला एवं पुरुष व युवाओं ने बढ़चढ़ रक्तदान किया।

यह शिविर रेडक्रॉस सिविल हस्पताल (बीके हॉस्पिटल), डिवाइन ब्लड बैंक, रोटरी ब्लड बैंक की टीम द्वारा लगाया गया। शर्मा ने सभी शहर वासियों को सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करने की बात कही। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने शहीदे आजम भगत सिंह की कुर्बानियों को भी याद किया और रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की आज शहीदों के बलिदान के कारण ही हम खुली हवा में सांस ले रहे है। उन्होंने कहा की कोरोना महामारी के चलते रक्तदान शिविर लगाना बहुत ही नेक कार्य है। ऐसे आयोजनों से जरूरतमंदों के लिए रक्त काम आएगा। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि आज महिलाएं भी रक्तदान के लिए आगे आ रही हैं, महिलाओं के होंसले को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया। शिविर में विशिष्ठ अतिथि के तौर पर जिला उपायुक्त यशपाल यादव, रवि कालरा (अर्थ सेवियर फाउंडेशन) को समिति के पदाधिकारियों ने फूल बुक्के से उनका व आये हुये सभी अतिथियों का स्वागत किया व स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर जिला उपायुक्त यशपाल यादव ने कहा कि पंजाबी सेवा समिति बल्लभगढ़ द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित करना एक मानवीय कार्य है और रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं और रक्तदान का कोई दूसरा विकल्प भी नहीं।

आखिर कब होगी तावड़ू सीएचसी में हुई भर्तियों की जांच

पायनियर समाचार सेवा। तावड़ू

विधायक के समक्ष उठा स्थानीय युवाओं को तरजीह देने का मुद्दा

विधायक के समक्ष कई बार गूंज चुका भर्तियों की जांच का मुद्दा।

विधायक संजय सिंह के चुनावी धन्यवाद दौरे में लगभग हर जगह समस्याओं का पिटारा देखने को मिला। जिस भी जगह विधायक गए वहीं लोगों ने उनके समक्ष बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क से जुड़ी समस्याओं को रखा। विधायक ने समस्याओं के अतिशीघ्र निदान का आश्वासन दिया।

विधायक संजय सिंह ने गांव सबरस, गुढ़ा-निहालगढ़, शेखपुर, कलवाड़ी, फतेहपुर, झामूवास, वार्ड नंबर 2 व 3 में चुनावी धन्यवाद दौरा किया। वहीं बंध कॉलोनी में महावीर ठेकेदार के घर पर विधायक व पार्टी कार्यकर्ताओं ने जलपान किया। संत रविदास मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक के समक्ष डीसी रेट की भर्तियों में स्थानीय नागरिकों को तरजीह देने का मुद्दा उठा। लोगों ने विधायक से कहा कि तावड़ू सीएचसी में लगभग 30 युवाओं को आउटसोर्सिंग के तहत विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया है। लेकिन इन नियुक्तियों में एक भी स्थानीय युवा को भतीज़ नहीं किया गया है। इसके पीछे जमकर भ्रष्टाचार की बू आ रही है। लोगों ने कहा कि कई बार आपके समक्ष भी ये मुद्दा रख लिया। आपने आश्वसन भी दिया था कि इन भर्तियों की जांच करा यहां के कुछ युवाओं को यहां नियुक्त किया जाएगा। लेकिन आश्वासन के करीब दो महीने बाद भी हालात जस के जस हैं। अब तो ठेकेदार द्वारा नियुक्त हो चुके युवाओं की हाजिरी भी लगनी जारी है। वहीं तावड़ू के युवा अपनी नियुक्तियों को लेकर इधर उधर चक्कर काटते देखे जा सकते हैं। कुछ लोगों ने तो दबी जुबान में यहां तक कहा कि अगर भाजपा सरकार में भी धांधलेबाजी से नियुक्तियां होंगी तो पूर्व की सरकारों व वर्तमान सरकार में फिर अंतर ही क्या बचा है। इस विषय पर विधायक ने कहा कि नए सीएमओ ने अभी हाल ही में ज्वाइन किया है। सोमवार को सीएमओ से वह इस विषय पर बात करेंगे। इस विषय पर वह गंभीर रूप से प्रयासरत हैं।

38 गांव की संघर्ष समिति ने डिप्टी सीएम दुष्यंत से की मुलाकात

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला से मुलाकात करते हुए संघर्ष समिति के लोग।

संघर्ष समिति को दुष्यंत चौटाला ने बुलाया चंडीगढ़

गुरुग्राम। जिले के 38 और गांवों को नगर निगम में शामिल करने के फैसले के खिलाफ 38 गांव संघर्ष समिति कमेटी समेत काफी संख्या में लोगों ने डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला मुलाकात की। दुष्यंत चौटाला से मुलाकात करते हुए संघर्ष समिति के लोगों ने कहा कि 38 गांव की ग्राम पंचायत के लोग किसी भी हाल में निगम में शामिल नहीं होना चाहते। फिर भी जिला प्रशासन जबरन इन गांवों को शामिल करना चाहता है। जिसका वह विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगम में शामिल होने से उनके गांवों को केवल नुकसान ही है। पहले से निगम में शामिल किए गए गांवों में आज दुर्दशा का आलम बना हुआ है। सरपंच की पावर रहते किसी भी कार्य को तत्काल प्रभाव से प्रस्ताव पारित कर कराया जा सकता है, जो कि निगम में शामिल होने के बाद संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि निगम में शामिल होने के बाद कानून तो तरह-तरह के बना दिए जाते हैं, लेकिन लोगों की सहूलियत दिलाने के नाम पर उन्ही कानूनों में उलझा कर छोड़ दिया जाता है। जिसके चलते वह किसी भी हाल में निगम में शामिल नहीं होना चाहते। लोगों ने डिप्टी सीएम से 38 गांवों को निगम में शामिल करने से रोकने की गुहार लगाई है। डिप्टी सीएम से उन्हें आश्वासन मिला है कि जबरन उनके गांवों को शामिल नहीं होने देंगे।

लॉकडाउन अनलॉक हुआ तो बढ़ी सड़क दुर्घटनाएं

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

तेज गति व यातायात नियमों का पालन न करना बन रहा है दुर्घटनाओं का कारण

कोरोना महामारी के चलते किया गया लॉकडाउन जैसे ही अनलॉक हुआ तो सड़क दुर्घटनाओं में भी इजाफा होने लगा। पहले की तरह हादसों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। लोगों की जीवन एक तरह से सामान्य हो गया है और लोग बेखौफ घरों से बाहर निकल रहे हैं। इसके साथ ही सड़क हादसों में घरों के चिराग भी बुझ रहे हैं। इसका कारण तेज रफ्तार और कई तरह की लापरवाही से वाहन चलाना भी है। यहां कोरोना से ही नहीं सड़क दुर्घटनाओं में भी घर उजड़ रहे हैं। गुरुग्राम में यदि पिछले वर्षों के सड़क हादसों पर नजर डाली जाए तो वर्ष 2018 में जहां 1285 सड़क दुर्घटनाएं हुई, वहीं 464 बहुमूल्य जानें भी गई हैं। इसी प्रकार वर्ष 2019 में 1185 सड़क दुर्घटनाएं हुई और 402 लोग जान से हाथ धो बैठे। इसी प्रकार वर्ष 2020 में करीब 485 सड़क दुर्घटनाएं हुई और 217 लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं। इस वर्ष के आंकड़े अगस्त माह तक के बताए गए हैं। जान गंवाने वाले 217 लोगों में से करीब 40 प्रतिशत पैदल चलने वाले राहगीर रहे हैं।

ये हैं 24 ब्लैक स्पॉट

यातायात पुलिस ने शहरी क्षेत्र में 24 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए हैं, जिनमें दुर्घटनाओं की संभावनाएं अधिक बनी रहती हैं। इन स्पॉटों में राजीव चौक, हीरो होण्डा चौक, खांडसा, नरसिंहपुर, बिलासपुर चौक व आईएमटी मानेसर चौक आदि शामिल हैं। यातायात पुलिस के एसीपी संजीव बल्हारा का कहना है कि पुलिस का सदैव यह प्रयास रहता है कि यातायात सुगमता से चलें।

पैदल चलने वाले और दोपहिया चालक ज्यादा हुए शिकार : वाहनों की तेज गति, दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट का इस्तेमाल न करना और झपकी आने से भी सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है। सितम्बर माह में कोरोना संक्रमितों के मामलों में एकदम से जबरदस्त वृद्धि हुई है। कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या से न केवल जिला प्रशासन, बल्कि लोग भी परेशान हो रहे हैं। कोरोना से मरने वालों की संख्या 170 हो चुकी है, लेकिन इस अवधि में सड़क दुर्घटनाओं में भी वृद्धि देखी गई है। पैदल सड़क पार करते हुए व दोपहिया वाहन चालक सड़क दुर्घटना का अधिक शिकार हो रहे हैं।

युवक से नकदी और मोबाइल लूटा

पलवल। चांदहट थाना अंतर्गत सुबह सैर पर गए युवक से बाइक सवार तीन युवक गन प्वाइंट पर नकदी व मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी महेंद्र के अनुसार गांव पेलक निवासी तरुण ने शिकायत दी है कि वह सुबह-सुबह सैर पर जाता है।

तीन सिंतबर की सुबह चार बजे घर से सैर करने के लिए गया था। जब गांव के बाहर थोड़ी दूर पहुंचा तो पीछे से बाइक पर तीन युवक आए और गन प्वाइट पर 2500 रुपये व मोबाइल फोन को लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

भटक रही युवा पीढ़ी खेलों में लगाए ध्यानः जीतराम

पायनियर समाचार सेवा। फर्रूखनगर

फर्रूखनगर के गांव गढ़ी नत्थे खां में वालीबॉल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि का स्वागत करते ग्रामीण।

खंड के ऐतिहासिक गांव गढ़ी नत्थे खां में रविवार को शहीद भगत सिंह युवा क्लब की ओर से एक दिवसीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न गांवों की 30 टीमों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि समाजसेवी मास्टर जीतराम यादव ने किया। उद्घाटन मैच में डाबोदा की टीम ने बावड़ा की टीम को 15-10 के अतंर से हराया। इस मौके पर मास्टर जीतराम यादव ने ग्रामिणों और प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिता का आयोजन समय की जरूरत है। शहीद भगत सिंह युवा क्लब के सदस्यों ने नेक पहल की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में अपने स्वास्थ्य को ठीक रखना किसी चुनौती से कम नहीं है।

खिलाड़ी केवल स्वास्थ्य का ही धनी नहीं, अपितु वह एक सभ्य समाज का सच्चा निर्माता भी होता है। उन्होंने कहा कि चिंता का विषय यह है कि युवा पीढ़ी से सुसज्जित समाज होने के बावजूद युवा पीढ़ी को विकारों ने घेर लिया है। इसका मुख्य कारण युवा पीढ़ी का खेलों से दूरी बनाए रखना है। इस प्रकार की खेल प्रतियोगिता उन्हें खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगी। मास्टर जीतराम यादव ने खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए 11000 रूपये भेंट किए। इस मौके पर इनेलो के प्रदेश प्रवक्ता सुखवीर तंवर, प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष जेपी यादव, सरपंच रमेश काकस, नम्बरदार राव महेन्द्र सिंह, ललित, जीतू, आकाश, संजय, राहुल, देविन्द्र, सचिन, रोहित, रवि, भूपेन्द्र, अशोक, मास्टर राम कृपाल, हरिराम शर्मा, राजेश कुमार, रोहित नम्बरदार, हेमराज किन्हा तिरपड़ी आदि मौजूद थे।

ट्रांसपोर्ट कारोबार पर भी पड़ा कोरोना का असर

गुरुग्राम। कोरोना से निपटने के लिए सरकार ने लॉकडाउन लगाया। कई माह के लॉकडाउन के बाद सरकार ने धीरे-धीरे सभी सार्वजनिक सेवाओं को खोलना शुरु कर दिया। सितम्बर माह के अनलॉक-4 में कुछ सेवाओं को छोड़कर सभी सार्वजनिक सेवाएं शुरु हो चुकी हैं, लेकिन ट्रांसपोर्ट का कारोबार अभी पूरी तरह से रफ्तार नहीं पकड़ पाया है। इस कारोबार पर अभी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

ट्रांसपोर्ट का कारोबार करने वाले लोगों का कहना है कि उनके पास काम की भारी कमी है। यानि कि प्रतिष्ठानों में उत्पादन कम हो रहा है। इन प्रतिष्ठानों में भी काम तभी पूरी रफ्तार से होगा, जब उन्हें डिमांड के ऑर्डर मिलने शुरु हो जाएं, लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है। उन्हें अपने वाहनों का खर्च निकालना भी भारी पड़ रहा है।

ट्रांसपोर्ट कारोबार में लॉडिंग व अनलॉडिंग करने वाले श्रमिकों की भी कमी बनी हुई है। कुछ कारोबारियों का कहना है कि डीजल के बढ़ते दामों, गाड़ियों को सैनिटाइज कराने व श्रमिकों, चालकों, परिचालकों तथा हैल्परों को सुरक्षित रखने के लिए काफी खर्चे बढ़ गए हैं। अब केवल नो लोस और नो प्रॉफिट पर ही काम किया जा रहा है। जिन वाहनों पर ऋण लिया हुआ है, उनकी किश्ते चुकाना भी भारी पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कार से 17 पेटी देशी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

पलवल। कैंप थाना पुलिस ने गश्त के दौरान शराब से भरी कार को काबू कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किठवाड़ी पुल चौकी इंचार्ज यशपाल ने बताया कि उन्हें मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक कार में अवैध शराब भरकर लाई जा रही है, जो अलावलपुर रेलवे ओवरब्रिज होते हुए यूपी की तरफ जाएगी। सूचना मिलते ही हैड कांस्टेबल सुभाष के नेतृत्व में टीम गठित कर रेलवे पुल के समीप नाकाबंदी की गई। थोड़ी देर बाद एक कार आती दिखाई दी जिसे काबू कर दो लोगों को हिरासत में लिया गया। कार की तलाशी लेने पर 17 पेटी देशी शराब को बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम सुनील निवासी शिव विहार पलवल व राजेश निवासी गांव जैनपुर हथीन बताया। पुलिस ने आरोपियों को रविवार को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

तीन चरणों में होगा प्रतिभा सम्मान समारोह

गुरुग्राम। समाज उत्थान न्यास (सन फाउंडेशन) की रविवार को संस्था के चेयरमैन नरेश कुमार सैनी की अध्यक्षता में बैठक आहुत की गई। इस बैठक में प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन पर विचार करके निर्णय लिया गया कि आगामी माह में तीन चरणों में यह समारोह आयोजित किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम को तीन चरणों में किया जाना इसलिए तय किया गया है, ताकि हर किसी को इस बीमारी से बचाया जा सके। ज्यादा लोग एक स्थान पर एकत्रित ना हों। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण का आयोजन दिनांक 2 अक्टूबर 2020 को गांव कारोला तहसील फर्रूखनगर में होगा। इसमें सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए उचित दूरी और मास्क, सेनिटाइजर का उपयोग करके बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। दूसरे चरण में 4 अक्टूबर को कार्यक्रम सोहना में और अंतिम तीसरे चरण का कार्यक्रम 11 अक्टूबर को गुरुग्राम के जैकबपुरा में करना तय किया गया है। इस बैठक में प्रधान तेजिंदर सैनी, संदीप सैनी, हितेश सैनी, गौतम, गगनदीप सैनी, बुधराम सैनी गुड़गांव गांव, प्रधान जयवीर कारोला गांव, प्रधान ओमप्रकाश सैनी सोहना, डा. संदीप सिंह, सूबे सिंह झाड़सा, ओमप्रकाश, समेत संस्था के काफी सदस्य मौजूद रहे।

14 नए कोरोना पॉजिटिव और 60 केस हुए ठीक

भिवानी। भिवानी जिले में आज रविवार को 14 नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए है। सिविल सर्जन ने बताया कि भिवानी जिले में रविवार को खबर लिखे जाने तक 14 नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए है। जिनमें से 1 पुर बवानी खेड़ा से 51 वर्षीय व्यक्ति है जो कि सरकारी स्कूल पुर में शिक्षक है। यह 26 सितम्बर को सिरसा गया था तथा वहीं पर ही होम आईसोलेट है। 3 तोशाम से जिसमें से 33 वर्षीय व्यक्ति जो कि पुलिस चौकी तोशाम में सिपाही के पद पर कार्यरत है। यह पहले से आए कोरोना पॉजिटिव के सम्पर्क में आया है। 28 वर्षीय महिला तोशाम से जो कि गृहिणी है।

कोरोना संक्रमितों की जांच को हर रोज लगेंगे दो शिविर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

स्वास्थ्य विभाग ने एक बार फिर से शहर में कोरोना संभावितों की जांच को तेज कर दिया है। नागरिक अस्पताल की तरफसे एक दिन में दो शिविर लगाएं जाएंगे। ताकि लोग कोरोना की जांच आसानी से करा सके। स्वास्थ्य विभाग ने शहरी क्षेत्र में कोरोना की बढ़ती गति को रोकने के लिए एक बार फिर से कमर कस ली है। नागरिक अस्पताल की तरफ अब कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए एक दिन में दो शिविर लगाएं जाने का फैसला लिया गया है।

एक शिविर नागरिक अस्पताल में तथा दूसरा शिविर आबादी क्षेत्र में लगाया जाएगा। रविवार को नागरिक अस्पताल के साथ-साथ एक शिविर शहर के पठानवाड़ मोहल्ले में लगाया गया। सोमवार को शहर की अनाज मंडी में, गुरूवार को बिजली निगम के एसडीओ कार्यालय के पास कोहली वाड़ा मोहल्ले में तथा दो अक्टूबर को वार्ड-6 के केडीएम स्कूल परिसर में लगाया जाएगा।

जांच के लिए आगे आएं नागरिक

स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए जा रहे कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए आम नागरिकों को सहयोग करना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग और आम नागरिकों की सजगता से कोरोना को हराने में सफ लता मिलेगी। नागरिकों को अपने जांच के लिए स्वयं जागरूक होना पड़ेगा।

डॉ. नवल किशोर एसएमओ
नागरिक अस्पताल सोहना

एमएसपी का झूठा ढिंढोरा पीट रही है सरकार : योगेन्द्र योगी

भिवानी। हरियाणा केश कला एवं कौशल विकास बोर्ड के पूर्व चेयरमैन एवं ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय सचिव योगेन्द्र योगी ने केन्द्र सरकार द्वारा पारित तीनों कृषि अध्यादेशों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एमएसपी रेट पर सरकारी खरीद को झूठ का पिटारा करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार जिस एमएसपी रेट की बात कर रही हे, वह दावों के बिलकुल उलट है।

असल में सरकार एमएसपी के नाम पर थोड़े दिन ही नाममात्र की फसल खरीदती है और दाना-दाना खरीदने का दावा कर हवा हवाई बातें करती है, जबकि हकीकत यह है कि किसानों को एमएसपी रेट मिल ही नहीं पाता। योगी ने कहा कि आज गेहूं का एमएसपी रेट 1925 रूपये है, जबकि इसकी खरीद का रेट 1650 रूपये है।

वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल 60 फुट ऊंचाई पर दौड़ेगी

नरेश कुमार। सोहना

सोहना में वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल के लिए बनाएं जा रहे 20 से 60 फुट ऊंचाई वाले पिलर। रेल के लिए तैयार की गई 'डबल कंटेनर' रेल लाइन की फाइल फोटो।

रेवाड़ी से पलवल जाने वाली वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल सोहना में 20 से लेकर 60 फुट की उँचाई पर दौड़ेगी। यह रेल लाइन अरावली पहाड़ी से ही 60 फु ट उँचाई वाले पिल्लरों के ऊपर से चलती हुई नजर आएगी।

सोहना व जिला नूंह से गूजरने वाली वेस्टर्न रेल लाइन का कार्य तेजी से चल रहा है। रेवाड़ी से सोहना पहुंचने से पहले वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल को करीब एक किलोमीटर लंबी गुफ ा से गुजरना होगा। उसके बाद अरावली पहाड़ी करीब तीन किलोमीटर की यात्रा करने के बाद सोहना की सीमा पिल्लरों पर चलेगी। जहां पर करीब 60 की उँचाई वाले पिल्लरों पर 8 से 10 किलोमीटर की गति पर चलेगी। जहां पर पिल्लरों की उँचाई 20 से 60 फुट की उँचाई वाले होंगे। सोहना नगर परिषद के पार्षद नरेन्द्र सैनी ने बताया कि वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल लाइन उनके खेतों से निकल रही है। क्षेत्र के लोग वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल को उँचाई से ही आते व जाते देंखेंगे।

डबल कंटेनर की गुफ ा : वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर रेल लाइन के लिए जिला नूंह के गांव धुलावट के जंगल से शुरू होने वाली 'डबल कंटेनर' की पटरी पर रेल 100 किलोमीटर प्रति घंटा से दौड़ेगी। यह विश्व की पहली 'डबल कंटेनर' रेल लाइन होगी। हालांकि रेल विभाग के स्थानीय कोई भी अधिकारी इस विषय में कुछ भी कहने को तैयार नहीं है।

सूत्रों ने बताया कि 'डबल कंटेनर' लाइन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। लेकिन गुफ ा के पास किसी बाहरी व्यक्ति को जाने की अनुमति नहीं है। वहां पर सुरक्षा का कड़ा पहरा लगाया हुआ है।

जैविक खेती से बागवानी के सम्राट बने प्रेरणास्रोत

औरंगाबाद के किसान सम्राट सिंह चौहान एनसीआर में ऑनलाइन सब्जी बेचकर कमा रहे खासा मुनाफा

प्रमोशन के लिए वेबसाइट और व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर जोड़ रखा अनेक किसानों को

विनोद शर्मा। पलवल

गांव औरंगाबाद में जैविक खेती से बागवानी करते किसान

उत्तम खेती मध्यम बान, की कहावत को चरितार्थ करने वाले पलवल के गांव औरंगाबाद निवासी सम्राट सिंह चौहान ने जैविक खेती से बागवानी कर न केवल दूसरों के लिए मिसाल पेश की है, ऑनलाइन सब्जियां बेचकर अच्छा मुनाफा भी कमा रहे हैं। उन्होंने अपनी वेबसाइट व व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर अन्य किसानों को भी इस मुहिम से जोड़ा है। सभी किसानों की सब्जियों को अच्छे दामों पर बेच रहे हैं। उनकी सब्जियां न केवल दिल्ली एनसीआर में सप्लाई हो रही है, बल्कि कई आईएएस अधिकारियों के घर पर भी भेजी जा रही हैं।

मल्टीनेशनल कंपनी से नौकरी छोड़ अपनाई बागवानी : गांव औरंगाबाद निवासी सम्राट सिंह चौहान बताते हैं कि उन्होंने वर्ष 2008 में आईआईटी खड़कपुर से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की। इसके बाद गुरुग्राम की मल्टीनेशनल कंपनी में डेढ़ लाख प्रतिमाह के पैकेज पर काम किया। वर्ष 2018 में उन्होंने नौकरी छोड़कर गांव में जैविक खेती से सब्जी की बागवानी शुरू की व दिल्ली एनसीआर में ऑनलाइन सब्जी बेचने का काम शुरू किया। जिसके लिए उन्होंने अपनी वेबसाइट बनाई। 22 एकड़ में जैविक खेती की शुरुआत की, जिसमें बिना कीटनाशक व जहरीले पदार्थ का उपयोग के सब्जी, दाल, गन्ना, गेहूं आदि उत्पाद लगाए। वेबसाइट के माध्यम से क्षेत्र के अन्य किसानों को भी जोड़ा। अब्र ग्रुप के माध्यम से अब 50 एकड़ भूमि में जैविक खेती से बागवानी की जा रही है।

कई आईएएस अधिकारियों के घर जा रही सब्जी : उनकी जैविक खेती से उगाई शुद्ध सब्जी ग्रेडिंग व पैकिंग कर दिल्ली एनसीआर में कई घरों के अलावा अनेक आईएएस अफसरों के घर भी सीधी पहुंच रही है। जिनमें मुख्य रूप से जिला उपायुक्त पलवल नरेश नरवाल, वीरेंद्र मित्तल आईएएस फूड प्रोसेसिंग नई दिल्ली, नवजीत कपूर नई दिल्ली शामिल हैं।

दो वर्ष पहले जैविक खेती से सब्जियों की बागवानी कर ऑनलाइन बिक्री की शुरुआत की थी। इसे शुरू करने से पहले श्रीश्री रविशंकर की संस्था से जैविक खेती की ट्रेनिंग ली थी। यूट्यूब के माध्यम से भी इसके बारे में जाना। हमारे परिवार में दो लोग कैंसर से पीड़ित हो गए थे। इस वजह से भी रसायनिक खाद की जहरीली खेती के बजाय जैविक खेती का प्रोजेक्ट पर काम करने का मन बनाया था। इसके लिए पलवल के बागवानी उत्कृष्टता केंद्र से भी काफी सहयोग मिला है।

-सम्राट सिंह चौहान

जैविक खेती के माध्यम से बागवानी कर ऑनलाइन सब्जी बेचने वाले किसान सम्राट सिंह चौहान आज दूसरों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन गए हैं। वेबसाइट के माध्यम से शुरू की गई संस्था वह व्हाट्सएप ग्रुप से उन्होंने क्षेत्र के अन्य किसानों को भी जोड़कर सब्जियों के बेहतर दाम में ऑनलाइन बेचने में मदद की है। उनका यह प्रयास सराहनीय है। गुणवत्ता युक्त सब्जी होने के कारण ही आज उनकी सब्जियां ऑनलाइन दिल्ली एनसीआर में बिक रही है। खुद पलवल के जिला उपायुक्त नरेश नरवाल भी सब्जी का उपयोग कर रहे हैं।

-शालिनी जादौन, विशेषज्ञ व प्रभारी बागवानी उत्कृष्टता केंद्र

पुलिसवालों के घर से ही चोरों ने चुराया लाखों का माल

फर्रूखनगर में चोरों का आतंक, एक के बाद एक घरों में हो रही चोरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

फर्रूखनगर में एक घर में चोरी की वारदात के बाद पहुंची पुलिस।

फर्रूखनगर क्षेत्र में चोरों का आंतक मचा हुआ है। एक के बाद एक घरों में चोरी करके चोर लाखों के सामान पर हाथ साफ कर चुके हैं। आम आदमी के साथ-साथ पुलिस वालों के घर को भी चोरों ने नहीं छोड़ा और लाखों का सामान चुरा लिया। जिस तरह से क्षेत्र में चोरियों की वारदातों बढ़ी हैं, उससे लगता है कि क्षेत्र में कोई बड़ा गैंग इन वारदातों को अंजाम दे रहा है।

फर्रूखनगर के वार्ड-6 स्थित बालाजी नगर निवासी पिता-पुत्र पुलिस में हैं। उनके घर से चोर करीब 90 हजार नकद, करीब 15 लाख रूपये कीमत के सोने चांदी के जेवर लेकर फरार हो गए। थाना फर्रूखनगर पुलिस ने पुलिसकर्मी के पुत्र नवीन के बयान पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। नरेंद्र ने बताया कि वह भोंडसी आरटीसी में हवलदार का प्रशिक्षण ले रहा है।

वहीं उसके पिता पूर्णमल गुरुग्राम के डीएलएफ फेस वन थाना में भारतीय सेना से रिटायर्ड होने के बाद हवलदार के रूप में तैनात हैं। उसका भाई घर पर ही बालाजी नगर में परचून की दुकान चलाता है। बीती 25/26 सितम्बर की रात्रि अज्ञात चोर उसके घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दे गए। हवलदार नरेन्द्र ने बताया कि उसकी पत्नी अपने मायके गई हुई थी और मां रात्रि को दवाई लेकर करीब 11/12 आई तो घर पर ताला लगा हुआ था। रात्रि में चोरों ने घर के सामने लगी स्ट्रीट लाइट को बंद किया और घर का ताला तोड़कर घटना को अंजाम दे दिया।

टीवीएस एजेंसी मालिक के घर पर सेंधमारी

फर्रूखनगर-वजीरपुर रोड स्थित लार्ड कृष्णा अस्पताल के सामने टीवीएस मोटर साइकिल एजेंसी के मालिक के घर का ताला तोड़कर चोर करीब 50 तोले सोने के जेवर व करीब 60 हजार रूपये नकद चोरी कर ले गए। सूचना पाकर थाना फर्रूखनगर पुलिस ने मौका मुआयना किया। यहां नवीन पुत्र राजेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि उन्होंने अपने टीवीएस शोरूम के पीछे पांच मंजिला मकान बनाया हुआ है। शनिवार को वह और उसका छोटा भाई रवि यादव मानेसर में अपने बाइक के शोरूम पर थे। उनके पिता राजेन्द्र सिंह, मां सुमन देवी, पत्नी कविता तीनों बच्चों सहित सुल्तानपुर स्थित अपने खेत में रोज की भांति पशुओं की देखभाल व दूध निकालने को करीब 4 बजे गए थे।

बिना एसएलसी के सरकारी स्कूलों में दाखिला दे सरकार

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

कोरोना कॉल के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहे अभिभावकों द्वारा फीस जमा न कराने के कारण निजी स्कूलों द्वारा बच्चों के नाम काटने के विरोध में आज सुदामा नगर में छात्र अभिभावक संघ ने एक सभा की। सभा में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि सोमवार को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर कोरोना कॉल में फीस न भर पाने वाले अभिभावकों के बच्चों की फीस माफ करवाने की मांग करेंगे।

इस मौके पर छात्र अभिभावक संघ के संयोजक विमल किशोर ने कहा कि कोरोना कॉल के कारण

कोरोना कॉल की फीस माफ कर मानवता का परिचय दें निजी स्कूल : विमल किशोर

काफी अभिभावकों का रोजगार समाप्त हो गया। आर्थिक संकट के कारण अपने बच्चों की फीस जमा नहीं करवा पाए, जिसके बाद निजी स्कूल संचालकों ने उनके बच्चों के नाम काट दिए और ऑनलाइन पढ़ाई बंद कर दी। जोकि सरासर गलत है, अब अभिभावक बहुत परेशान हैं। वह फीस भरने की स्थिति में नहीं है

सुदामा नगर में अभिभावकों की बैठक को संबोधित करते विमल किशोर।

तो एक तरफ निजी स्कूल संचालक उन्हें एसएलसी सर्टिफिकेट भी नहीं दे रहे। जिससे कि वह सरकारी स्कूल में अपने बच्चों का दाखिला करवा सकें। दूसरी तरफ पहले सरकार ने आदेश जारी किए थे कि जो अभिभावक प्राइवेट स्कू लों में अपने बच्चों को नहीं पढ़ा सकते वह बिना एसएलसी के सरकारी स्कूलों में दाखिला करवा सकते हैं, किंतु सरकार ने वह आदेश भी वापस ले लिए। अब बिना एसएलसी के सरकारी स्कूलों में दाखिला हो नहीं रहा। प्राइवेट स्कूल वाले पिछले 7 महीने की फीस लिए बिना एसएलसी दे नहीं रहे। आखिर अभिभावक जाएं तो कहां जाएं। विमल किशोर ने सरकार, प्रशासन तथा प्राइवेट स्कूल संचालकों से अपील की कि वह मानवता दिखाते हुए आर्थिक संकट से जूझ रहे अभिभावकों के बच्चों की फीस माफ करें।

अन्यथा वह बिना फीस लिए एसएलसी जारी करे। सरकार से अपील है कि वह प्राइवेट स्कूलों को हिदायत दे कि वह आर्थिक संकट से जूझ रहे अभिभावकों के बच्चों की फीस माफ करें या फिर एसएलसी जारी करें। सरकार ही बिना एसएलसी के सरकारी स्कूलों में दाखिला देने का प्रावधान करें। सभा में अभिभावकों को समर्थन देने पहुंचे अनिल गुप्ता ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह अभिभावकों की हर लड़ाई में साथ खड़े हैं। उन्होंने सरकार व प्रशासन से भी अपील की कि कोरोना कॉल के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे अभिभावकों की बच्चों की फीस माफ की जाए। इस मौके पर प्रवेश कुमारी, सुषमा, नेहा, मंजू, मोनिका, रितु, उषा, राजबाला, वंदना, मोहित, मुनेश, हितेश, अंकित, सन्नी आदि दर्जनों छात्र अभिभावक संघ के सदस्य मौजूद रहे।

एक बारी म्हारी खीर भी चाख के देख ल्यो बरोदा आलयो : दलाल

भाजपा को मौका दे, क्षेत्र की तस्वीर बदल देंगे : कृषि मंत्री दलाल

किसानों की वास्तविक हितैषी भाजपा सरकार विधेयक कृषि में सरकार का क्रांतिकारी कदम

रणबीर सिंह रोहिल्ला। सोनीपत।

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने किसानों की आंखों में केवल धूल झोंकने का काम किया है। किसानों को बरगलाकर उनके वोट हासिल किए हैं, जबकि किसानों की वास्तविक हितैषी भाजपा सरकार है।

प्रदेश सरकार बरोदा में जहां आइएमटी स्थापित करेगी, वहीं हैफेड की राइस मिल स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इन दोनों प्रोजेक्ट के लिए सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर दी है। जनता कॉलेज को अपग्रेड कर विश्वविद्यालय बनाया जाएगा। दलाल ने कहा कि केंद्र और राज्य में इस समय बीजेपी की ईमानदार सरकार है। यदि बरोदा हल्के की जनता अपनी सूझबूझ से बीजेपी के उम्मीदवार को यहां मौका देती है तो निश्चित रूप से इस क्षेत्र के पिछड़ेपन का धब्बा हमेशा-हमेशा के लिए मिट जाएगा।

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने बनवासा में लोगों को संबोधित करते हुए मजाकिया अंदाज में लोगों से कहा कि थमनै आज तक एक बार भी भाजपा आल्या की खीर नहीं खाई है, थम एक बारी म्हारी खीर खा कै तो देखो, जै ना पसंद आवे तो चार साल पाच्छै फैंक दियो।

दलाल ने कहा कि लोकतंत्र में असली मालिक जनता होती है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को जनकल्याण में जुटे रहना चाहिए। भाजपा सरकार जनहित को ही प्राथमिकता देती आई है। उन्होंने कहा कि बरोदा उपचुनाव में हल्के के लोगों को सोच समझ कर अपने मत का प्रयोग करना होगा। बरोदा की जनता को विपक्षी पार्टियों के जुमलों में फंसने से बचना होगा।

दलाल ने बरोदा के लोगों से अपील की कि एक बार भाजपा को मौका देकर देखें, यहां की तस्वीर बदल दी जाएगी। दलाल ने यह बात गांव बरोदा, बनवासा व धनाना में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। मंच पर सोनीपत से सांसद रमेश कौशिक, राई से विधायक व जिलाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक आदि मौजूद रहे।

बरोदा हलके में आयोजित कार्यक्रम में मंच पर आसीन कृषि मंत्री, सोनीपत सांसद रमेश कौशिक और अन्य भाजपाई।

नए विधेयक होंगे कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम

दलाल ने कहा कि तीनों अध्यादेश लागू होने पर प्रदेश का किसान और अधिक खुशहाल व उन्नत होगा। किसान अपनी मर्जी से अपनी फसल बेच सकेगा। किसान पर किसी प्रकार की कोई पाबंदी नहीं होगी, लेकिन विपक्ष किसानों को बहकाने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश व केंद्र की भाजपा सरकार समय-समय पर किसानों के हित की नीतियां व योजनाएं लागू कर रहीं हैं, यह सब विपक्ष को रास नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा है कि अध्यादेशों में किसानों को अपनी फसल बिक्री के लिए छूट दी गई है और न्यूनतम समर्थन मूल्य कम नहीं होगा।

कांग्रेस ने हमेशा बिचौलियों का साथ दिया : दलाल

कृषि मंत्री ने कहा कि नए विधेयक कृषि क्षेत्र में केंद्र सरकार का क्रांतिकारी कदम है। देश के किसान के लिए उत्पाद बेचने को अन्य विकल्पों का प्रावधान किया है, जो वास्तव में किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम करेगा। देश का किसान सब देख रहा है और यह भलीभांति समझता है कि कौन किसान हितैषी है और कौन नहीं। आज किसान हितैषी होने का स्वांग रचने वाली कांग्रेस ने हमेशा बिचौलियों का साथ दिया और यह बिचौलियों की ही पार्टी बन कर रह गई। पूंजीपति किसान का शोषण करता था, इन विधेयकों से किसानों को उस शोषण से मुक्ति मिलेगी। विधेयक लागू होने के बाद किसान की किस्मत बदलने वाली है।

गुलामी के खिलाफ संघर्ष भगतसिंह को विरासत में मिला : मलिक

शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करते समिति के पदाधिकारी।

सोनीपत। शहीद यादगार समिति द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती की पूर्व संध्या पर रा.मा. संस्कृति स्कूल कुम्हार गेट में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अनिल गुप्ता अध्यक्ष सोनीपत विकास मंच ने की। कार्यक्रम में कृष्ण मलिक मुख्य वक्ता रहे।

भगत सिंह एक विचार विषय पर बातचीत रखते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि भगतसिंह एक व्यक्ति नहीं विचार थे, इसलिए आज भी उनको याद किया जाता है। गुलामी के खिलाफ संघर्ष का रास्ता भगत सिंह को विरासत में मिला। इनके परदादा से लेकर पिता व चाचाओं तक ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष किए व यातनाएं झेलीं। गांधी के आह्वान पर स्कूल की पढ़ाई छोड़ आंदोलन में शामिल हो गये। फिर उन्होंने नेशनल कालेज लाहौर में दाखिला लिया, जहां इनकी मुलाकात स्वतंत्रता संग्राम के दीवाने नौजवानों से हुई। जिसने स्वतंत्रता संग्राम के बारे में भगत सिंह के दृष्टिकोण को और अधिक व्यापक बनाया। भगत सिंह ने विश्व क्रांतिकारी आंदोलनों और विजयी स्वतंत्रता संघर्षों के बारे में बड़ी गहराई से अध्ययन किया। फ्रांस व रुसी क्रांति ने उनको बहुत प्रभावित किया। वह देश में वैज्ञानिक समाजवाद की स्थापना चाहते थे, जहां एक आदमी द्वारा दूसरे आदमी का शोषण व एक राष्ट्र द्वारा दूसरे राष्ट्र का शोषण ना हो। भगतसिंह अंधविश्वास, छूआछूत, साम्प्रदायिकता को मानव के विकास को अवरूद्ध करने व शोषण का औजार मानते थे। संयोजक सतपाल अहलावत ने कहा कि भगतसिंह द्वारा जेल में लिखी जेल नोट बुक द्वारा हम उनके विचारों को जान सकते हैं। वे समानता आधारित व्यवस्था स्थापित करना चाहते थे, उनका इंकलाब का नारा आज भी हर जुलूस-रैली में लगता है।

इंकलाब का नारा आज भी हर जुलूस-रैली में लगता : अहलावत

गौतम को भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री बनाने पर कटारिया ने जताई खुशी

कुरुक्षेत्र। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य, अनुसूचित जाति मोर्चा भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरजभान कटारिया ने श्रीगुरु रविदास विश्व महापीठ के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हरियाणा के राज्यसभा सांसद दुष्यंत कुमार गौतम को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय महामंत्री बनने पर खुशी जताई है। गौतम के भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री बनने पर उत्साहित दिखे श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय महामंत्री कटारिया ने कार्यकर्ताओं को लगातार मेहनत करने, पार्टी व राष्ट्र की मजबूती के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

थैलीसीमिया पीड़ितों को शिविर लगा कर किया 115 यूनिट रक्त एकत्र

पायनियर समाचार सेवा। इन्द्री

उपमंडल के गांव ब्याना की पंचायत घर में थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिये एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह रक्तदान शिविर स्व. श्रीमती मेवा देवी एवं स्व. राजकिशन बुलचंद शर्मा की याद में लगाया गया। इस अवसर पर करनाल कल्पना चावला मेडिकल कालेज के चिकित्सकों की टीम ने 115 यूनिट रक्त एकत्रित किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ डा. अशोक कांबोज ने रिबन काटकर किया।

इस मौके पर डा. अशोक कांबोज ने कहा कि आजकल नई मशीनों के आने से आपके द्वारा दिया गया एक

हर स्वस्थ आदमी साल में तीन बार कर सकता है रक्तदान : डा. कांबोज

यूनिट रक्त विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त चार मरीजों के काम आ जा सकता है। अब लोग अपनी स्वेच्छा से रक्तदान करते हैं। एक स्वस्थ आदमी को साल में कम से कम तीन बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। समाजसेवी कपिल किशोर ने कहा कि थैलीसीमिया से पीड़ित मरीजों को रक्त की कोई कमी ना हो इसके लिये ऐसे रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। कपिल

किशोर ने कहा कि थैलीसीमिया का कोई इलाज नहीं है ओर अगर होता भी है तो वो बहुत ही महंगा है। इसलिये शादी से पहले व गर्भवती महिलाओं को अपने खून की जांच अवश्य करवा लेनी चाहिये ताकि यह पता चल सके कि आने वाले बच्चें को खून संबंधी कोई बीमारी तो नहीं है। उन्होंने कहा कि वो खुद भी अब तक 62 बार रक्तदान कर चूके है। बताया कि आगामी 4 अक्तूबर को इन्द्री के गांव समौरा तथा 11 अक्तूबर को करनाल मानव सेवा संघ में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जायेगा। इस मौके पर डा. विजय गोयल द्वारा आंखों का चेकअप कैंप भी लगाया गया। फ्री में दवाई वितरित की गई। सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ड़ा. संजय शर्मा, सरपंच ममता रानी, अशोक कुमार पूर्व सरपंच, डा. ज्ञान चंद शर्मा, राहुल जोगी, रोशन भोला, कर्म सिंह पूर्व सरपंच, अनिल कुमार एलटी, मास्टर सोमनाथ कांबोज, धर्मवीर शर्मा, बलबीर ब्यानी, प्रवीन गोयल, महिन्द्र, प्रदीप, जयपाल कश्यप, योगेश कुमार पत्रकार, मास्टर रोशन ला व शुभम शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

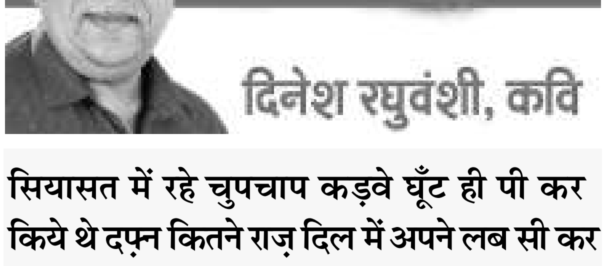

सियासत में रहे चुपचाप कड़वे घूँट ही पी कर
किये थे दफ़्न कितने राज़ दिल में अपने लब सी कर
विचारक, राजनैतिक शख़्सियत जसवंत सिंह भी अब
गए चुपचाप जग से नीलकंठी ज़िन्दगी जी कर

दुकान से मोबाइल चोरी करने के आरोपी काबू

सोनीपत। थाना शहर पुलिस ने दुकान में घुसकर चोरी करने की घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ललन पुत्र नागेश्वर निवासी सनबरखा कचेहड़ी जिला सारसा बिहार, वसीम खान पुत्र आमीन खान निवासी मिजोड़ी जिला अंबेडकर नगर यूपी, सुनील पुत्र राजेन्द्र निवासी धानक बस्ती व विवेक पुत्र सतीश निवासी जटवाड़ा सोनीपत के रहने वाले है।

पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि गत 24 सितंबर को धीरज निवासी सेक्टर-14 ने थाना शहर सोनीपत में शिकायत दी थी कि अज्ञात व्यक्तियों ने बस स्टैंड के नजदीक स्थित उसकी मोबाइल की दुकान का शटर उखाड़कर 20-25 मोबाइल चोरी कर लिए हैं। थाना शहर के अंतर्गत गीता भवन पुलिस चौकी टीम ने घटना में शामिल इन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के बताये अनुसार चोरी किए 20 मोबाईल भी बरामद कर लिए गए हैं।

हार्ट फेल को कम उम्र में ही सावधानी भरे उपायों से रोकें

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

आंकड़े बताते हैं कि हार्ट फेल से भारत में सालाना 1.8 मिलियन लोग अस्पताल में भर्ती होते हैं। दुनिया की दो से तीन प्रतिशत आबादी इससे प्रभावित होती है। हार्ट अटैक भारत में एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय है। रोगियों और उनके परिवारों के लिए इसके इलाज के खर्चे को सहन कर पाना मुश्किल हैं।समय पर मौजूदा खतरे वाले कारकों और इसके निदान के महत्व को लेकर लोगों में जागरुकता बढ़ानी होगी।

इस बारे में बात करते हुए डॉ. नित्यानंद त्रिपाठी, डायरेक्टर-कार्डियक साइंसेज और एचओडी, कैथ लैब कार्डियोलॉजी एंड लेक्ट्रोफिजियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, शालीमार बाग ने कहा, हार्ट फेलियर या तो तेज़

स्वस्थ जीवनशैली का पालन करना और विशेष रूप से यदि आप जोखिम में हैं, तो नियमित स्वास्थ्य जांच करना अनिवार्य है

होता है या पुराना हो सकता है। तेज हार्ट फेलियर आमतौर पर हार्ट अटैक के हिसाब से आता है, जब हार्ट में खून के बहाव को कंट्रोल करने वाले वाल्वों के साथ कोई समस्या होती है। अगर जल्द से जल्द सावधानी नहीं बरती जाती, तो हालात बद से बदतर हो सकते हैं। हार्ट फेलियर दिल के रुकने की वजह नहीं बनती बल्कि खतरनाक हो सकती है। कमजोरी और थकान, सांस की तकलीफ जैसे लक्षणों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है । पैर या पेट में सूजन, वजन बढ़ना, भूख में कमी, सिर चकराना और खांसी । दिल की बीमारियों, ब्लड प्रेशर या डायबिटीज़ जैसी स्थितियों के पारिवारिक इतिहास वाले लोगों को ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए।

हार्ट फेल होना अक्सर शरीर की भीतरीहृदय स्थितियों जैसे कोरोनरी आर्टी बीमारी, हार्ट अटैकया हाई ब्लड प्रैशर का नतीजा है। दूसरे कारणों में हृदय की मांसपेशियों की बीमारी और अरीथीमिया शामिल हैं। इस स्थिति में, हृदय सख्त या कमजोर हो सकता है और उसे पूरे शरीर में खून को प्रभावी ढंग से पंप करने में दिक्कत हो सकती है। इस तरह की स्थितिवाले लोगों को विशेष रूप से कोविड -19 के दौरान ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि यह कम इम्यूनिटी वाले लोगों को अधिक प्रभावित करता है।

संक्षिप्त समाचार

प्रशासन बीपीएल लाभार्थियों को सुविधाएं दिलवाए : मदान

सोनीपत। ओमैक्स सिटी सेक्टर-18 के बीपीएल फ्लैट धारकों द्वारा गुहार लगाए जाने पर उनकी समस्याओं को सुनने समाजसेवी निखिल मदान पहुंचे। बीपीएल लाभार्थियों ने बताया कि वे सरकार द्वारा आवंटित किए गए फ्लैटों में कई वर्षों से रह रहे हैं, लेकिन उनको ओमैक्स सिटी और नगर निगम प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। लोगों ने बताया कि शानवी एस्टेट मैनेजमेंट सर्विसेज द्वारा उनकी बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई है। वो पिछले सप्ताह से अंधेरे में रह रहे हैं। अब कंपनी द्वारा सभी फ्लैट धारकों से 5-5 हजार रुपये मांगे जा रहे हैं, जो वह देने में असमर्थ हैं। हरियाणा बिजली वितरण निगम के स्थानीय कार्यालय में संपर्क करने पर कहा गया है कि सरकार उनकी किसी तरह मदद नहीं कर सकती। उनकी मांग है कि हरियाणा बिजली वितरण निगम से ही उनको बिजली कनेक्शन दिए जाएं, जिसका बिल वह समय पर भरने को तैयार हैं। लोगों ने बताया कि उनके यहां के सभी सीवर जाम हो चुके हैं। उनकी मांग है कि सीवर लाइन को मैनलाइन से जोड़ा जाए, ताकि उनका समाधान हो सके। निखिल मदान ने बताया कि वे उनकी सभी समस्याओं को निगम कार्यालय व शानवी मैनेजमेंट कंपनी के सामने रखेंगे और उनकी परेशानी दूर करवाएंगे। सीवरेज समस्या को कृष्णा चैरिटेबल सोसाइटी की गाड़ी भेजकर दूर करवा दिया जाएगा। मौके पर हरीश नागपाल, राजेश, आशीष, रामनिवास, ओमप्रकाश, आनंद, कविता, विपिन पंवार, सुनील, जितेंद्र, रेणु, विक्की, सुशील, जयप्रकाश, प्रदीप आदि लोग मौजूद रहे।

अग्रवाल सभा ने अग्रसेन जयंती का निमंत्रण पत्र किया जारी

भिवानी। श्रीअग्रवाल सभा भिवानी द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह 2 से लेकर 17 अक्तूबर मनाया जाएगा। ये जानकारी सभा की एडहॉक कमेटी के प्रधान नरेन्द्र सर्राफ ने आज रविवार को यहां जवाहर चौक स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए दी। सभा द्वारा इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का निमंत्रण पत्र भी जारी किया गया। प्रधान ने कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती, 10 अक्टूबर को वृक्षारोपण, 11 अक्टूबर को श्री दादी राणी सती नारायणी मंगल पाठ, 12 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन पर निबंध व भाषण प्रतियोगिता,13 अक्टूबर को फल वितरण, 14 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन पर रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता, 15 अक्टूबर को बाल सेवा आश्रम में सहभोज, 17 अक्टूबर सुबह 9 बजे यहां रोहतक गेट स्थित महाराजा अग्रसेन चौक पर ध्वजारोहण एवं माल्यार्पण एवं सायं 4 बजे महाराजा अग्रसेन की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। प्रत्येक कार्यक्रम में शारीरक दूरी, मास्क व सेनिटाइजर का पूरा ध्यान रखा जायेगा व आज इस कार्यक्रम में विधायक घनश्यामदास सर्राफ, रामदेव तायल, अग्रवाल सभा की एडहॉक कमेटी के सचिव सचिन सिंगला एडवोकेट, कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल मुन्ना, गणेश बेरलिया, जयंती संयोजक बजरंग बहलिया, विजय बंसल(टैनी) समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर लगा कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

कुरुक्षेत्र। भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के महानायक एवं शहीद भगत सिंह जयंती और प्रयास संस्था के पदाधिकारी डॉ. अरुण धीमान के जन्मदिन पर डायमंड रक्तदाता डा. अशोक कुमार वर्मा द्वारा लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में 304वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में डा. अरुण धीमान मुख्यातिथि रहे, जबकि हरियाणा पुलिस रोटी बैंक के उप प्रधान एवं प्रेरणा समिति हरियाणा के प्रांतीय महासचिव डा. भारतेन्दु हरीश ने इसकी अध्यक्षता की। समाजसेवी मनोज गुप्ता, समाजसेवी प्रशांत शर्मा और स्टार रक्तदाता नरेश रोहिला विशिष्ट अतिथि रहे। शिविर के मुख्य संयोजक डा. अशोक कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों और रक्तदाताओं का अभिनन्दन किया। उन्होंने कहा कि आज शहीद भगत सिंह जयंती पर यह शिविर युवाओं के लिए उत्साह के केंद्र रहा है। डा. अरुण धीमान ने अपने जन्मदिन पर रक्तदान किया। डा. भारतेन्दु हरीश ने शहीद भगत सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे युवाओं के लिए प्रेरणाश्रोत हैं। वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीकी अधिकारी नरेश सैनी, राम कुमार, सीमा और मनीष सिंगला ने रक्त संग्रह किया। शिविर में राजेश कुमार, डा. अरुण धीमान, सतीश कुमार, देसराज, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, नवीन वर्मा, सतीश सैनी, नरेश, भारत भूषण, संजय कुमार, विजय कुमार, संदीप कुमार, संजय कुमार, सुखबीर, संजू, सचिन, सुनील कुमार, अभिषेक धीमान, राजेश कुमार, मनोज गुप्ता, विकास सिंगला, अमित, नरेश रोहिला और पवन कुमार ने रक्तदान किया।

जागरुकता ही कोरोना हराने की वैक्सीन जैसी : जन सम्पर्क अधिकारी

कुरुक्षेत्र। जिला सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि आमजन को जागरुक करने का सबसे सशक्त माध्यम प्रचार-प्रसार है। कोरोना एक वैश्विक महामारी है और इस बीमारी से मानव जाति को काफी नुकसान हुआ है। आज हम सबको मिलकर आगे आकर और मिलकर इस बीमारी से लड़ने की जरुरत है। तभी सम्भव होगा जब हम जागरुक होंगे। इसलिए हम सभी कोविड-19 के नियमों का पालन करें। घर से बाहर जाते समय मास्क का प्रयोग करें। सामाजिक दूरी बनाए रखें। अगर हो सके तो जरुरी हो तभी घर से बाहर जाए। उन्होंने कहा कि उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ के निर्देशानुसार विभागीय प्रचार वाहन प्रतिदिन कुरुक्षेत्र जिला के विभिन्न गांवों, शहर के सेक्टरों व वार्डो, ढाणियों, डेरों व इंट भट्टों इत्यादि में जाकर आमजन को कोरोना वायरस से बचाव व इसके प्रति सावधानियां बरतने के लिए जागरुक कर रहा है। रविवार को भी इस वाहन ने शहर के विभिन्न सैक्टरों, वार्डों व ग्रामीण क्षेत्र में कोविड-19 के नियमों के बारे में जानकारी देकर जागरुक किया है। इसके साथ-साथ कोरोना वायरस कोविड-19 के बारे में आमजन को विभिन्न माध्यमों से निरंतर जागरुक किया जा रहा है। इसके लिए आमजन को पम्पलेट, क्वीज व संचार के अन्य माध्यमों से जानकारी दी जा रही है।

भारत में हर साल हजारों लोगों की होती है रैबीज से मौत : डा. शैली

कुरुक्षेत्र। विश्व में करीबन 59 हजार लोग जानलेवा बीमारी रैबीज की चपेट में आते हैं। जिनमें से 90 फीसदी की मौत रेबीज से संक्रमित कुत्ते के काटने से होती है। भारत में हर साल 18 से 20 हजार तक लोगों की मौत रेबीज के कारण होती है। इनमें से ज्यादातर की मौत का कारण उन्हें इलाज और स्वास्थ्य सुविधाओं का समय पर न मिलना है। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंशन ऑफ रेबीज एंड कंट्रोल इन इंडिया नामक पंजीकृत गैर सरकारी संगठन के हरियाणा से मनोनीत सदस्य लोकनायक जयप्रकाश जिला नागरिक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक और फिजिशियन डॉ शैलेंद्र ममगाईं शैली ने आज वर्ल्ड रेबीज डे की पूर्व संध्या पर दी। विश्व स्वास्थ संगठन के हवाले से उन्होंने बताया कि जापान अमेरिका और आस्ट्रेलिया ऐसे देश हैं, जिनमें यह बीमारी नहीं पाई जाती है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

बिहार में चुनाव
नीतीश की परीक्षा

महामारी के बीच में बिहार विधानसभा चुनाव व्यवस्था व सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती हैं। ये वायरस के प्रसार पर लगाम रखते हुए जनता की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने का उदाहरण बन सकते हैं। इसके लिए चुनाव के नए नियम लागू होंगे जिसमें वर्चुअल प्रचार अभियान, मतदान का लंबा समय, ज्यादा मतदान केन्द्र, कोविड संक्रमित मतदाताओं के लिए कवारंटीन सेंटर तथा अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय शामिल हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना होगा कि चुनाव वायरस फैलाव का कारण न बनें। यह निर्वाचन आयोग की बड़ी परीक्षा होगी क्योंकि इसके बाद कई राज्यों में चुनाव होंगे। मुख्यमंत्री व जनता दल युनाइटेड-जदयू नेता नीतीश कुमार को जनता को समझाना होगा कि वे अभी नतीजे देने के मामले में सबसे अच्छे हैं। विपक्ष तथा राष्ट्रीय जनता दल-राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के लिए यह सिद्ध करने का अवसर है कि उनके बेटे उनका राजनीतिक आंदोलन आगे बढ़ाते रहेंगे। नीतीश की महामारी, बाढ़ तथा प्रवासी श्रमिक संकट से ठीक से न निपटने की आलोचना होती है। फिलहाल मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में वे भाजपा के साथ विजय प्राप्त कर सकते हैं, पर भविष्य में भाजपा शायद अपने लिए अलग नेता तलाश करे। नए कृषि विधेयकों का राज्य की राजनीति पर ज्यादा प्रभाव शायद नहीं पड़ेगा क्योंकि बिहार देश में कृषि उत्पाद बाजार समिति कानून 2006 में समाप्त करने वाला देश का पहला राज्य है जिसने कृषि उत्पादों की खरीद में निजी क्षेत्र को शामिल किया था, लेकिन इससे बिहार के किसानों को शायद ज्यादा लाभ नहीं हुआ। राज्य के कृषि क्षेत्र में कोई बड़ा निजी निवेश भी नहीं हुआ। विपक्ष यह मुद्दा चुनाव प्रचार में उठा सकता है। राजनीतिक

रूप से नीतीश कुमार ने लोक जनशक्ति पार्टी-लोजपा का असर घटाया है जिसके नेता चिराग पासवान उन पर रोज हमला करते रहते हैं। इसके लिए उन्होंने हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा-हम संस्थापक जीतन राम माझी को अपने साथ लिया है। इससे दलित मतदाता राजग से मजबूती से जुड़ेंगे जिनकी संख्या 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार में 15 प्रतिशत है। महादलित 16 प्रतिशत हैं, पर उनका थोड़ा झुकाव राजद की ओर भी है जिसे मुस्लिम और यादव मतदाताओं का परंपरागत समर्थन प्राप्त है। माझी दलितों को नीतीश के पक्ष में लाकर उनकी स्थिति मजबूत करेंगे।

सवाल है कि लालू यादव की स्थिति कैसी रहेगी। अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी-सपा ने बिहार चुनाव न लड़ने तथा राजद उम्मीदवारों के समर्थन की घोषणा की है। लालू अभी मजबूत हैं, पर वे समान विचार वाली पार्टियों के साथ महागठबंधन को मजबूत करने के लिए जमीन पर नहीं उतर सकते हैं। इससे राजद को नुकसान होगा। रणनीतिक साझेदारी के अभाव में विपक्ष गैर-राजग मतों का विभाजन करा सकता है। इसके साथ ही राजद की सीटें थोड़ी कम कर गठबंधन ज्यादा आक्रामक बन सकता है। लेकिन राजद की सीटें घटने से भाजपा लाभ की स्थिति में होगी। लोकसभा चुनाव परिणाम इसकी पुष्टि करता है। राजद के कुछ साझीदार सार्वजनिक रूप से तेजस्वी यादव की आलोचना करते हैं। नौजवान लालू यादव के बेटों के वंशवादी अधिकार से खुश नहीं हैं जो सार्वजनिक स्पेस में अपनी महत्वाकांक्षाओं के लिए लड़ते हुए कोई विश्वास नहीं पैदा करते हैं। अब तक तेजस्वी केवल जीहुजूरों को एकजुट करते हुए वरिष्ठ नेताओं को किनारे धकेलते रहे हैं। इससे वामपंथी पार्टियों व कांग्रेस में राजद की विश्वसनीयता घटी है। भाजपा विपक्षी खेमे में बिखराव की प्रतीक्षा कर रही है। वामपंथी पार्टियों की हालत खराब है, हालांकि परंपरागत क्षेत्रों में उनका कुछ असर है। वे जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार का प्रभावी प्रयोग कर सकती हैं। कांग्रेस की हालत भी अच्छी नहीं है। हालांकि, इससे राजद को नुकसान नहीं होगा, पर एक और खराब प्रदर्शन के बाद कुछ और कांग्रेसी भाजपा में जा सकते हैं। हालांकि, जनता का एक तबका नीतीश से नाराज है, पर लालू की अनुपस्थिति में विपक्ष इसका लाभ उठाने में अक्षम है।

सार्वजनिक हित में कदम उठाए सरकार

यह सुस्थापित तथ्य है कि वायरस अत्यधिक संक्रामक है तथा संक्रमित व्यक्ति के साथ संपर्क होने पर बड़ी तेजी से फैलता है। इसके परिणामस्वरूप, कोविड-19 एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा है।

स्वपन दासगुप्ता
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सही होने की समसामयिक धारणाएं मांग करती हैं कि अच्छे नागरिकों को रूढ़िवादिता त्याग देनी चाहिए। एक नियम के तौर पर, यह निरपवाद पहलू है। कोई नहीं बल्कि सर्वाधिक कट्टर व्यक्ति स्पष्ट रूप से कहता और मानता है कि सभी चीनी एक जैसे लगते हैं। निश्चित रूप से, वे नहीं लगते, और सुझाव उतना ही हास्यास्पद है जितना कि चेहराविहीन देशीय लोगों के जनसमुदाय में पुरातन औपनिवेशिक विश्वास।

उसी समय, सरकारें एवं नीति नियंता अवश्यंभावी रूप से पुन: संकीर्णता के भंवर में वापस डूब जाते हैं, एक विवादास्पद शब्द प्रयोग करें, सामान्यीकरण अथवा, यदि आप पसंद करें तो, जमावड़ा। उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी, के दो स्पष्ट आयाम हैं। पहला है, एक विशुद्ध चिकित्सीय अथवा वैज्ञानिक आयाम जो केंद्रित है, सर्वप्रथम, एक निरोधक वैक्सीन विकसित करने पर तथा, एक पल के लिए, उपचार का प्रकार सुरक्षित करने पर जो इस घातक वायरस से होने वाली मौतों की संख्या कम करेगा। नि:संदेह कुछ राष्ट्रीय गुण लोगों के पसंदीदा विभिन्न औषधि सम्प्रदायों में शामिल होते हैं। उदाहरण के लिए, भारत में, प्रचुर मात्रा में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजें बाजार में उपलब्ध हैं जिनमें होम्योपैथिक मीठी गोलियों से लेकर जड़ी-बूटियों के मिश्रण तक जो औषधीय पौधों पर पर आधारित होती हैं। फिर आता है योग और ध्यान। पश्चिम में, विटामिन सी व जिंक मिश्रित रोग प्रतिरोधक दवाओं के अलावा, ज्यादा जोर शारीरिक व्यायाम व मोटापा नियंत्रित करने पर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, ब्रिटिश सरकार ने, एक अधिक वजन वाले प्रधानमंत्री, जो कोविड-19 के गंभीर संक्रमण से उबरकर निकले हैं, से सबक लेकर मोटापे के विरुद्ध अभियान छेड़ दिया है।

हालांकि, एक और आयाम है कोविड-19 के प्रबंधन का जिसमें राज्य की भूमिका शामिल है। यह सुस्थापित तथ्य है कि वायरस अत्यधिक संक्रामक है तथा संक्रमित व्यक्ति के साथ संपर्क होने पर बड़ी तेजी से फैलता है। इसके परिणामस्वरूप, कोविड-19 एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा है जिसके लिए सर्वप्रथम राज्य को बढ़ते संक्रमण के मामलों पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है और फिर पर्यावरण को लोगों के लिए सुरक्षित बनाना होगा। यहीं पर राष्ट्रीय चरित्र महत्वपूर्ण हो जाता है। लोक नीति के केंद्र में सवाल है मांगों के परिमाण का जो एक राज्य वैधानिक रूप से अपने नागरिकों पर बनाता है। यह ऐसा सवाल है जिसमें मुख्यत: लोकतंत्र शामिल होते हैं। स्वेच्छाचारी हुकूमतें, और चीन सर्वाधिक उपयुक्त उदाहरण है, ऐसी शीर्ष से निम्नतम पादान तक की रणनीति विकसित करने की स्थिति में है जिन्हें निष्क्रिय नागरिकों पर बलपूर्वक लागू किया जा सकता है।

सभी प्रकार से, और उस तरीके पर उसके बाद पैदा होने वाले विवादों के बावजूद जिस तरह वायरस ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पार किया, वुहान में लाकडाउन सर्वाधिक क्रूरतापूर्ण था, जहां के लिए माना जाता है कि वायरस पैदा हुआ था। जब इसे महामारी के शुरुआती महीनों में परिचालन में लाया गया था, खबरों के ब्लैकआउट तथा लोगों के मूल अधिकारों के कथित उल्लंघन को लेकर चिंताएं व्यक्त की गईं थीं। इन आरोपों की सत्यता चाहे जो भी हो एवं विश्वसनीय जानकारियों का जितना भी अभाव रहा हो, अब यह मान लिया गया है कि चीन ने अपने कदम मजबूती से उठाए थे और अब वह दुनिया का हॉटस्पॉट नहीं रह गया है।

> **कोविड-19 एक जन-स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा है जिसके लिए सर्वप्रथम राज्य को बढ़ते संक्रमण के मामलों पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है और फिर पर्यावरण को लोगों के लिए सुरक्षित बनाना होगा। यहीं पर राष्ट्रीय चरित्र महत्वपूर्ण हो जाता है। लोक नीति के केंद्र में सवाल है मांगों के परिमाण का जो एक राज्य वैधानिक रूप से अपने नागरिकों पर बनाता है। यह ऐसा सवाल है जिसमें मुख्यतः लोकतंत्र शामिल होते हैं।**

कोविड-19 से निबटने को लेकर चीन के दृष्टिकोण के साथ-साथ सरकार के दिशा निर्देशों के प्रति जनता की स्वीकृति भी थी। इस मुद्दे पर कोई सार्वजनिक बहस नहीं हुई और यदि लोगों ने विरोध जताया, तो उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया को स्वयं तक ही सीमित रखा। यह अन्य देशों के विपरीत है जहां सामान्य जीवन पर प्रतिबंधों की परिणिति स्फूर्त सार्वजनिक वाद विवाद के रूप में हुई। ऐसा लगता है कि सरकारों ने जीवन और आजीविका के बीच संतुलन बिठाने का प्रयास किया, जहां सफलता भिन्न-भिन्न रूप में मिली। अपने निर्णय लेने में, सरकारों ने लोकप्रिय दीर्घकालिकता की समझ तथा अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक धारणाओं पर भरोसा किया।

पिछले सप्ताह संसद के समक्ष दिए गए एक बयान में, ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने जोर दिया कि यूके में कोविड-19 संक्रमण इटली से ज्यादा बुरे साबित हुए क्योंकि ब्रिटेनवासी कहीं ज्यादा स्वतंत्रता प्रेमी होते हैं और, इसलिए, आधिकारिक अनुदेशों का पालन करने में कम विश्वास रखते हैं। जिस तरीक से अनिवार्यता होती है, उस तरह ब्रिटिश जनसंख्या से एकसमान रूप से दिशा निर्देशों का पालन करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। इस टिप्पणी का इतालवी राष्ट्रपति सर्गियो मैटरेला ने यह कहकर जवाब दिया कि, ''हम इटलीवासी भी स्वतंत्रता प्रेमी हैं, लेकिन हम गंभीरता की भी चिंता करते हैं।''

झिड़की समायानुरूप थी। इटली की छवि एक अतिशय मौज मस्ती पसंद देश की है जो अंतरनिहित रूप से अनुशासन के प्रति असहज महसूस करता है, जैसा कि मुसोलोनी ने पाया था जब उसने अपनी हुकूमत को अतिशय सैन्यवादी बनाने का प्रयास किया था। इटलीवासियों में परिवार को लेकर भाव बहुत गहरा है और ऐसा कहा जाता था कि पितामहों से अत्यधिक संपर्क शुरुआती महीनों के दौरान कोविड-19 से उच्च मृत्यु का एक कारक था। हालांकि, इन सामाजिक जटिलताओं के बावजूद, मार्च में घोषित लाकडाउन इटली के उत्तरी क्षेत्र में अत्यधिक कठोर प्रकृति का था। यूके में ऐसा कभी नहीं हुआ है।

ब्रिटेन के नागरिकों के अधिक स्वतंत्रता प्रेमी होने से इसका कोई खास लेना-देना नहीं है। ब्रिटिश, एक निम के तौर पर, भयावह रूप से कानून का पालन करने वाले बताए जाते हैं। यदि सरकार ने भलाई के लिए अस्थायी असुविधा को दांव पर लगाया होता, तो इसकी संभावना अधिक है कि ब्रिटेन के लोग नए नियमों का पालन करते। हालांकि, समस्याएं अनवरत रूप से आती हैं जब सरकारें आम भलाई को वैयक्तिक जिम्मेदारी से ऊपर रखने में संकोच करती हैं।

ऐसा ही पंजाब में दुर्गा पूजा उत्सव मनाने के मामले में हो सकता है जो अक्टूबर माह के उत्तरार्ध में होना निर्धारित है। यद्यपि सरकार ने सामाजिक दूरी सुनिश्चित कराने के लिए कुछ कदम उठाए हैं तथा मास्क पहनने की सलाह दी है, ये कदम प्रत्येक पूजा समिति को 5,000 रुपए देने का वादा किए जाने से कमजोर पड़ गए हैं।

दूसरे शब्दों में, लोकरंजकता चुनावी वर्ष में जिम्मेदारी के बड़े भाव पर ज्यादा हावी हो गई है। हम कह सकते हैं कि सह बंगाली चरित्र है, लेकिन यदि राज्य सत्ता कमजोर हो, तो कुछ लोगों की अंतरनिहित जिम्मेदारी सामने क्यों नहीं आती? राष्ट्रीय चरित्र एक यथार्थ है लेकिन राज्य की सत्ता को सार्वजनिक भलाई के लिए आगे आना चाहिए।

बॉलीवुड को दूषित होने से बचाएं

> **"कंगना रनौत प्रकरण के बाद अभिनेताओं को खास राजनीतिक विचारधाराओं के मार्केटिंग एजेंटों की तरह प्रयोग करने की प्रक्रिया पर रोक लगनी चाहिए।"**

अनुराग तिवारी

अनुभव झा

सरकार ने हाल ही में देश की 'सबसे सुंदर' व 'सबसे बड़ी' फिल्म सिटी उत्तर प्रदेश के नोयडा में बनाने का निर्णय किया है। इसे व्यापक सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। इसे बालीवुड को विकेन्द्रित करने, मुंबई का देश की मनोरंजक राजधानी के रूप में दर्जा कमजोर करने तथा कला व रचनात्मकता के विस्तार के रूप में देखा जा सकता है। इस दृष्टिकोण से वर्तमान समय से अच्छा समय नहीं हो सकता है। भाई-भतीजावाद, नशे के प्रयोग, मुंबई में फिल्म निर्माताओं के तथाकथित 'माफिया' तथा सुशांत सिंह राजपूत-एसएसआर की असमय मृत्यु ने बालीवुड के बारे में आज दर्शकों की राय बदल दी है। आरोप है कि हिंदी फिल्म उद्योग पर कुछ वंश परिवारों का कब्जा है जो 'बाहरी' लोगों के प्रति अत्यधिक घमंडी, महत्वाकांक्षी तथा आत्मकेन्द्रित दृष्टिकोण रखने वाले हैं।

वैश्विक रूप से भी मनोरंजन उद्योग की यही छवि बनी है कि वह केवल अपने लिए काम करता है। बालीवुड में भीतरी-बाहरी की बहस ने अभिनेताओं व फिल्म निर्माताओं की बहुत बड़ी छवि को धक्का देकर उद्योग का अच्छा, बुरा और भद्दा चेहरा जनता के सामने उजागर कर दिया है। देखना होगा कि यह कितना सच है। लेकिन मजेदार तरीके से कंगना रनौत एक विचित्र तरीके से सत्ता-विरोधी शक्ति के रूप में उभरी हैं।

इसका कारण अति-दक्षिण व केन्द्र से वाम को झुकी राजनीतिक विचारधाराओं के बीच बहस व विवाद भी है। शहरी मध्यवर्गीय लोगों का समर्थन पाने के लिए राजनीतिक पार्टियों ने सिनेमा, कला और कलाकारों की सोच में आमूल परिवर्तन किया है। इसके कारण मनोरंजन उद्योग के भीतर समानान्तर सत्ता संरचनाओं का विकास हुआ है जिनको राज्य से समर्थन मिला है। यह परिघटना एसएसआर-रिया-कंगना प्रकरण में दिखाई पड़ी है। राजग सरकार के सत्ता में आने के बाद से यह घटनाक्रम तेज हुआ है।

अनुपम खेर, परेश रावल, मधुर भंडारकर तथा अनेक अन्य लोगों ने राष्ट्रवाद व धर्म पर हो रही बहस में अपने स्वर शामिल किए हैं। लेकिन

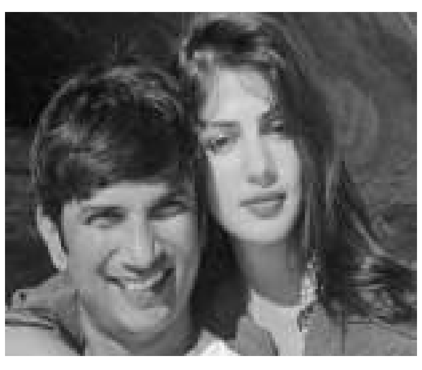

बालीवुड व राजनेताओं के बीच गठजोड़ नई परिघटना नहीं है। महान राजनेता समझते हैं कि जनता को संदेश देने के लिए केवल राजनीति ही काफी नहीं है। इसलिए ऐतिहासिक रूप से दोनों वैचारिक समूहों के लोगों ने एक दूसरे का इस क्षेत्र में भी मुकाबला किया। फिल्म निर्माताओं ने राजनेताओं की उनके अभियानों में सहायता की और इसी प्रकार राजनेताओं ने विफल कलाकारों को 'सांस्कृतिक राजनय' के नाम पर प्रशासक बनाया। यह लगभग एक नियम बन गया। लेकिन कंगना प्रकरण से स्पष्ट हुआ है कि वर्तमान समय में एक समानान्तर मनोरंजन उद्योग खड़ा करने का प्रयास हो रहा है जो दक्षिणपंथी राजनीतिक पार्टियों व सरकार के समर्थक का काम कर सकता है। यह समूह उन तत्वों की सहायता करेगा जिनको 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के हाशिए' पर पड़ा माना जाता है। इसकी कार्यविधि सरल है और यह सत्ता संरचनाओं को बदल कर उद्योग को राज्य के नियंत्रण में लाना चाहता है। ऐसे समर्थक अभिनेताओं की सेवा प्राप्त करने के लिए सरकारें उनको सुरक्षा तथा नागरिकता प्रदान कर सकती हैं।

लेकिन इस पूरी बहस में इस तत्व को पूरी तरह से अनदेखा किया जा रहा है कि सिनेमा जगत के लोकतांत्रीकरण का अर्थ पहले विविधतापूर्ण विचारों को प्रोत्साहन व निर्माण होता था जिनको उद्योग में स्थान नहीं मिलता था। इसका अर्थ यह भी था कि 'बाहरियों' के लिए 'प्रवेश की बाधायें कम की जाएं', भले ही उनका किसी खास वंश से कोई संबंध न हो। इसका अर्थ प्रयोग तथा कलात्मक अभिव्यक्ति व रचनात्मकता के नए विकल्प विकसित करना भी था। इसमें फिल्मों तथा अभिव्यक्ति के उन कामों को महत्व मिलता था जो प्रति-संस्कृति को बढ़ावा देते थे। विविधतापूर्ण सिनेमा व कलात्मक अभिव्यक्ति सिनेमा उद्योग के लोकतांत्रीकरण की मांग का मुख्य उद्देश्य थे।

लेकिन वर्तमान घटनाक्रम सभी पक्षों के लिए संकट की स्थिति पैदा कर रहा है जिसमें दर्शक भी शामिल हैं क्योंकि वे किसी कलात्मक अभिव्यक्ति के प्रमुख व बहुसंख्य पक्ष हैं। कुछ ऐसे राजनेता भी उभरे हैं जिनको अभिनेता पहले अश्पृश्य मानते थे। कुछ अभिनेता दक्षिणपंथी राष्ट्रवाद के प्रचार का काम करते हैं, पर रचनात्मकता या कला में उनका योगदान नहीं है। दूसरी ओर वर्तमान परिघटना के कारण कुछ कलाकारों की रचनात्मक स्वायत्तता नष्ट हो सकती है और उन पर सामाजिक जिम्मेदारी का बोझ बढ़ सकता है।

फिल्मों में बहुसंख्यकवाद को चुनौती देने वाली रचनायें राज्य-विरोधी विचार मानी जाती हैं और उनको अनुमति मिलने में बाधायें आती हैं। सेंसरशिप के वर्तमान मानक बदल रहे हैं और वे पहले से भी खराब हो गए हैं। इस कारण भेदभाव के आरोप लग रहे हैं। कंगना रनौत प्रकरण के बाद राजनीतिक विचारधारा के प्रचार हेतु कलाकारों को मार्केटिंग एजेंट में बदलने के प्रयास बंद होने चाहिए। राज्यसभा में 'उद्योग को गटर बनाने से बचाने' की पिछले सप्ताह जया बच्चन की टिप्पणी को सही संदर्भ में देखा जाना चाहिए तथा सिनेमा दर्शकों व फिल्म निर्माताओं को अपने भीतर झांकना चाहिए।

आप की बात

समाज की बेड़ियां तोड़ती बेटियां

म्हारी छोरी छोरो से कम है कै? दंगल की यह लाइने हर किसी की जुबां पर रहता है। और इसे सटीकता से आगे ले जा रही हैं आज की बेटियां। वे नारी जो अबला नहीं, सबला है, समृद्ध है तथा शसक्त है। ऐसी ही एक बेटी का हालिया उदाहरण है अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल की पहली महिला पायलट शिवांगी! उन्होंने यह साबित कर दिया की वाकई महिलाएं कुछ भी कर सकती है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जिसमे वे पुरुषों का मुकाबला नहीं कर सकती। एक समाज ऐसा भी था जहां बेटियों को कोई अधिकार नहीं प्राप्त थे। मनुस्मृति में तो नारी की तुलना दासी से की गयी थी। आज महिलाओं को बहुत से अधिकार मिल रहे है ताकि वे पंख फैलाकर उड़ सके। परंतु अब भी बहुत सारे बदलाव की आवश्यकता है। महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध आज भी थमने का नाम नहीं ले रहे जिसमे सुधार की आवश्यकता है। आवश्यक है की समाज अपने सोच को परिवर्तित करे। इसकी शुरुआत प्रत्येक घर से होना चाहिए जहां भेदभाव के बिना बेटे तथा बेटियों को सामान दर्जा मिले, बराबरी का! और आज की नारी तो वैसे भी अबला नहीं, सबला है। उन्हें बस अवसर मिलने की देर है, वह आसमां छूने की ताकत रखती है।

– **आस्था मुकुल**, रांची

डब्लूएचओ की चेतावनी

दुनियाभर में कोरोना वायरस के मामले और कोरोना से मौतो का आंकड़ा रोजाना लगातार बढ़ता जा रहा है, तमात कोशिशों के बावजूद भी कोरोना पर लगाम लगाने में पूरी तरह से कामयाबी हमारे देश को हासिल नहीं हो पाई है। हालांकि इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ ने हालही में एक बड़ी चेतावनी दी है कि यदि वायरस को रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर कड़े कदम नहीं उठाए गए तो कोविड़-19 से होने वाली मौतों की संख्या बीस लाख तक जाने की आशंका है। वैसे अभी विश्व में कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या दस लाख पहुंचने के करीब है। डब्लूएचओ की ओर से यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब दुनिया में कोरोना से मौत का आंकड़ा दस लाख के स्तर पर पहुंचने वाला है। डब्लूएचओ ने कहा है कि, यदि महामारी से निपटने के लिए विभिन्न देश और लोग एक साथ नहीं आए तो, दस लाख और मौतों की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। ड़ब्लूएचओ के आपातकालीन कार्यक्रम के निदेशक माइकल रेयान ने एक वर्चुअल सम्मेलन में कहा कि दस लाख का आंकड़ा डराने वाला है और अगले दस लाख पर विचार शुरू करने से पहले हमें इस पर विचार करने की जरूरत है।

– **निधि जैन,** लोनी, गाज़ियाबाद

कृषि विधेयकों पर हंगामा

संसद में हाल ही में पारित कृषि बिल पर हंगामा हो रहा है । ये बिल निश्चित ही प्रकृति से उग्रवादी है । इनका उद्देश्य उस मौजूदा व्यवस्था में सुधार लाना है , जिसके तहत किसान को उसकी उपज मंडी में सरकार द्वारा तय न्यून्तम समर्थन मूल्य पर बेचनी पड़ती है। विपक्षी दल का मानना है कि सरकार किसान को जिंदा तो रखना चाहती है पर वो यह नही चाहती कि किसान फले-फूले , क्योंकि कई स्तर पर देखा गया है कि हम उन चीज़ों का निर्यात नही करते है जिससे किसानों को लाभ व आगे बढ़ने का मौका मिले । किसान आज राजनीति में शतरंज के खिलाड़ियों के बीच सिर्फ एक प्यादा बन गया है , यह बिल किसानों के लिए डेथ वॉरेंट जैसा है किसान बदहाल हो जाएगा। भारतीय किसान के विकास के लिए कृषि बिल एक जरुरी कदम है। हमारे किसानों को भी वैश्वीकरण के लाभ मिलना चाहिए। बस चर्चा इस बात की है कि इस किसान बिल का न्यूनतम समर्थन मूल्य से कोई लेन देन नही होना चाहिए , एमएसपी दिया जा रहा है और भविष्य में भी दिया जाना चाहिए।

– **खुशबू वेद,** आलोट, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

यद्यपि अर्थव्यवस्था अपेक्षा से बेहतर रही है, मैं सोचता हूं कि उसमें गिरावट का जोखिम है यदि आगे राजकोषीय सहयोग नहीं मिलता है।

– **जेरोम पावेल**
फेडरल रिजर्व अध्यक्ष

जो बुरे इरादे पाकिस्तानी डीप स्टेट के प्रेरक हैं वह उन उद्देश्यों व सिद्धांतों के पूर्णत: विपरीत है जिन्हें बढ़ावा देने के लिए हम मानवाधिकार के इस मंदिर में एकत्र हुए हैं।

– **विमर्श आर्यन**
सचिव विदेश मंत्रालय

रूस उन आक्रामक मांगों से प्रभावित होकर उने आधार पर नीतियां कदापि नहीं बनाएगा जिनमें कोई वैधानिक बल नहीं है।

– **सर्गेई लावरोव**
रूसी विदेश मंत्री

टीम नड्डा का हिस्सा नहीं बन पाया हरियाणा का कोई नेता

प्रदेश के किसी नेता को नहीं मिली राष्ट्रीय कार्यकारणी में जगह

आस लगाए बैठे कई नेताओं की उम्मीदों पर फिर गया पानी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी की शनिवार को घोषित हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी से हरियाणाा के कई उन नेताओं को झटका लगा है, जो राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की टीम का हिस्सा बनने की आस लगाए बैठे थे।

इस बार हरियाणा के किसी भी नेता को टीम नड्डा में शामिल नहीं किया गया है। हरियाणा से आमतौर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नेताओं को हिस्सेदारी मिलती रही है। कयास लगाए जा रहे थे कि इस बार भी हरियाणा के एक-दो नेताओं को बड़ी जिम्मेवारी मिल सकती है। मगर किसी भी नेता को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल करने की आस लगाए बैठे कई नेताओं की उम्मीदों पर पानी फिर गया है।

पिछले दिनों ही हरियाणा में बीजेपी अध्यक्ष पद पर पूर्व कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ की नियुक्ति के बाद से विधानसभा चुनाव में हारे हुए दिग्गज मंत्रियों की नजर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की टीम पर थी। खासतौर पर उन नेताओं का तो नड्डा की टीम में शामिल होना तय माना जा रहा था जो प्रदेशाध्यक्ष पद की दौड़ में शुरू से आखिर तक रहे। इनमें मुख्य तौर पर हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु व पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा का नाम टीम नड्डा में तय माना ता रहा था। इसके अलावा पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य सुधा यादव, पूर्व मंत्री कविता जैन, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर के अलावा कई पूर्व मंत्री व नेता राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शमिल होने की उम्मीद लगाए बैठे थे और कई नेता तो बाकायदा लॉबिंग में जुटे थे।

बीजेपी की घोषित हुई इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी में पहला ऐसा मौका है जब हरियाणा के किसी नेता को शामिल नही किया गया। इससे पहले कैप्टन अभिमन्यु अमित शाह की टीम में पंजाब प्रांत के सहप्रभारी के रूप में काम देख रहे थे और वे बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्त ाभी रहे है। सुधा यादव भी पूर्व में अमित शाह की टीम में राष्ट्रीय सचिव के अहम पद पर रही और अब वह पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य है। पूर्व कैबिनेट मंत्री बीरेन्द्र सिंह भी अमित शाह की टीम का हिस्सा रहे। इसके अलावा हरियाणा के कई नेता राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अहम पदो पर रहे है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में हरियाणा के किसी भी नेता को जगह ना मिलने का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है कि फिलहाल हरियाणा में कोई चुनाव नही है। दूसरा सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है कि हालही में बनाए गए हरियाणा में बीजेपी अध्यक्ष पूर्व कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ व मनोहरलाल के कामकाज में कोई दिक्कत पेश ना हो। अगर किसी बड़े नेता को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अहम जिम्मेवारी दे दी तो प्रदेश में गुटबाजी को बढ़ावा मिलने की संभावानए बनी रहेगी।

कौन होगा बीजेपी का अगला प्रभारी

पिछले करीब छह साल से हरियाणा के प्रभारी रहे डॉ. अनिल जैन को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह नही मिली, जिससे यह तय हो गया है कि अब नए प्रभारी को हरियाणा की कमान सौंपी जाएगी। डॉ. अनिल जैन दिल्ली दरबार में काफी प्रभावी रहे हैं और केंद्रीय नेतृत्व की इच्छानुसार अनेक प्रदेशों में चुनाव व संगठन का काम देखते रहे हैं। उन्ही के नेतृत्व में हरियाणा में लोकसभा की सभी दसों सीटें जीती थी। अब उन्हे राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह नही मिली। ऐसे में तय हो गया है कि किसी नए प्रभारी को हरियाणा की कमान सौंपी जाएगी।

हरियाणा की सारी कपास खरीदेगा केंद्र : मनोहर लाल

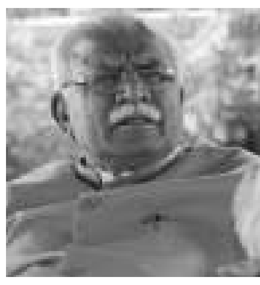

केंद्रीय मंत्री के साथ हुई बैठक में खरीद केंद्र बढ़ाने का फैसला

चंडीगढ़। केंद्र सरकार ने हरियाणा में इस बार शतप्रतिशत कपास खरीदने का आश्वासन दिया है। यही नहीं केंद्र सरकार हरियाणा में कपास के खरीद केंद्र बढ़ाने को लेकर भी राजी हो गया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय वस्त्र मंत्री स्मृति इरानी जुबिन के साथ मुलाकात की।

बैठक में कपास खरीद प्रकिया के संदर्भ केंद्रीय वस्त्र मंत्री से विचार-विमर्श हुआ। बैठक के उपरांत हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि भारतीय कपास निगम द्वारा एक अक्तूबर से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कपास की खरीद की जाएगी। हरियाणा में पिछले वर्ष कपास खरीद केंद्रों की संख्या 20 थी, जो इस बार बढाकर 40 की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कपास खरीद प्रकिया के दौरान कपास के संदर्भ में पहले से निर्धारित 12 प्रतिशत तक नमी के मापदंड का भारतीय कपास निगम द्वारा अनुसरण किया जाएगा और इसमें कोई परिवर्तन किए जाने की सहमति नहीं दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा पिछले वर्ष प्रदेश में कुल कपास उत्पादन की 30 प्रतिशत ही खरीद हो सकी थी। इस बार भारतीय कपास निगम द्वारा किसानों की कपास की शत प्रतिशत खरीद की जाएगी। आढतियों के माध्यम से 1.25 प्रतिशत कमीशन प्रणाली पर खरीद किए जाने के सुझाव पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस संदर्भ में केंद्र की ओर से कोई आश्वासन नहीं दिया गया है। गत वर्ष भी कपास की खरीद आढतियों के माध्यम नहीं की गई थी। धान खरीद प्रबंधों के संदर्भ में हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा कि धान मंडियों में आना प्रारंभ हो गया है। खरीद से संबंधित सभी प्रबंध सुनिश्चित किए हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

फसल का पूरा मूल्य और सरकारी खरीद शुरू : पाड़ला

कैथल। जन-नायक जनता पार्टी स्वर्गीय ताऊ देवी लाल की नीतियों पर चलने वाली पार्टी है। जिस प्रकार जननायक ताऊ देवी लाल ने गरीब, किसान, मजदूर व कमेरे वर्ग के उत्थान के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया उसी प्रकार आज हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला भी सरकार में किसानों व मजदूरों के हितों की लगातार पैरवी कर रहे है। किसानों व कमेरे वर्ग को उनके अधिकार दिलवाने के लिए दुष्यंत चौटाला प्रतिबद्ध है। ये बातें जजपा सह-प्रवक्ता हरदीप एडवोकेट ने जिला पार्टी कार्यालय में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। हरदीप ने कहा की जब से जजपा की सत्ता में भागीदारी हुई है तब से उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला निरन्तर किसान हितैषी फैसले ले रहे है। करोना जैसी बीमारी के चलते गेहूं खरीद में किसी भी तरह की दिक्क्त न आने देना व तय सीमा के अंदर सारी खरीद का भुगतान करना अपने आप में एक मिसाल है। हरदीप ने कहा की हम विश्वास से कह सकते है की जब तक जजपा की सत्ता में भागीदारी है किसान, मजदूर और कमेरे वर्ग के अधिकारों पर किसी तरह की आंच नहीं आएगी। इस मौके पर उनके साथ हल्का युवा प्रधान वीरेंद्र ढांडा, महिला जिला उपप्रधान चांदनी, शिव चेची, मोहित नैन व उसके साथ बहुत से कार्यकर्ता मौजूद थे।

सरकार ने अब मजदूर वर्ग के अधिकारों पर चलाई तलवार: कप्तान

रेवाड़ी। 300 श्रमिकों वाली कंपनी को उन्हें किसी भी समय हटाने संबंधी विधेयक पास करने पर कांग्रेस ने जनता पर इसे भाजपा का एक और प्रहार करार दिया है। कांग्रेस ने इसके विरोध में कल 28 सितंबर को चंडीगढ़ में महामहीम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने का ऐलान किया है। पूर्व विधायक एवं कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे वरिष्ठ नेता कप्तान अजय सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार एक के बाद एक जन विरोधी कानून पास करने में लगी हुई है। पहले किसानों के हितों के खिलाफ तीन काले बिल पास किए और अब मजदूरों पर वार करते हुए नए कानून को मंजूरी दे दी है। संसद में पास हुए नए बिल के अनुसार अब 300 मजदूरों वाली कंपनी कभी भी अपने कर्मचारियों की छुट्टी कर सकती है। यादव ने बताया कि कृषि विधेयकों व श्रम विधेयकों के खिलाफ २८ सिंतबर सोमवार को कांग्रेस पार्टी चंडीगढ में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेगें। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के प्रभारी विवेक बंसल, प्रदेश अध्यक्षा कुमारी शैलजा, विधायक दल के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा सहित सभी पूर्व मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक उपस्थित रहेंगे। कैप्टन अजय सिंह ने कहा कि नए श्रम विधेयकों के जरिये 300 श्रमिकों से अधिक वाली कंपनी किसी भी समय बिना सरकार की अनुमति के उन्हें नौकरी से निकालने की अधिकारी होगी। इस कानून के तहत श्रर्मिकों पर बंदिश भी इस कानून के तहत रहेगी। वे हड़ताल करने के लिए कंपनी को ६० दिन पहले नोटिस देंगे।

समस्याओं का हल करना हमारा परिवार का उद्देश्य : चहल

कुरुक्षेत्र। सनातन धर्म की रक्षा के लिए हमारा परिवार कुरुक्षेत्र इकाई की बैठक हुई। इकाई के जिला प्रमुख रामेश्वर चहल अधिवक्ता ने हमारा परिवार के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि समस्याओं का हल हमारा परिवार का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधों के आधार पर एक एक व्यक्ति तक पहुंचते समय संबंध विकसित करते संगठन का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हमारा परिवार की शुरुआत झंडेवालान दिल्ली से 9 व्यक्तियों से 17 सितंबर 2017 को दिल्ली के निकट गांव नूना माजरा से हुई थी। आज तक लगभग 5500 पंजीकरण हो चुके हैं और 175 कार्यकर्ताओं की विशाल कार्यकर्ता टीम काम कर रही है। इसके अलावा 12 कार्यकर्ताओं की केंद्रीय टोली है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता दर्शन लाल पाहवा ने बताया कि दिल्ली के अतिरिक्त हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, बिहार, इंग्लैंड व अमेरिका, इणडोनेशिया मिलाकर 51 इकाइयों का गठन किया गया है। इस दौरान संरक्षक प्रो. पुष्पा रानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में अजय शर्मा, हरबंस लाल, सुरेंद्र शर्मा, शिव कुमार, प्रेम मदान, विजय पुजारा, राजन शर्मा, सुरेंद्र हम्मबिरिया मौजूद रहे।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी ने शुरू किए गुरबाणी कंठ मुकाबले

विजेताओं को मिलेंगे 5100 और 2100 रुपये के विशेष पुरस्कार : विर्क

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते दिल्ली कमेटी के मेंबर सर्वजीत सिंह विर्क और अन्य।

छोटे बच्चों व किशोरों को गुरबाणी से जोड़ने के लिए दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी ने एक विशेष प्रतियोगिता शुरू की है। इस प्रतियोगिता के तहत विजेताओ को 5100-5100 रुपये और 2100-2100 रुपये के विशेष पुरस्कार देकर नवाजा जाएगा।

यह घोषणा दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के मेंबर जत्थेदार सर्वजीत सिंह विर्क ने की। वे रविवार को रोहिणी सेक्टर-16 में श्रीसुखमणि साहिब पाठ के समापन पर संगत को संबोधित कर रहे थे। विर्क ने बताया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जत्थेदार मनजिंदर सिंह सिरसा की सोच है कि देश और कौम दी चढ़दी कला के लिए गुरसिखी जीवनयापन अति जरूरी है। बच्चों को गुरबाणी से जोड़ कर ही यह मुकाम हासिल किया जा सकता है। विर्क ने बताया कि बच्चों व किशोर वर्ग को गुरबाणी से जोड़ने व उसमें उत्साह भरने के लिए गुरबाणी कंठ मुकाबला शुरू करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि करीब चार महीने पहले जून में यहां सुखमणि साहिब पाठ की श्रृंखला शुरु की गई थी। सन् 1984 के दंगा पीड़ित सिख परिवारों के बच्चों को यहां विशेष रूप से प्रोत्साहित करने के लिए यह मुकाबले शुरू किए जा रहे हैं। मुकाबले के तहत श्रीसुखमणि साहिब पाठ की पहली 6 पौड़ी जुबानी (कंठस्थ) सुनाने वाले सभी बच्चों व किशोरों को 2100-2100 रुपये, अगली 6-6 पौड़ी जुबानी (कंठ) सुनाने वाले सभी बच्चों व किशोरों को भी 2100-2100 रुपये और श्रीसुखमणि साहिब पाठ की सभी 24 पौड़ी जुबानी सुनाने वाले सभी बच्चों व किशोरों को 5100-5100 रुपये प्रोत्साहन स्वरूप ईनाम दिया जाएगा। विर्क ने स्पष्ट किया कि यह सारी ईनाम राशि वे निजी कोष से देंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली कमेटी के प्रधान मनजिंदर सिंह सिरसा के नेतृत्व में कमेटी द्वारा जरूरतमंद लोगों की हर संभव सहायता की जा रही है। इसी कड़ी में आज बच्चों व किशोरों को दस्तारे वितरण की गई है। समापन पर विर्क ने सारी संगत से आह्वान किया कि कोरोना महामारी के चलते सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों की पालना करें। मास्क का प्रयोग करते हुए सामाजिक दूरी बना कर रखें। इस अवसर पर अवतार सिंह, बलकार सिंह, दलेर सिंह, गुरमीत सिंह, बलविंदर सिंह, मक्खन सिंह, सलविंदर सिंह, दिलबाग सिंह, गुरदेव सिंह व जसबीर सिंह मौजूद रहे।

कैथल में सरकार के खिलाफ गरजा सर्व कर्मचारी संघ

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी यूनियन सम्बद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के बैनर तले रविवार को सेवा विस्तार व सेवा सुरक्षा की मांग को लेकर उपायुक्त कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन से पहले सभी ठेका कर्मचारी जिला सचिवालय में एकत्रित हुए। इसकी अध्यक्षता जिला प्रधान नरेश शर्मा ने व संचालन जिला सचिव मंगत राम ने किया। सभा को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव रामपाल शर्मा, सहसचिव ओमपाल भाल व प्रेस प्रवक्ता सतबीर गोयत ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों के तहत सफाई कर्मचारी, वार्ड सर्वेंट, माली, धोबी, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, कंप्यूटर ऑपरेटर, फायरमैन, लिफ्ट अटेंडेंट आदि की सेवाएं दे रहे 11000 ठेका कर्मचारियों पर नौकरी जाने का खतरा मंडरा रहा है।

कोरोना संक्रमण काल में जनता की सेवा करने वाले इन फ्रंट लाइन कोरोना योद्धाओं के साथ हरियाणा सरकार ठेकाप्रथा के तहत उत्पीड़न कर रही है। उल्लेखनीय है कि बीमारी के संक्रमण से लड़ते हुए कई ठेका कर्मचारी स्वयं भी संक्रमित हो गए परंतु इसके बावजूद भी सभी ठेका कर्मचारियों की इसी 30 सितंबर को सेवाएं खत्म होने जा रही है। ठेका कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ की जिला ऑडिटर सावित्री देवी व ब्लॉक सचिव शिवदत्त शर्मा ने कहा कि एक और जहां नौकरी जाने का खतरा बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर नौकरी के दौरान भी ठेका कर्मचारियों के साथ भारी भेदभाव हो रहा है। उन्हें दो-दो, तीन-तीन महीने तक तनख्वाह तक नहीं मिलती, अधिकारियों द्वारा मनमर्जी से उनकी सेवाएं समाप्त करने की धमकियां दी जाती हैं। आलम यह है कि ना तो उन्हें अवकाश दिए जाते हैं। डीसी रेट के लिए भी बार-बार मांग पत्र देने प? रहे हैं। ठेका कर्मचारियों को अभी तक ईएसआई कार्ड तक जारी नहीं हुए हैं। इस अवसर पर बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन के जिला सचिव सुरेंद्र कुंडू, जिला उपप्रधान देवी रानी, सीटू के जिला कैशियर जयप्रकाश शास्त्री,हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला प्रधान विजेंद्र मोर, कैशियर तरशेम सिंह, रामफल दयोरा,कर्मजीत, यादवेंद्र व सैंक्ड़ो स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी मौजूद रहे।

शहीद भगत सिंह के जन्मदिन पर चलाई 90 किमी साइकिल

सोनीपत। मां भारती रक्तवाहिनी की शाखा मां भारती साइकिल क्लब सोनीपत ने शहीद भगत सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सोनीपत से बहादुरगढ़ के बीच साइकिल यात्रा निकाली। जिसकी दूरी 90 किलोमीटर रही। यात्रा में 12 सदस्यों ने भाग लिया। यात्रा बहादुरगढ़ पहुंची तो यात्रा का कई संस्थाओं ने जोरदार स्वागत किया। जिसमें भारती अटल सेना व रुद्राक्ष जन कल्याण सेवा समिति मुख्य तौर पर सामिल रही। सभी संस्थाओं ने साइकिल यात्रा को सम्मानपूर्वक विदा किया। यात्रा का उद्देश्य समाज में साइकिल चलाने के प्रति जागरूक करना था। जिसमें संदेश दिया कि सभी को अपने रोजमर्रा के कम दूरी तक के कार्य साइकिल से ही करे। जिसे पर्यावरण भी स्वच्छ रहेगा और हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहेगा।

अपने 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को स्कूटी व मोटरसाइकिल कतई नहीं दे, क्योकि वे उन्हें सुविधा नहीं दे रहे है, वे उन्हें स्कूटी देकर सडक् दर्घटनाओं को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे। इसलिए बच्चों को साइकिल ही दें। साइकिल क्लब के सदस्य प्रेम गौतम ने सरकार से निवेदन किया है कि सरकार सप्ताह में एक दिन साइकिल चलाने के लिए लोगों से अपील करें व इसे समाज में लागू करवाएं, ताकि सभी व्यक्ति साइकिल चलाने व पर्यावरण के प्रति अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

हरियाणा के छोरे ने एमडी की प्रवेश परीक्षा की टॉप

रेवाड़ी। शहर निवासी डॉ. सुमित यादव ने ऑल इंडिया नीट सुपर स्पेशयलिटी (डॉक्टरेट ऑफ मेडिसन) प्रवेश परीक्षा-२०२० में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान पाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शहर के डॉक्टरों व सामाजिक संगठनों ने डॉ. सुमित को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

15 सितंबर को आए परीक्षा परिणाम डॉ. सुमित यादव की खुशी का ठिकाना नहीं था, कारण उन्हें अपनी मेहनत का फल मिला था। डॉ. सुमित यादव 400 अंकों वाली इस परीक्षा में 347 अंक लेकर अखिल भारतीय स्तर पर गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी में प्रथम स्थान हांसिल किया। साधारण परिवार में पले बढ़े डॉ. सुमित यादव ने रोहतक पीजीआईएमएस से एमबीबीएस तथा पटियाला स्थित गर्वन्मेंट मेडिकल कॉलेज से एमडी की।

हरियाणा दिवस : गूंजेगी पेंशन बहाली की आवाज : समिति

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

रविवार को पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा की जिला सोनीपत, पानीपत, जींद और रोहतक कार्यकारिणी की मीटिंग गोहाना विश्राम गृह में संम्पन्न हुई। जिसमें निर्णय लिए गए कि ब्लॉक, जिला कार्यकारिणी को मजबूत कर आगामी आंदोलन के लिए अधिक से अधिक कर्मचारियों को पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा से जोड़ा जाएगा। 2 अक्तूबर गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी के निर्णय अनुसार प्रदेश में पेंशन संकल्प दिवस मनाया जाएगा। चार अक्तूबर को फतेहाबाद में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद जिला कार्यकारिणी की मीटिंग करके संगठन को मजबूत किया जाएगा। 11 अक्तूबर को अम्बाला में पंचकूला, यमुनानगर, कुरूक्षेत्र और करनाल जिला कार्यकारिणी की मीटिंग की जाएगी। एक नवंबर को हरियाणा दिवस पर सोनीपत, पानीपत, रोहतक, जींद के कर्मचारियों द्वारा गोहाना (सोनीपत) में पेंशन बहाली अधिकार दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल ने कहा कि सरकार से बार-बार मांग करने पर भी पेंशन बहाली की मांग को पूरा नहीं कर रही।

रौनक संस्था ने आयोजित किया वर्चुअल इंटरेक्शन सीरीज समारोह

कैथल। रौनकें नामक एक संस्था ने अपने संस्थापक वसुंधरा अग्रवाल एवं सह संस्थापक रक्षित जैन के सौजन्य से वर्चुअल इंटरेक्शन सीरीज के नाम से अपना एक नया प्रयास शुरू किया और हाल ही में इसका पहला एपिसोड सफलतापूर्वक पूरा हुआ। जिसका आयोजन संगठन के मुख्य आयोजक उज्जवल और आदित्य खुराना ने किया । इस पहले सत्र का विषय अभिभावकों के लिए बेहद खास था।

अकाली दल को कुछ गलतफहमी है जो जल्दी दूर कर ली जाएंगी : विज

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़।

बोले-कांग्रेस किसानों के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहे थे वो बंदूक अब नहीं चलेगी

कृषि विधेयकों के विरोध में केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे चुकी हरसिमरत कौर बादल के बाद शनिवार को अकाली और भाजपा का सबसे पुराना गठबंधन टूट गया। अकाली दल ने समर्थन वापिस ले लिया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि उन्हें कुछ गलतफहमी है जो जल्दी दूर कर ली जाएंगी। विज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इसके बारे में स्पष्ट कर दिया है कि किसानों को एमएसपी और मंडी की जो चिंता है, इस बारे में कह दिया है कि दोनों ही रहेंगी। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है जिससे सभी की शंकाएं दूर होंगी। वहीं कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा गठबंधन टूटने पर बयान दिया है। इस पर विज ने कहा कि सुरजेवाला को हर चीज टूटने में जीत नजर आती है, लेकिन हमको जोडने् में जीत नजर आती है। किसानों के समर्थन में कांग्रेस चंडीगढ़ में राज्यपाल को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देने जा रही है जिसको लेकर गृहमंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस करे प्रदर्शन, कांग्रेस ने सारी जिंदगी पकी-पकाई खाई है अब उन्हें मौका मिला है तो वे विपक्ष की भूमिका अच्छी तरह से निभाए।

विज ने कहा कि कांग्रेस जिन किसानों के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहे थे वो बंदूक अब नहीं चलेगी क्योंकि किसानों को ये बात समझ आ गई है कि इस बिल में एक भी शब्द किसानों के खिलाफ नहीं है। कांग्रेस ने एमएसपी के लिए भड़काया था। सरकार ने एमएसपी भी बढ़ा दिया है, कल मंडियों में खरीद भी शुरू हो गई है अब तो कांग्रेस अपनी इज्जत बचाने के लिए इस तरह से प्रदर्शन कर रहे है।

सत्ता के रथ पर सवार होंगे हरियाणा भाजपा के कई नेता

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

सीएम ने नड्डा, शाह व संतोष से मुलाकात कर लगाई नियुक्तियों पर मोहर

हरियाणा में एक बार फिर से मंत्रिमंडल विस्तार तथा बोर्ड व निगमों के चेयरमैनों की नियुक्तियों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पहले चरण में भाजपा अध्यक्ष ओपी धनखड़ और संगठन मंत्री सुरेश भट्ट के साथ बैठक की। दूसरे चरण में उन्होंने शनिवार की रात भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ दिल्ली में मंत्रणा की।

मुख्यमंत्री ने रविवार को अपनी सभी व्यवस्तताओं को रद्द कर दिया और पहले वह पार्टी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष से मिले और उसके बाद वह गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करने के लिए पहुंचे। संगठन और पार्टी के बड़े नेताओं से मुलाकात के पीछे की वजह मंत्रिमंडल विस्तार है। हरियाणा में बरोदा उपचुनाव, भाजपा संगठन में नियुक्तियां और मंत्रीमंडल विस्तार को लेकर चर्चा हुई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ मुलाकात के बाद कहा कि शनिवार को राष्ट्रीय टीम का गठन किया गया है। जिसके लिए उन्हें बधाई दी गई है। संगठन को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं हुई हैं।

सीएम ने स्वीकार किया कि प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियां अभी लंबित हैं। इस विषय पर भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ चर्चा की गई है। मंत्रिमंडल विस्तार पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि संख्या के आधार पर हरियाणा कैबिनेट में दो सीटें खाली हैं। जिन्हें केंद्र के साथ चर्चा के बाद फाइनल किया जाएगा।

मेडिकल वीसा देने से होगा अर्थव्यवस्था में सुधार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पर्यटन मंत्रालय के अनुसार मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में 2015 में तीसरे स्थान पर था भारत

पर्यटन मंत्रालय के अनुसार भारत मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में 2015 में तीसरे स्थान पर था। भारत इस सेक्टर में अपने आपको एक प्रसिद्ध उद्योग में स्थापित कर चुका है। आंकड़ों के अनुसार व्यापार तीन बिलियन डॉलर का था। लगभग 2.34 लाख रोगी इलाज के लिए भारत आये थे । 2017 तक, मरीजों की संख्या बढ कर 4.95 लाख हो गई थी और भारत के चिकित्सा पर्यटन उद्योग को 2020 तक 200 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान लगाया गया था। जो 9 बिलियन डॉलर (लगभग 68,000 करोड़ रुपये) था।

एक अनुमान के अनुसार हमें 2020 में 9 बिलियन डॉलर मेडिकल टूरिज्म इंडस्ट्री को रेवेन्यू जेनरेट करना था। कोविद -19 महामारी के कारण, उद्योग को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन उम्मीद है कि सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बाद, इस उद्योग में भारी सुधार होगा। बहुत विचार करने के बाद, हम एमवीटी कंपनियों ने दिशानिर्देशों की एक सूची बनाई है और अधिकारियों को अनुमोदन के लिए भेजा जाता है। यदि दिशा-निर्देशों का पालन किया जाता है तो चिकित्सा पर्यटन उद्योग फिर से जीवित हो जाएगा।

श्री दानिश अहमद एमईटीआरएृ के प्रवक्ता कहते हैं ।कोरोना महामारी के प्रकोप के साथ, चिकित्सा पर्यटन उद्योग एक दु:स्वप्न का सामना कर रहा है। हजारों एमवीटी संगठन यह देखने का प्रयास कर रहे हैं कि चिकित्सा पर्यटन उद्योग को फिर से कैसे शुरू किया जाए। व्यापार ने मानक कार्य पद्धति (एसओपी) का गहन रूप से विस्तार किया है, जो उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, और समर्थन के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया है। सूत्रों द्वारा संकेत 87 कोरोना वैश्विक महामारी की वजह से भारत में आने वाले मरीजों की संख्या ना के बराबर है।

जिसकी वजह से इस उद्योग से जुड़े कर्मी चाहे वो मेडिकल टूरिज्म इंडस्ट्री की कंपनी हो या लैंग्वेज इंटरप्रेटर हो, टैक्सी ड्राइवर, होटेल और गेस्ट हाउस ओनर हो और भी अन्य कर्मचारी जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस उद्योग से जुड़े हैं। अब गहन परेशानी का सामना कर रहे हैं।

ट्रंप ने एमी कोनेय बारेट को उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश नामित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश रूथ बाडेर गिन्सबर्ग के निधन से रिक्त हुए पद के लिए न्यायाधीश एमी कोनेय बारेट को नामित किया है। बारेट वर्तमान में 7वें सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स में न्यायाधीश हैं। इस पद के लिए भी ट्रंप ने 2017 में उन्हें नामित किया था।

ट्रंप ने शनिवार को व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में घोषणा की, आज मुझे यह सम्मान मिला है कि मैं अपने देश के सर्वाधिक ज़हीन और कानून पर बारीक पकड़ रखने वाले शख्स को उच्चतम न्यायालय के लिए नामित करूं। वह विलक्षण उपलब्धियां हासिल कर चुकीं, बेहद ज्ञानवान और संविधान के प्रति निष्ठा रखने वाली न्यायाधीश एमी कोनेय बारेट हैं। राष्ट्रपति की अनुशंसा के बाद बारेट के नाम को सीनेट की मंजूरी मिलनी जरूरी है। वह इंडियाना राज्य में पति और अपने सात बच्चों के साथ रहती हैं।

राष्ट्रपति चुनाव में 40 से भी कम दिन बचे हैं ऐसे में न्यायाधीश को नामित करने के अपने कदम का बचाव करते हुए ट्रंप ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के संविधान के तहत यह उनका सर्वोच्च और सबसे अहम कर्तव्य है। ट्रंप ने कहा, वह इस पद के लिए बेहद योग्य हैं और मैं यह आपको बता सकता हूं .....। मैंने देखा और मैंने अध्ययन किया और आप इस नौकरी के लिए बहुत ही योग्य हैं, आप शानदार साबित होंगी।

उतार-चढ़ाव से भरी विकास यात्रा करेगी विश्व कल्याण

आत्मनिर्भर भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में कई गुणा वृद्धि करने वाली ताकत बनेगाः मोदी

संयुक्त राष्ट्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी के बाद बनी परिस्थितियों से उबरने के लिए भारत महत्वाकांक्षी आत्मनिर्भर भारत अभियान को आगे बढ़ा रहा है, जो आने वाले दिनों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में कई गुणा वृद्धि करने वाली ताकत के रूप में उभरेगा।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के ऐतिहासिक 75वें सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत के अनुभव और उसकी उतार-चढ़ाव से भरी विकास यात्रा विश्व कल्याण के मार्ग को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, महामारी के बाद बनी परिस्थितियों के बाद हम अब आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत अभियान वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए कई गुणा वृद्धि करने वाली ताकत बनेगा। ज्ञात हो कि कोविड-19 महामारी से भारतीय अर्थव्यवस्था पर हुए प्रभाव से उबरने के लिए मोदी सरकार ने 20 लाख करोड़ रुपए के आत्मनिर्भर भारत अभियान की घोषणा की है। इसके तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर है। मोदी ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में भारत ने रिफार्म-परफोर्म-ट्रांसफार्म के मंत्र के साथ करोड़ों लोगों के जीवन में बड़े बदलाव लाने का काम किया है।

उन्होंने कहा, ये अनुभव विश्व के बहुत से देशों के लिए उतने ही उपयोगी हैं, जितने हमारे लिए। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर भारत में किए गए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया और बताया कि

कैसे 130 करोड़ के इस देश में करोड़ों लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा गया, खुले में शौच से मुक्त कराया गया, मुफ्त इलाज की सुविधा से जोड़ा गया।

उन्होंने कहा, आज भारत डिजिटल लेनदेन के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों में है। आज भारत अपने करोड़ों नागरिकों को डिजिटल पहुंच की सुविधा देकर सशक्तीकरण और पारदर्शिता सुनिश्चित कर रहा है। आज भारत अपने गांवों के 1.5 करोड़ घरों में पाइप से पीने का पानी पहुंचाने का अभियान चला रहा है। कुछ दिन पहले ही भारत ने अपने छह लाख गांवों को ब्रॉडबैंड ऑप्टिकल फाइबर से कनेक्ट करने की बहुत बड़ी योजना की शुरुआत की है।

मोदी ने कहा कि भारत में आज ये सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी योजनाओं का लाभ, बिना किसी भेदभाव, प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भारत में बड़े स्तर पर प्रयास चल रहे हैं। आज दुनिया की सबसे बड़ी सूक्ष्म वित्तीय योजना का सबसे ज्यादा लाभ भारत की महिलाएं ही उठा रही हैं। उन्होंने कहा, भारत दुनिया के उन देशों में से एक है जहां महिलाओं को 26 सप्ताह की मातृत्व सुविधा दी जा रही है। मोदी ने कहा कि भारत विश्व से सीखते हुए, विश्व को अपने अनुभव बांटते हुए आगे बढ़ना चाहता है।

राजपक्षे ने सहयोग, मित्रता का हाथ बढ़ने के लिए मोदी की तारीफ की

डिजिटल शिखर वार्ता के दौरान मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी

कोलंबो। श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने शनिवार को कोविड-19 महामारी से निपटने समेत कई क्षेत्रों में अपने देश की मदद एवं सहयोग के लिए अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी की तारीफ की। दोनों देशों के बीच बेहद सफल डिजिटल शिखर वार्ता के दौरान मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी।

राजपक्षे के कार्यालय द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के साथ शिखर वार्ता के दौरान की गई टिप्पणियों की ऑडियो रिकॉर्डिंग जारी की गई। राजपक्षे ने कहा, इस शिखर वार्ता में शामिल होने का निमंत्रण देने के लिए मैं आपका शुक्रगुजार हूं। मेरे प्रधानमंत्री बनने के बाद यह मेरी आपके साथ पहली बैठक है। राजपक्षे ने कहा, भले ही हम आमने-सामने

बैठकर बात नहीं कर रहे हों लेकिन हमारी ऐतिहासिक दोस्ती में बढ़ोतरी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि दक्षेस के नेता के तौर पर भारत ने क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में नेतृत्व किया है। उन्होंने एक ट्वीट कर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मैंने आज बेहद सफल डिजिटल शिखर वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। हम दोनों ने दिपक्षीय संवाद को, हमारे दोनों देशों के सदियों पुराने मजबूत रिश्तों को और मजबूती देने के लिए जारी रखने पर सहमति जताई।

श्रीलंकाई प्रधानमंत्री के ट्वीट की प्रतिक्रिया में मोदी ने कहा कि वह अपने मित्र से बात करके प्रसन्न हैं। उन्होंने ट्वीट किया, हमने भारत-श्रीलंका के जीवंत द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की जिनमें विकास साझेदारी, आर्थिक साझेदारी, पर्यटन, शिक्षा, संस्कृति, आपसी हित के क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दे शामिल थे। मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका उन्नत व्यापार और निवेश के माध्यम से आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने तथा बुनियादी संरचना एवं संपर्क की परियोजनाओं को जल्द मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, हम आतंकवाद और मादक पदार्थ तस्करी की दोहरी समस्या से मुकाबले के लिए रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग करते रहेंगे और उसे मजबूती प्रदान करेंगे।

श्रीलंकाई प्रधानमंत्री ने अपने भारतीय समकक्ष को बताया कि उन्हें लगातार दो चुनावों में व्यापक जनादेश मिला है। उन्होंने कहा, हम व्यापक जनादेश के मिलने से खुश हैं और मैं आपको यह आश्वस्त करना चाहूंगा कि हम इस जनादेश का इस्तेमाल करेंगे और ऐसी स्थितियां बनाएंगे जहां सभी समुदाय साथ-साथ रह सकें।

क्षेत्रीय सुरक्षा पर राजपक्षे ने मोदी से कहा कि श्रीलंका सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से जुड़े मुद्दों पर भारत की समझ से वाकिफ है। उन्होंने कहा कि भारत ने कोविड-19 से निपटने में श्रीलंका की मदद की है और महामारी की रोकथाम के प्रयासों में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने उनके देश की तारीफ की है। राजपक्षे ने श्रीलंका के पूर्वी तटीय क्षेत्र के नजदीक तेल टैंकर में आग लगने की घटना से निपटने में भारत-श्रीलंका के संयुक्त प्रयासों को याद किया और कहा कि वह भारत की मदद के लिए आभारी हैं।

भारत का कच्चे इस्पात का उत्पादन अगस्त में रहा 84.78 लाख टन

नई दिल्ली। भारत का कच्चे इस्पात का उत्पादन अगस्त, 2020 में चार प्रतिशत घटकर 84.78 लाख टन रह गया। विश्व इस्पात संघ (वर्ल्डस्टील) ने यह जानकारी दी है। इससे पिछले साल के समान महीने में देश का कच्चे इस्पात का उत्पादन 88.69 लाख टन रहा था।

वर्ल्डस्टील की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक इस्पात उत्पादन में अब सकारात्मक रुख दिखने लगा है। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में वैश्विक स्तर पर 64 देशों का इस्पात उत्पादन 0.6 प्रतिशत बढ़कर 15.62 करोड़ टन पर पहुंच गया। ये 64 देश वर्ल्डस्टील को इस्पात उत्पादन की जानकारी उपलब्ध कराते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, कोविड-19 की वजह से पैदा हुई मुश्किलों के चलते इस माह के कई आंकड़े अनुमान पर आधारित हैं, जिन्हें अगले महीने उत्पादन के आंकड़े जारी करते समय संशोधित किया जा सकता है। अगस्त, 2019 में वैश्विक इस्पात उत्पादन 15.53 करोड़ टन रहा था। सालाना आधार पर अगस्त में चीन का कच्चे इस्पात का उत्पादन अगस्त में 8.4 प्रतिशत बढ़कर 9.48 करोड़ टन पर पहुंच गया, जो अगस्त, 2019 में 8.74 करोड़ टन था। वहीं अमेरिका का कच्चे इस्पात का उत्पादन 24.4 प्रतिशत घटकर 55.88 लाख टन रहा, जो पिछले साल के समान महीने में 73.96 लाख टन था। इसी तरह जापान का कच्चे इस्पात का उत्पादन 20.6 प्रतिशत घटकर 64.46 लाख टन रहा, जो एक साल पहले 81.20 लाख टन रहा था। दक्षिण कोरिया का इस्पात उत्पादन 1.8 प्रतिशत घटकर 59.05 लाख टन से 58 लाख टन रह गया। जर्मनी का कच्चे इस्पात का उत्पादन 13.4 प्रतिशत घटकर 28.30 लाख टन रहा। वहीं इटली का उत्पादन 9.7 प्रतिशत बढ़कर 9.39 लाख टन पर पहुंच गया। अगस्त, 2020 में फ्रांस का इस्पात उत्पादन 31.2 प्रतिशत घटकर 7.22 लाख टन और स्पेन का 32.5 प्रतिशत घटकर 6.96 लाख टन रहा। ब्राजील ने अगस्त में 27 लाख टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया, जो अगस्त, 2019 से 6.5 प्रतिशत अधिक है। तुर्की का कच्चे इस्पात का उत्पादन 22.9 प्रतिशत बढ़कर 32 लाख टन पर पहुंच गया।

अप्रैल-अगस्त में ज्यादातर लोगों ने एक करोड़ से अधिक का कवर लिया

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की वजह से बीमा को लेकर जागरूकता बढ़ी है। इसके चलते जीवन बीमा पॉलिसी लेने वाले ज्यादा से ज्यादा ग्राहक एक करोड़ रुपये या इससे अधिक का बीमा कवर ले रहे हैं। पॉलिसीबाजार.कॉम द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

बीमा मार्केटप्लेस ने कहा कि अप्रैल-अगस्त, 2020-21 के दौरान जीवन बीमा पॉलिसी लेने वाले ग्राहकों में से 50 प्रतिशत ने एक करोड़ रुपये या अधिक का बीमा कवर लिया है। महामारी के दौरान उपभोक्ता अपने परिवार का वित्तीय संरक्षण चाहते हैं। पॉलिसीबाजार.कॉम ने कहा, एक करोड़ रुपये या इससे अधिक का बीमा कवर लेने वालों के आंकड़ों की गणना से पता चलता है कि अप्रैल-अगस्त के दौरान 50 प्रतिशत ग्राहक ऐसे रहे जिन्होंने इतनी राशि का कवर लिया। इससे पता चलता है कि लोग ऊंचे कवर वाली पॉलिसियों में निवेश कर रहे हैं। ये पॉलिसियां काफी सस्ते दाम मसलन 1,000 रुपये मासिक तक में उपलब्ध हैं। पॉलिसीबाजार.कॉम का दावा है कि देश में बिकने वाली प्रत्एक चार जीवन बीमा पॉलिसियों में से एक उसके मंच से बेची जाती है। कोविड-19 की वजह से पैदा हुई अनिश्चितता तथा भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) द्वारा उठाए गए कदमों से अब अधिक से अधिक लोग बीमा पॉलिसी खरीद रहे हैं, जिससे ऐसे अनिश्चित समय में वे अपने परिवार को वित्तीय रूप से संरक्षण दे पाएं।

एफपीआई ने सितंबर में भारतीय बाजारों से 476 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में अब तक भारतीय बाजारों से 476 करोड़ रुपये की निकासी की है। यूरोप और अन्य देशों में कोरोना वायरस संक्रमण फिर उभरने के बीच यह उनके सतर्क रुख को दर्शाता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 25 सितंबर के दौरान शेयरों से शुद्ध रूप से 4,016 करोड़ रुपये निकाले। इस दौरान उन्होंने ऋण या बांड बाजार में 3,540 करोड़ रुपये डाले। इस तरह उनकी शुद्ध निकासी 476 करोड़ रुपये रही। एफपीआई लगातार तीन महीने (जून से अगस्त) तक शुद्ध लिवाल रहे थे। अगस्त में उन्होंने भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 46,532 करोड़ रुपये का निवेश किया था। जुलाई में उनका निवेश 3,301 करोड़ रुपये और जून में 24,053 करोड़ रुपये रहा था।

ब्राजील की तेल परियोजना के लिए बीपीसीएल ने किया भुगतान

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को साझेदार कंपनी वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बदले ब्राजील में पांच तेल खंडों के एक सौदे में भुगतान करना पड़ा है। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि बीपीसीएल ने इस सौदे के लिए असामान्य तरीका अपनाया था, इसी कारण उसे साझेदार के द्वारा भुगतान में चूक किए जाने की भरपाई करने के लिए बाध्य होना पड़ा।

बीपीसीएल ने सितंबर 2008 में ब्राजील की एक तेल खोज कंपनी का 28.3 करोड़ डॉलर में अधिग्रहण करने के लिए वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज के साथ संयुक्त उपक्रम का गठन किया था। इस संयुक्त उपक्रम में दोनों कंपनियों की 50-50 फीसदी हिस्सेदारी थी। दोनों कंपनियों ने कनाडा की गैस उत्पादक कंपनी एनकाना से एनकाना ब्रासील पेट्रोलियो लिमिटाडा का अधिग्रहण

करने के लिए संयुक्त उपक्रम आईबीवी ब्रासील पेट्रोलियो लिमिटाडा का गठन किया था। सूत्रों ने कहा कि आमतौर पर इस तरह के अधिग्रहण अनइनकॉरपोरेटेड संयुक्त उद्यमों के माध्यम से किए जाते हैं, लेकिन बीपीसीएल ने एक इनकॉरपोरेटेड संयुक्त उद्यम बनाने का विकल्प चुना। इनकॉरपोरेटेड संयुक्त उद्यम को अलग और विशिष्ट कानूनी इकाई के रूप में माना जाता है और भुगतान में किसी भी प्रकार की चूक के लिए इकाई को जिम्मेदार माना जाता है।

दिवालिया होने की वजह से वीडियोकॉन ने तेल क्षेत्रों की खोज और विकास में अपने हिस्से का भुगतान करने में असमर्थता जाहिर की, जिससे संयुक्त उपक्रम के समक्ष सौदे से बाहर होने का जोखिम उपस्थित हो गया। बीपीसीएल ने इससे बचने के लिए 2019-20 में आईबीवी में 539.8 लाख डॉलर का निवेश किया, जिसके परिणामस्वरूप संयुक्त उद्यम में उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 55.13 प्रतिशत हो गई।

सूत्रों ने कहा कि यदि यह सौदा अनइनकॉरपोरेटेड संयुक्त उद्यम के माध्यम से किया जाता तो बीपीसीएल को वीडियोकॉन के भुगतान में चूक करने से कोई समस्या नहीं होती और उसकी हिस्सेदारी अप्रभावित बनी रहती। इस बारे में संपर्क किए जाने पर बीपीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि संयुक्त उपक्रम में हिस्सेदारी का बढ़ाना अस्थाई है। बीडियोकान की सम्पत्ति नीलाम की जा रही है। उसको जो भी कंपनी खरीदेगी, वह अतिरिक्त हिस्सेदारी के बदले भुगतान करेगी।

चारों श्रम संहिताओं को दिसंबर तक लागू कराएगी सरकार : गंगवार

केंद्रीय श्रम मंत्री ने कहा, श्रम क्षेत्र के सुधारों का अंतिम चरण हो जाएगा पूरा

नई दिल्ली। सरकार चारों श्रम संहिताओं को दिसंबर में एक साथ लागू करने की तैयारी कर रही है। इससे श्रम क्षेत्र के सुधारों का अंतिम चरण पूरा हो जाएगा। केंद्रीय श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने यह जानकारी दी। संसद के हाल में समाप्त सत्र के दौरान तीन श्रम संहिता विधेयकों....औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा कार्य स्थिति संहिता को पारित किया गया। वेतन संहिता विधेयक संसद में पिछले साल पारित हुआ था।

श्रम मंत्रालय ने पिछले साल वेतन संहिता विधेयक पर नियमों का मसौदा जारी किया था, लेकिन इसे अंतिम रूप देने का काम और कार्यान्वयन रोक लिया था। मंत्रालय चाहता है कि चारों संहिताओं को एक साथ लागू किया जाएगा, क्योंकि ये आपस में जुड़ी हैं। श्रम मंत्री गंगवार ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, सरकार श्रम सुधारों को पूरा करने के लिए चारों श्रम संहिताओं को इस साल दिसंबर तक लागू करने के लिए पूरे प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वेतन संहिता विधेयक पिछले साल पारित हो चुका है। अब इन कानूनों के तहत नियमों को एक-साथ लागू किया जाएगा। संसद में कानून पारित होने के बाद इन्हें राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। नियमों को अधिसूचित किए जाने के बाद कोई कानून लागू होता है। किसी कानून के तहत शुरुआत में एक निश्चित समय के लिए नियमों का मसौदा अधिसूचित किया जाता और उसपर विचार लिए जाते हैं। उसके बाद नियमों को अंतिम रूप दिया

जाता है और कानून को लागू करने के लिए उसको क्रियान्वित किया जाता है। तीन संहिताओं.. औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा कार्य स्थिति संहिता पर नियमों का मसौदा नवंबर के पहले सप्ताह में जारी होने की उम्मीद है। श्रम मंत्रालय इन तीनों संहिताओं तथा वेतन संहिता नियमों को इस साल दिसंबर तक अंतिम रूप देने और लागू करने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद चारों संहिताएं कानून बन जाएंगी। इससे देश में श्रम क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने वाले श्रम सुधार पूरे हो जाएंगे। सरकार व्यापक श्रम सुधारों के जरिए भारत को विश्वबैंक की कारोबार सुगमता रैंकिंग में शीर्ष 10 देशों में लाना चाहती है।

कारोबार सुगमता रैंकिंग, 2020 में भारत 14 स्थानों की छलांग के साथ 63वें स्थान पर पहुंच गया है। उंची रैंकिंग से किसी देश में निवेश को प्रोत्साहन मिलता है तथा रोजगार सृजन होता है। कंसोर्टियम ऑफ इंडियन एसोसिएशन (सीआईए) के संयोजक के ई रघुनाथन ने कहा, कोविड-19 महामारी की वजह से नियोक्ता और कर्मचारी दोनों की परेशानी बढ़ी है।

सरकार के आंकड़े कहते हैं कि अप्रैल से अगस्त के दौरान 2.1 करोड़ लोगों का रोजगार छिन गया है, लेकिन उन नियोक्ताओं के आंकड़े नहीं आए हैं, जिनका उपक्रम समाप्त हो गया है। हमारे अनुमान के अनुसार 6.5 करोड़ में से करीब 30 प्रतिशत नियोक्ताओं का उपक्रम समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में इन नई श्रम संहिताओं से नए उपक्रम निवेशक अनुकूल होंगे। कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर हो सकेगी तथा चीन से बाहर निकलने वाली इकाइयों को यहां आकर्षित किया जा सकेगा।

आयोवा में मोटरसाइकिल क्लब की सभा में गोलीबारी में एक की मौत

वाटरलू। अमेरिका के आयोवा में मोटरसाइकिल क्लब की एक सभा में गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस प्रमुख जोएल फिट्जगेराल्ड ने पत्रकारों के बताया कि वाटरलू की एक इमारत में लगभग 100 लोग जमा थे। सुबह तीन बजे के बाद वहां किसी बात को लेकर झड़प हो गई। वाटरलू पुलिस विभाग के कप्तान जोएल लेबोल्ड ने बताया कि जब गोलीबारी शुरू हुई तब अधिकारी घटनास्थल के पास ही थे, वे जब घटनास्थल पर पहुंचे तब वहां अफरा-तफरी मची हुई थी। कुछ लोग घायल थे और बाकी लोग वहां से भागने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों ने तुरंत स्थिति को काबू में किया और दमकलकर्मियों और स्वास्थ्यकर्मियों को बुलाया।

संक्षिप्त समाचार

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पीएम मोदी के आश्वासन की सराहना की

न्यूयॉर्क। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस अदानोम गेब्रिएसस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस आश्वासन की सराहना की कि भारत कोविड-19 से लड़ रहे देशों की मदद के लिए अपनी टीका उत्पादन क्षमता का इस्तेमाल करेगा। गेब्रिएसस ने कहा कि इस महामारी को केवल संसाधनों के आदान-प्रदान के जरिए ही हराया जा सकता है। मोदी ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में अपने संबोधन में कहा, टीका उत्पादन के मामले में भारत के सबसे बड़ा देश होने के नाते, मैं आज विश्व समुदाय को एक और आश्वासन देता हूं। भारत की टीका उत्पादन और आपूर्ति की क्षमता का इस्तेमाल इस संकट से लड़ाई में पूरी मानवता की मदद के लिए किया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने ट्वीट किया, एकजुटता की प्रतिबद्धता दिखाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आपका शुक्रिया। मिल-जुलकर अपनी ताकतों और संसाधनों के आदान-प्रदान के जरिए ही कोविड-19 महामारी हराया जा सकता है।

इटली में कोविड-19 का पहला रोगी लंबी दूरी की रिले दौड़ में शामिल

कोडोगनो। इटली में कोविड-19 के पहले रोगी मेटिया मैस्ट्री कोरोना वायरस संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले लोगों की याद में आयोजित 180 किलोमीटर लंबी रिले दौड़ में हिस्सा ले रहे हैं। मैस्ट्री को कोरोना वायरस संक्रमण के चलते आईसीयू में भर्ती कराया गया था। कुछ सप्ताह बाद वह ठीक हो गए थे। वह इटली के दो शुरुआती कोरोना वायरस हॉटस्पॉट के बीच होने वाली रिले दौड़ में भाग लेने के लिए तैयार नजर आए। यह दौड़ कोडोगनो से शुरू होकर रविवार को वो यूगेनियो में खत्म होगी। मैस्ट्री 21 फरवरी को कोडोगनो में ही कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे जबकि वो यूगेनियो में उसी दिन कोविड-19 से पहली मौत होने की आधिकारिक पुष्टि हुई की गई थी।

सीरिया के मंत्री ने तुर्की को आतंकवाद का मुख्य प्रायोजक बताया

संयुक्त राष्ट्र। तुर्की को क्षेत्र में तथा सीरिया में आतंकवाद के प्रमुख प्रायोजकों में से एक करार देते हुए सीरिया के विदेश मंत्री ने कहा कि तुर्की के अधिपत्य का विरोध करने वाले एक दर्जन से अधिक शहरों में पानी की अपूर्ति बंद करने के लिए यह युद्ध अपराध एवं मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में सीरिया के विदेश मंत्री वालिद अल-मोआलेम ने रिकॉर्डेड संदेश में कहा कि पानी की आपूर्ती बंद करने से नागरिकों के जीवन पर खतरा पैदा हो गया है, खासतौर पर कोरोना वायरस संक्रमण के वक्त में। सीरिया में नौ साल पहले गृह युद्ध शुरू हुआ था जो बाद में एक क्षेत्रीय लड़ाई में तब्दील हो गया। अब उत्तरी सीरिया के एक क्षेत्र पर तुर्की का नियंत्रण है और वह सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद, सीरियाई कुर्द लड़ाकों और इस्लामिक स्टेट चरमपंथी समूह के खिलाफ विपक्षी लड़ाकों का समर्थन करता है। सीरिया के मंत्री ने कहा, तुर्की का वर्तमान शासन अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत दुष्ट और गैर कानूनी है। उसकी नीतियां और कामकाज पूरे क्षेत्र की स्थिरता और सुरक्षा के लिए खतरा बन गई हैं और उन्हें रोका जाना जाहिए।

पाकिस्तान में यात्री बस में आग, 13 की मौत

कराची। पाकिस्तान में एक यात्री बस आग लगने के बाद पलट गई जिससे उसमें सवार कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस और बचाव अधिकारियों ने बताया कि हैदराबाद से कराची जा रही एक तेज रफ्तार बस सड़क से फिसल गई और उसमें आग लग गई। उन्होंने कहा कि नूरियाबाद इलाके के पास हुए इस हादसे में कम से कम 13 लोगों की जान चली गई। अतिरिक्त महानिरीक्षक (मोटरवे पुलिस) डॉ आफताब पठान ने मीडिया को बताया कि बस में 22 यात्री सवार थे। उनमें से कई यात्री बस के अंदर फंस गए और आग की चपेट में आ गए। जो लोग बस से निकलने में सफल रहे या जिन्हें बस से निकाला गया, वे सभी जख्मी हालत में हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से पांच की हालत गंभीर है। अधिकारी बस के मलबे से शवों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, यह दुर्घटना हैदराबाद से 60 किलोमीटर दूर हुई और दुर्घटना में वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गया।

हरियाणा में एक अक्टूबर से शुरू होगी कपास की खरीदः खट्टर

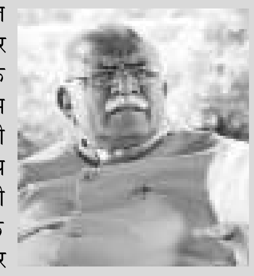

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के माध्यम से एक अक्टूबर 2020 से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कपास की खरीद शुरू करेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कपास खरीद केंद्रों की संख्या भी बढ़ाएगी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक इससे पहले खट्टर और उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने हरियाणा में कपास की खरीद के बारे में केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी के साथ बैठक की। यह बैठक नई दिल्ली में हुई। बयान के मुताबिक पिछले साल हरियाणा में 20 कपास खरीद केंद्र थे, जिसे इस साल बढ़ाकर 40 किया जा रहा है। खट्टर ने स्पष्ट किया कि कपास की खरीद प्रक्रिया के दौरान 12 प्रतिशत तक नमी के पहले से ही निर्धारित मानक का पालन किया जाएगा और इसमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

आईटी पोर्टल से होगा वाहन दस्तावेजों, ई-चालान का रखरखाव

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को कहा कि एक सूचना प्रौद्योगिकी पोर्टल के माध्यम से एक अक्टूबर 2020 से ड्राइविंग लाइसेंस और ई-चालान सहित वाहन संबंधी दस्तावेजों का रखरखाव किया जाएगा। एक बयान में कहा गया कि वाहन दस्तावेजों के निरीक्षण के दौरान इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से वैध पाए गए वाहनों के दस्तावेजों के बदले भौतिक दस्तावेजों की मांग नहीं की जाएगी। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि लाइसेंसिंग प्राधिकरण द्वारा अयोग्य या निरस्त किए गए ड्राइविंग लाइसेंस का विवरण पोर्टल में रिकॉर्ड किया जाएगा और इसे समय-समय पर अपडेट किया जाएगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने बयान में कहा कि उसने मोटर वाहन नियम 1989 में किए गए विभिन्न संशोधनों के बारे में अधिसूचना जारी की है, जिसमें मोटर वाहन नियमों की बेहतर निगरानी और क्रियान्वयन के लिए एक अक्टूबर 2020 से पोर्टल के माध्यम से वाहन संबंधी दस्तावेजों और ई-चालान का रखरखाव किया जा सकेगा।

डिजिटल मंचों, ऐप स्टोर, उपकरणों के लिए भी निरपेक्षता जरूरी : ट्राई

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के प्रमुख आरएस शर्मा ने कहा है कि विभिन्न मंचों, ऐप स्टोर, ऑपरेटिंग प्रणाली और उपकरणों पर भी निरपेक्षता का सिद्धान्त लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूरसंचार नेटवर्कों पर निरपेक्षता का सिद्धान्त लागू होता है, ऐसे में अन्य के लिए भी निरपेक्षता जरूरी है। ट्राई के चेयरमैन शर्मा का कार्यकाल 30 सितंबर को पूरा हो रहा है। शर्मा ने पीटीआई-भाषा से कहा कि डिजिटल दौर में प्लेटफॉर्म या मंचों, ऐप स्टोर, ऑपरेटिंग प्रणाली और उपकरणों की निरपेक्षता एक महत्वपूर्ण पहलू है, जिसकी समीक्षा किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह एक नया मोर्चा है जिसपर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उपकरण, ऑपरेटिंग प्रणाली या डिजिटल मंच किसी तरह का मनमाना नियंत्रण नहीं कर पाएं, इसके लिए निरपेक्षता महत्वपूर्ण है। शर्मा ने कहा, इन क्षेत्रों पर कौन गौर करेगा। मैं यह नहीं कह रहा ट्राई को यह करना चाहिए या किसी और को। मैं यह कहना चाहता हूं कि उपकरणों, ऑपरेटिंग प्रणाली और डिजिटल मंचों की निरपेक्षता जरूरी है जिसकी समीक्षा की जानी चाहिए और इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

पंजाब के मुख्य सचिव ने धान खरीद की तैयारियों का जायजा लिया

चंडीगढ़। पंजाब की मुख्य सचिव विनी महाजन ने शनिवार को धान खरीद सत्र के लिए राज्य की तैयारियों की समीक्षा की। धान खरीद 27 सितंबर से शुरू होगा। केंद्र ने शनिवार को पंजाब और हरियाणा राज्यों में खरीफ फसल के समय से पहले आवक शुरु होने के मद्देनजर इन राज्यों में तत्काल प्रभाव से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर धान खरीद शुरू करने की घोषणा की। आम तौर पर, पंजाब में धान खरीद का मौसम एक अक्टूबर से शुरू होता है।एक सरकारी बयान में कहा गया है कि महाजन ने यहां एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित विभागों को कोविड -19 महामारी के प्रसार से बचने के लिए सामाजिक दूरी कायम करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। महाजन ने कहा कि कुल 4,019 खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें 152 मुख्य यार्ड, 283 सब-यार्ड, 1,436 खरीद केंद्र, 524 अस्थाई यार्ड और 1,624 मिलें शामिल हैं।

गांव, किसान और देश का कृषि क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के आधार: मोदी

मन की बात

जितने मजबूत होंगे, आत्मनिर्भर भारत की नींव भी उतनी ही मजबूत होगी।

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि गांव, किसान और देश का कृषि क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के आधार हैं तथा ये जितने मजबूत होंगे, आत्मनिर्भर भारत की नींव भी उतनी ही मजबूत होगी। आकाशवाणी पर मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 69वीं कड़ी में अपने विचार व्यक्त करते हुए मोदी ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के कठिन दौर में कृषि क्षेत्र और देश के किसानों ने फिर अपना दमखम दिखाया। उन्होंने कहा कि हमारे यहां कहा जाता है कि जो जमीन से जितना जुड़ा होता है, वह बड़े से बड़े तूफानों में भी उतना ही अधिक रहता है। कोरोना के इस कठिन समय में हमारा कृषि क्षेत्र, हमारा किसान इसका जीवंत उदाहरण है। संकट के इस काल में भी हमारे देश के कृषि क्षेत्र ने फिर अपना दमखम दिखाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का कृषि क्षेत्र, हमारे किसान, हमारे गांव आत्मनिर्भर भारत का आधार हैं। ये मजबूत होंगे तो आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत होगी। मोदी ने हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात के कुछ सफल किसानों तथा किसान समूहों का जिक्र करते हुए कहा कि बीते कुछ समय में कृषि क्षेत्र ने खुद को अनेक बंदिशों से आजाद किया है और अनेक मिथकों को तोड़ने का प्रयास किया है। हरियाणा के सोनीपत जिले के किसान कंवर चौहान की कहानी बताते हुए मोदी ने कहा कि एक समय था जब उन्हें मंडी से बाहर अपने फल और सब्जियां बेचने में बहुत दिक्कत आती थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में फल और सब्जियों को जब एपीएमसी कानून से बाहर कर दिया गया, तो इसका उन्हें और अन्य किसानों को फायदा हुआ। मोदी ने कहा कि आज वह स्वीट कॉर्न और बेबी कार्न की खेती कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कुछ अन्य किसानों की कहानी सुनाते हुए कहा कि इन किसानों के पास अपने फल व सब्जियों को कहीं पर भी, किसी को भी बेचने की ताकत है और यह ताकत ही उनकी इस प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि अब यही ताकत देश के दूसरे किसानों को भी मिली है। फल व सब्जियों के लिए ही नहीं, अपने खेत में वह जो पैदा कर रहे हैं, वह चाहे धान, गेहूं, सरसों, गन्ना जो उगा रहे हैं, उसको अपनी इच्छा के अनुसार जहां ज्यादा दाम मिलें, वहीं पर बेचने की अब उनको आजादी मिल गई है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद हाल में कृषि विधेयक आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020, कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020 तथा कृषक (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020 को संसद से पारित कर दिया गया था। देशभर के कई हिस्सों खासकर पंजाब और हरियाणा के किसान तथा किसान संगठन इन विधेयकों को किसान विराधी बताकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने की कहानी कहने की कला को प्रचारित-प्रसारित करने की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घरों व परिवारों से लुप्त होती जा रही कहानी सुनने और सुनाने की परंपरा पर अपनी चिंता प्रकट करते हुए रविवार को देशवासियों से इसके प्रचार-प्रसार के प्रयास की अपील की। आकाशवाणी पर मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 69वीं कड़ी में अपने विचार व्यक्त करते हुए मोदी ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कठिन दौर में जब दो गज की दूरी एक अनिवार्य जरूरत बन गई है, तो इसी संकट काल ने परिवार के सदस्यों को आपस में जोड़ने और करीब लाने का काम भी किया है। उन्होंने कहा कि भारत में कहानी कहने की या कहें किस्सा-गोई की, एक समृद्ध परंपरा रही है। हमें गर्व है कि हम उस देश के वासी हैं, जहां हितोपदेश और पंचतंत्र की परंपरा रही है। जहां, कहानियों में पशु-पक्षियों और परियों की काल्पनिक दुनिया गढ़ी गई, ताकि, विवेक और बुद्धिमता की बातों को आसानी से समझाया जा सके। हमारे यहां कथा की परंपरा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर परिवार में कोई-न-कोई बुजुर्ग, बड़े व्यक्ति परिवार के, कहानियां सुनाया करते थे और घर में नई प्रेरणा, नई ऊर्जा भर देते थे। हमें जरूर एहसास हुआ होगा कि हमारे पूर्वजों ने जो विधाएं बनाई थीं, वो आज भी कितनी महत्वपूर्ण हैं और जब नहीं होती हैं तो कितनी कमी महसूस होती है। मोदी ने कहा कि कहानी सुनाने की कला, कहानियों का इतिहास उतना ही पुराना है जितनी कि मानव सभ्यता।

वाम दलों को साथ लेने के पक्ष में कांग्रेस, राजद को हिचकिचाहट

बिहार चुनाव

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा होने के बाद भी महागठबंधन में सीटों के तालमेल पर अब तक कोई निर्णय नहीं हो पाया है और अब वाम दलों को लेकर नया पेंच फंस गया है। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस वामपंथी पार्टियों को साथ लेने की पुरजोर पैरवी कर रही है, तो महागठबंधन का सबसे बड़ा घटक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) हिचकिचाहट दिखा रहा है, क्योंकि वह भाकपा-माले, भाकपा एवं माकपा को उनकी मांग के मुताबिक सीटें देने को तैयार नहीं है।

सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन के घटक दलों के साथ बातचीत की प्रक्रिया में शामिल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता की मानें तो जीतन राम मांझी के अलग होने और राष्ट्रीय लोकसमता पार्टी (रालोसपा) के नेता उपेंद्र कुशवाहा के भी अलग राह पकड़ने के अंदेशे को देखते हुए कांग्रेस वाम दलों को विपक्षी गठबंधन में शामिल करने के पक्ष में है।
कांग्रेस नेता ने एजेंसी से कहा कि छोटे दलों के साथ सीटों पर फैसला नहीं होने के कारण सीट बंटवारे को अब तक अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। हम चाहते हैं कि वाम दलों को भी साथ लिया जाए, क्योंकि बिहार के कुछ इलाकों में उनका भी आधार है और वे वैचारिक रूप से भाजपा विरोधी हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या इसके लिए राजद तैयार नहीं है तो उन्होंने कहा कि शुरुआती दौर में वाम दलों के साथ जो संवाद हुआ, उसमें संभवत: उनकी तरफ से इतनी सीटें मांगी गईं, जितना दे पाना राजद के लिए संभव नहीं है। राजद को इसी बात को लेकर हिचकिचाहट है। हालांकि हमारा कहना है कि सीटों को लेकर उनके साथ बैठकर चर्चा होगी तो बात बन जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 2015 के विधानसभा चुनाव में भाकपा-माले 98 सीटों पर चुनाव लड़ी थी और उसे तीन सीटों पर जीत मिली थी, भाकपा 91 और माकपा 38 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, लेकिन उन्हें कोई सीट नहीं मिली थी। रालोसपा के अलग होने की अटकलों पर कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके साथ राजद को बातचीत करनी थी। पिछले लोकसभा चुनाव और उपचुनावों के आधार पर राजद नेताओं को लगता है कि कुशवाहा का वोट चुनाव में ट्रांसफर नहीं होता और ऐसे में उनके साथ रहने या नहीं रहने से फर्क नहीं पड़ने वाला है। ऐसे में राजद की तरफ से जो भी फैसला होगा, वो हमें भी स्वीकार्य होगा।

उधर, महागठबंधन में बिखराव के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के बिहार प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि चुनाव के समय जब सीटों को लेकर बातचीत होती है तो कुछ नाराजगी देखने को मिलती है। लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि बिहार के हित में समान विचारधारा वाले सभी दल महागठबंधन में एकजुट होंगे। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि जल्द ही सीटों के तालमेल को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा की 243 सीटों के लिए तीन चरणों में 28 अक्टूबर, तीन नवंबर और सात नवंबर को मतदान होगा और मतगणना 10 नवंबर को होगी।

अटल भूजल योजना के तहत अब तक खर्च हुए केवल 54 लाख

नई दिल्ली। देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल संसाधनों के स्थाई प्रबंधन से जुड़ी अटल भूजल योजना के लिए चालू वित्त वर्ष में 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, लेकिन अब तक सिर्फ 54 लाख रुपये ही खर्च हो पाए हैं। जल शक्ति राज्य मंत्री रतन लाल कटारिया ने लोकसभा में राजेंद्र अग्रवाल के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह योजना एक अप्रैल 2020 से सामुदायिक भागीदारी के साथ भूजल संसाधनों के स्थाई प्रबंधन के लिए लागू की गई थी।

अटल भूजल योजना के लिए चालू वित्त वर्ष में 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए

कटारिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान अटल भूजल योजना के लिए मंत्रालय ने 200 करोड़ आवंटित किए हैं, जो भौतिकावित्तीय प्रगति के मद्देनजर संशोधन के अधीन हैं। इसमें से 54 लाख का अभी तक प्रयोग हो चुका है। मंत्री ने बताया कि इसके अतिरक्त योजना के जमीनी क्रियान्वयन से जुड़ी प्रारंभिक गतिविधियों के पूरा हो जाने के बाद राज्यों को निधियों का आवंटन किया जाएगा। यह योजना 2020-21 से पांच वर्ष की अवधि तक जारी रहेगी। गौरतलब है कि सरकार ने मार्च 2018 में अटल भूजल योजना का प्रस्ताव किया था, जिसका लक्ष्य अत्यधिक भूजल दोहन वाले सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में सामुदायिक हिस्सेदारी के साथ स्थाई भूजल प्रबंधन करने का है।

वहीं, नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि लगातार घट रहा भूजल स्तर वर्ष 2030 तक देश में सबसे बड़े संकट के रूप में उभरेगा। केंद्रीय भूजल बोर्ड तथा राज्य भूजल विभागों के आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल मूल्यांकित 6,584 इकाइयों (ब्लॉक/तालुका/मंडल) में से 1,034 इकाइयों को अत्यधिक दोहन इकाइयों की श्रेणी में रखा गया है। सामान्यत: इन्हें डार्क जोन (पानी के संकट की स्थिति) कहा जाता है। इनमें दिल्ली में 15 इकाई, हरियाणा में 64 इकाई, कर्नाटक में 43 इकाई, पंजाब में 105 इकाई, राजस्थान में 164 इकाई, तमिलनाडु में 358 इकाई और उत्तर प्रदेश में 113 इकाई भूजल के अत्यधिक दोहन वाली हैं।

कर्नाटक में ड्रग मामले में एक और व्यक्ति गिरफ्तार

मंगलुरु। डांसर-कोरियोग्राफर किशोर अमन शेट्टी से जुड़े ड्रग मामले की जांच कर रही शहर की पुलिस ने ड्रग तस्करी के आरोप में एक और व्यक्ति को यहां से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान मोहम्मद शाकिर के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शेट्टी और उनके सहयोगी अकील नौशील द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर यह गिरफ्तारी की गई, जो वर्तमान में नशीली दवाओं के सेवन और तस्करी के आरोप में न्यायिक हिरासत में है। एक स्पा में यहां काम करने वाली मणिपुर की एक महिला अस्का और शेट्टी के करीबी दोस्त तरुण राज को पहले ही शेट्टी के साथ ड्रग के सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है।

मजबूरी में शिअद ने राजग से नाता तोड़ा: सुखदेव ढींढसा

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के बागी नेता सुखदेव सिंह ढींढसा ने रविवार को कहा कि शिअद ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता मजबूरी में तोड़ा क्योंकि कृषि विधेयकों को लेकर किसान इस पार्टी से नाराज हो गए थे। उल्लेखनीय है कि कृषि विधेयक को लेकर शिअद ने शनिवार को राजग से अलग होने की घोषणा की। बता दें कि गत कुछ सालों में शिअद तीसरी पार्टी है, जिसने भाजपा नीत राजग से नाता तोड़ा है।

कृषि विधेयक को लेकर शिअद ने शनिवार को राजग से अलग होने की घोषणा की।

राज्यसभा सदस्य ढींढसा ने कहा कि उन्होंने (शिअद) ने यह मजबूरी में किया क्योंकि किसान उनसे नाराज है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में शिअद ने विधेयकों का समर्थन किया था और यहां तक कि पार्टी के वयोवृद्ध नेता प्रकाश सिंह बादल ने भी इसके समर्थन में बोला था। असंतुष्ट अकाली नेता ने कहा कि पार्टी ने यह कहकर यू टर्न ले लिया कि यह किसानों के हित में नहीं है। क्या ये विधेयक शुरुआत में किसानों के लिए खराब नहीं थे? उन्होंने आरोप लगाया, वे (शिअद) राज्य में जमीनी समर्थन खो चुके हैं। पूर्व में शिअद (लोकतांत्रिक) पार्टी बनाने वाले ढींढसा ने कहा कि उनकी राजनीतिक पार्टी शुरू से ही इस मुद्दे पर किसानों का समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा, पहले दिन से हम किसानों का समर्थन कर रहे हैं और उनके साथ खड़े हैं।

आतंकी गतिविधियों का केंद्र बन गया है बेंगलुरू: तेजस्वी सूर्या

नई दिल्ली। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने रविवार को दावा किया कि बेंगलुरू आतंकवादी गतिविधियों का केंद्र बन गया है। इस सिलसिले में उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का एक स्थाई कार्यालय कर्नाटक की राजधानी में स्थापित करने की मांग की है। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के अगले ही दिन सूर्या ने कहा कि बेंगलुरू में कई आतंकी मोड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। उन्होंने दावा किया कि आतंकी संगठन शहर को अपनी गतिविधियों का केंद्र बनाना चाहते हैं।

सूर्या ने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने इस सिलसिले में शाह से मुलाकात की और बेंगलुरू में एनआईए का कार्यालय खोलने का आग्रह किया जो आधुनिक सुविधाओं से लैस हो और जहां पर्याप्त संख्या में कर्मचारी हों। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री ने मुझे आश्वस्त किया है कि जल्द से जल्द पुलिस अधीक्षक स्तर के एक अधिकारी की निगरानी में एक स्थाई कार्यालय खोलने के लिए वह अधिकारियों को निर्देश देंगे। लोकसभा में बेंगलुरू दक्षिण सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले सूर्या ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत का सिलिकन वैली आतंकी गतिविधियों का केंद्र बन गया है।

संक्षिप्त समाचार

केरल के वरिष्ठ कांग्रेस नेता सी एफ थॉमस नहीं रहे

कोट्टयम। केरल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और चंगनासेरी के विधायक सी एफ थॉमस का रविवार को तिरुवल्ला के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। पार्टी के सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 81 वर्ष के थे। उन्होंने कहा कि उनका यहां कुछ बीमारियों का इलाज चल रहा था। थॉमस 1980 के बाद से ही लगातार विधानसभा में चंगनासेरी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। 2001-2006 के कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार में वे ग्रामीण विकास, पंजीकरण, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री भी थे। वह दिवंगत केरल कांग्रेस (एम) के नेता के एम मणि के विश्वासपात्र थे। पिछले साल अप्रैल में मणि की मौत के बाद पार्टी में दो गुटों के बीच दरार के कारण थॉमस केरल कांग्रेस (एम) में पी जे जोसेफ के गुट से जुड़े। अपने छात्र जीवन में ही थॉमस कांग्रेस में शामिल हो गए और फिर चंगनासेरी टाउन (पश्चिम) मंडलम के उपाध्यक्ष बने। केरल कांग्रेस के गठन के बाद उन्होंने पार्टी का दामन थाम लिया और राजनीति में उनका कद बढ़ता गया।

उत्तर प्रदेश में सुरक्षित नहीं है बहन-बेटियां: मायावती

लखनऊ। बसपा अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने हाथरस में एक लड़की से हुई दरिंदगी की घटना की कड़ी निंदा करते हुए रविवार को राज्य सरकार से ऐसी घटनाओं को रोकने पर ध्यान देने की मांग की। मायावती ने रविवार को किए गए ट्वीट में कहा कि यूपी के जिला हाथरस में एक दलित लड़की को पहले बुरी तरह से पीटा गया, फिर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, जो अति-शर्मनाक व अति-निंदनीय जबकि अन्य समाज की बहन-बेटियां भी अब प्रदेश में सुरक्षित नहीं हैं। सरकार इस ओर जरूर ध्यान दे। बसपा की यह मांग है। गौरतलब है कि गत 14 सितंबर को प्रदेश के हाथरस जिले के चंदपा थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में 19 साल की एक दलित लड़की के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म की वारदात हुई थी। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। लड़की को अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।

तमिलनाडु ने पेरियार की प्रतिमा पर भगवा रंग डाला

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)। सुधारवादी नेता ईवी रामास्वामी पेरियार की एक प्रतिमा पर यहां भगवा रंग डाल दिया गया और यह विरूपति कर दी गई। इस घटना पर नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पुलिस ने बताया कि रविवार तड़के यहां इनामकुलातुर के समतुवापुरम कॉलोनी में प्रतिमा के निकट चप्पल भी मिली है। उन्होंने बताया कि प्रतिमा को विरूपित और क्षतिग्रस्त करने को लेकर एक मामला दर्ज किया गया है। द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन समेत अन्य नेताओं ने हालिया कुछ महीनों में राज्य में हुई ऐसी दूसरी घटना की निंदा की है। इससे पहले, कोयंबटूर में भी पेरियार की प्रतिमा पर भगवा रंग पुता हुआ मिला था। इस घटना के खिलाफ स्थानीय लोगों ने कुछ देर के लिए डिंगीगुल राजमार्ग पर यातायात रोक दिया। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें वहां से हटाया। स्टालिन ने प्रतिमा को विरूपित करने की निंदा करते हुए लोगों से ऐसी हरकतें करने वालों का बहिष्कार करने की अपील की। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए फेसबुक पोस्ट में लिखा, उन लोगों को कब इस बात का एहसास होगा कि अगर वे बार-बार इसी तरह की हरकत करेंगे, तो लोग उनका और अधिक बहिष्कार करेंगे। पेरियार केवल एक आंदोलन के नेता भर नहीं हैं। वह तमिल पहचान के नेता हैं। जो लोग ऐसी हरकतें करके ए सोचते हैं कि हमने उनका (पेरियार का) अपमान किया है, वे खुद को अपमानित कर रहे हैं।

नशे में धुत व्यक्ति ने गला घोटकर की दो बेटों की हत्या

महोबा (यूपी)। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के महोबकंठ क्षेत्र में शराब के आदी एक व्यक्ति ने पत्नी से झगड़े के बाद दो बेटों की गला घोंट कर हत्या कर दी। महोबा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अरुण कुमार श्रीवास्तव ने रविवार को बताया कि परापांतर गांव में शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे शराब के नशे में धुत हरनारायण (32) नामक व्यक्ति ने खेत में खेल रहे अपने बेटों आशीष (आठ) और आर्यन (पांच) की गमछे से गला घोटकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद भाग रहे हरनारायण को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया है।

तटरक्षकों ने जहाज के चालक दल के 12 सदस्यों को बचाया

अहमदाबाद। गुजरात के तट पर तटरक्षकों ने अरब सागर में डूब रहे एक मालवाहक जहाज के चालक दल के 12 सदस्यों को डूबने से बचा लिया। शनिवार को रात लगभग नौ बजे, तटरक्षकों को सूचना मिली कि ओखा तट से लगभग 10 समुद्री मील दूर एमएसवी कृष्णा सुदामा जहाज पर पानी भर रहा है। तटरक्षकों ने एक बयान में कहा कि जहाज शनिवार को गुजरात के मुंद्रा से 905 टन चावल और चीनी ले कर अफ्रीकी देश जिबूती जा रहा था। बयान के मुताबिक तटरक्षक जहाज सी-411 डूब रहे जहाज के पास पहुंचा। वहां उन्होंने डूब मालवाहक जहाज के चालक दल के 12 सदस्यों को अपनी जहाज पर लिया। तटरक्षक पोत ने सभी 12 सदस्यों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अंतत: बचा लिया।

किसानों को मिलने वाले धन में राज्य क्यों बिचौलिया बनना चाहता है

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच विभिन्न मामलों को लेकर तकरार बढ़ती जा रही है। अब दोनों के बीच ताजा विवाद प्रधानमंत्री किसान योजना को लेकर है। राज्यपाल ने रविवार को मुख्यमंत्री को एक पत्र लिख कर जानना चाहा कि प्रधानमंत्री-किसान योजना के तहत किसानों को केंद्र से धन मिलने पर राज्य क्यों बिचौलिया बनना चाहता है। दरअसल, एक दिन पहले मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को पत्र लिख कर उनसे संविधान के दायरे में रहकर काम करने को कहा था। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने केंद्र को पत्र लिख कर कहा था कि वह पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री किसान योजना और आयुष्मान भारत योजना लागू करने के लिए राजी हैं, बशर्ते धन राज्य सरकार के जरिए दिया जाए। धनखड़ ने मुख्यमंत्री से इस प्रस्ताव को विचारार्थ राज्य कैबिनेट के समक्ष पेश करने को कहा था। राज्यपाल ने केंद्र सरकार से बनर्जी के अनुरोध को प्रतिगामी कदम करार दिया और आशंका जताई कि इससे भ्रष्टाचार के रास्ते खुल सकते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह का निधन, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

एजेंसी। नई दिल्ली

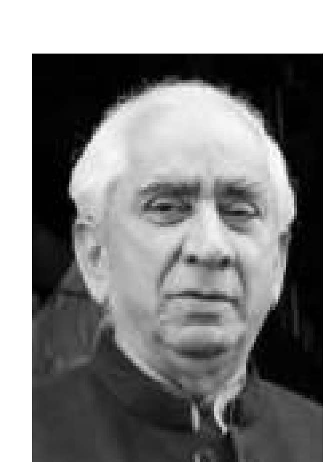

विदेश, वित्त और रक्षामंत्री बनने का गौरव हासिल करने वाले एवं पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेई के बेहद करीबी रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह का लंबी बीमारी के बाद रविवार को यहां निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजस्थान, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा व अन्य दलों के वरिष्ठ नेताओं ने सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। भाजपा के संस्थापक सदस्य रहे सिंह ने दिल्ली में सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में अंतिम सांस ली।

सैन्य अस्पताल ने एक बयान जारी कर कहा कि बड़े दुख के साथ सूचित किया जा रहा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह का रविवार को सुबह 6.55 बजे निधन हो गया। उन्हें 25 जून को भर्ती कराया गया था। सुबह दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हुआ। बयान में कहा गया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने उन्हें बचाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक उनका अंतिम संस्कार रविवार को ही राजस्थान के जोधपुर में किया गया। पूर्व सैन्य अधिकारी सिंह अगस्त 2014 में अपने घर में गिरने के बाद से बीमार थे। उन्हें सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद से उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस साल जून में उन्हें दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राष्ट्रपति कोविंद ने उन्हें उत्कृष्ट सांसद, असाधारण जननेता और बुद्धिजीवी करार देते हुए कहा कि जसवंत सिंह ने अनेक कठिन भूमिकाओं को सहजता और धैर्य के साथ निभाया। उनके परिवार, मित्रों और सहयोगियों के प्रति मेरी शोक-संवेदना। प्रधानमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि जसवंत जी को राजनीति तथा समाज से संबंधित मामलों में उनके अद्वितीय दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने भाजपा को मजबूती देने में भी योगदान दिया। मैं उनके साथ हुए संवाद को याद कर रहा हूं। मेरी ओर से उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदनाएं। ऊं शांति।

मोदी ने कहा कि अटल जी की सरकार में उन्होंने वित्त, रक्षा और विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों को संभाला और इन क्षेत्रों में गहरी छाप छोड़ी। उनके निधन से दुखी हूं। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में सिंह को जब भाजपा ने टिकट नहीं दिया तो वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राजस्थान के बाड़मेर से मैदान में उतरे थे। हालांकि उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। जसवंत सिंह ने पश्चिम बंगाल के दार्जीलिंग संसदीय क्षेत्र का भी लोकसभा में प्रतिनिधित्व किया। प्रधानमंत्री ने जसवंत सिंह के पुत्र मानवेंद्र सिंह से फोन पर बात की और अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। मोदी ने कहा कि जसवंत सिंह बहुत बहादुरी से पिछले छह साल से अपनी बीमारी से लड़ रहे थे। उपराष्ट्रपति नायडू ने कहा कि वह एक कुशल प्रशासक, उत्कृष्ट सांसद और एक ऐसे व्यक्ति थे, जिनमें कोई बुराई नहीं थी। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने नायडू के हवाले से ट्वीट किया, पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह के निधन की खबर सुनकर बेहद दुख हुआ। वह एक महान नेता थे, जिन्होंने अपनी विभिन्न क्षमताओं से देश की सेवा की। गृहमंत्री अमित शाह ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उनका निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है।

जसवंत सिंह उत्कृष्ट सांसद, महान प्रशासक और देशभक्त थे: आडवाणी

नई दिल्ली। भाजपा के वयोवृद्ध नेता लालकृष्ण आडवाणी ने रविवार को दिवंगत जसवंत सिंह को अपना सबसे करीबी सहयोगी और प्रिय मित्र बताया। उन्होंने कहा कि वह उत्कृष्ट सांसद, कुशल राजनयिक, महान प्रशासक और इन सबसे ऊपर एक देशभक्त थे। उल्लेखनीय है कि जसवंत सिंह का रविवार को नई दिल्ली में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 82 साल के थे। आडवाणी ने एक बयान में कहा कि अटल बिहारी वाजपेई नीत सरकार में सिंह ने अकेले और कुशलता से तीन सबसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों विदेश, रक्षा और विदेश को संभाला। उन्होंने रेखांकित किया कि राजग सरकार के उन छह वर्षों (वर्ष 1998 से 2004 तक) में कठिन मुद्दों को संभालने के दौरान अटलजी, जसवंत जी और मेरे बीच एक विशेष संबंध बन गया था। जसवंत सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए आडवाणी ने कहा कि उनके पास शब्द नहीं है। आडवाणी ने कहा, एक व्यक्ति के तौर पर जसवंत जी एक भद्र पुरुष थे और उन्हें मृदुभाषी, विद्वान और गर्मजोशी वाले व्यक्ति के तौर पर याद किया जाएगा। वह अपने तीक्ष्ण तार्किक दिमाग के लिए जाने जाते थे और पूरे राजनीतिक जगत में सम्मानित व्यक्ति थे।

सिंह ने निष्ठापूर्वक की भारत की सेवा: रक्षामंत्री

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी जसवंत सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जसवंत सिंह ने निष्ठापूर्वक भारत की सेवा की। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि जसवंत सिंह के निधन का समाचार दु:खद है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया, राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह जी के निधन से दुखी हूं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने शोक संदेश में कहा कि दिवंगत जसवंत सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल के दौरान केंद्र सरकार में कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री के रूप में अमिट छाप छोड़ी, जिसमें रक्षा, वित्त एवं विदेश मंत्रालय शामिल है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ट्वीट किया, पूर्व रक्षा मंत्री एवं देश में सबसे लंबे समय तक संसद सदस्य रहे लोगों में से एक जसवंत सिंह जी के निधन से दुखी हूं। उनके परिजनों और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सावंत ने ट्वीट किया, भारत के विकास में उनके (जसवंत सिंह) शानदार योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। शोकाकुल परिवार के प्रति मेरी ओर से संवेदनाएं। ऊँ शांति।

पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती हुईं कोरोना संक्रमित

भोपाल। भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई हैं। उमा ने शनिवार देर रात ट्वीट किया, मैं आपकी जानकारी में यह डाल रही हूं कि मैंने आज (शनिवार) अपनी पहाड़ की यात्रा के समाप्ति के अन्तिम दिन प्रशासन को आग्रह करके कोरोना वायरस जांच के टीम को बुलवाया, क्योंकि मुझे तीन दिन से हल्का बुखार था। उन्होंने लिखा, मैंने हिमालय में कोविड-19 के सभी विधि निषेध एवं दूरी बनाकर रहने के नियम का पालन किया। फिर भी मैं अभी कोरोना वायरस से संक्रमित निकली हूं। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा ने कहा, मैं अभी हरिद्वार एवं ऋषिकेश के बीच वंदे मातरम कुंज में पृथक-वास पर हूं जो कि मेरे परिवार के जैसा है। चार दिन के बाद फिर से जांच कराऊंगी एवं स्थिति ऐसी ही रही तो डॉक्टरों के परामर्श के अनुसार निर्णय लूंगी। उन्होंने कहा कि जो भी उनके संपर्क में आए हैं, उनसे अपील है कि इस ट्वीट को पढ़ने के बाद वे अपनी कोरोना वायरस जांच करवाए एवं सावधानी बरतें।

रजत गोयल का कहना है कि रीयल इस्टेट सेक्टर में करियर न केवल रीयल इस्टेट बनना है। इसमें उस व्यक्ति के लिए अनेक अवसर हैं जो ऐसे बहुआयामी सेक्टर में करियर बनाने के लिए खुद को चुनौती देना चाह रहा है

उज्ज्वल कॅरियर बनाएं

करियर विकल्प के रूप में रीयल इस्टेट सेक्टर को चुनने से पहले यह समझना अत्यावश्यक है कि इस सेक्टर में करियर रोमांचक, चुनौतीपूर्ण और आर्थिक रूप से पुरस्कृत करने वाला होगा। इसके विपरीत, मन में यह स्पष्ट भी होना चाहिए कि रीयल इस्टेट करियर में करियर केवल रीयल इस्टेट एजेंट बनना नहीं है। इसमें उस व्यक्ति के लिए अनेक अवसर हैं जो रीयल इस्टेट जैसे बहुआयामी सेक्टर में करियर बनाने के लिए खुद को चुनौती देना चाह रहा है। मुख्य बात है कड़ी मेहनत जो इस पेशेवर के लिए बहुत ही जरूरी है।

हालांकि आवासीय रीयल्टी कंसलटेंट या ऐसोसिएट होना इस सेक्टर में चर्चित करियर विकल्पों में से एक है, लेकिन यही अकेला करियर विकल्प नहीं है। इससे इंकार नहीं है कि इस सेक्टर में अधिकांश हाई प्रोफाइल करियर विकल्पों में आवासीय परियोजनाओं को खरीदना और बेचना आता है, लेकिन इस सेक्टर में गहराई है, और यहां विभिन्न प्रकार के रोजगार उपलब्ध हैं।

रीयल इस्टेट निवेशक होना भी भारतीय रीयल इस्टेट में एक अवसर है। रीयल इस्टेट में निवेशक वो है जो संपत्ति को खरीदता और बेचने या किराए के उद्देश्य से उसे आधुनिक बनाता है। सक्रिय या निष्क्रिय, रीयल्टी निवेशक बनने के दो तरीके हैं। व्यक्ति आपके क्लासिक '' हाऊस फ्लिपर'' के रूप में एक सक्रिय निवेशक बनने का फैसला कर सकता है। निष्क्रिय निवेशक वो है जो परियोजना के दैनिक प्रबंधन में हस्तक्षेप किए बिना रीयल इस्टेट परियोजना में निवेश करता है। अगर किसी के पास निवेश के लिए ज्यादा पैसा नहीं भी होता है तो भी वह सार्वजनिक वित्तपोषित रीयल इस्टेट निवेशन में निवेशक बन सकता है।

दूसरा अवसर है प्रापर्टी मैनेजर का। इस पदधारक की प्रमुख भूमिका है अनुबंधित संपत्तियों से संबंधी रिक्तियों का विज्ञापन करना और उन्हें भरना, निपटारों तथा लीज लागू करने तथा परिसरों की सुरक्षा का काम देखना। इसके अलाव, प्रोजेक्ट मैनेजर की खास अन्य भूमिकाएं होती है जिनमें किराया दायित्व, किरायेदारों से मेलजोल बनाए रखना, किरायेदारों पर नजर रखना, मकानमालिक-किराएदार कानूनों की अच्छी जानकारी होना, संपत्ति का रखरखाव व मरम्मत तथा बजट प्रबंधन करना तथा वित्तीय रिकार्ड रखना शामिल है। कुछ कंपनियां प्रोजेक्ट मैनेजरों का काम ठेके पर देती है जो उनकी संपत्ति के आकार और उनकी आवश्यकताओं पर निर्भर करता है।

रीयल इस्टेट सेक्टर में एक और अवसर है लीजिंग कंसलटेंट का जिसकी जिम्मेदारी है फ्लैट, अपार्टमेंट्स, विला आदि आवासीय संपत्ति को संभावित ग्राहकों के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना। एक और भूमिका है अनुकूल व भरोसेमंद किराएदारों का पता लगाने में आवासीय भूस्वामियों की सहायता करना। मीडिया व एडवरटाइजिंग समेत विभिन्न उपकरणों के जरिए खाली पड़ी संपत्तियों को प्रोत्साहित करना भी लीजिंग कंसलटेंट की मुख्य भूमिका है।

कामर्शियल लीजिंग मैनेजरों को अक्सर कार्यालय स्थल या भंडार केंद्रों पर नियुक्त किया जाता है और रीयल इस्टेट सेक्टर में करियर विकल्प के रूप में भी देखा जाता है। वह बाजार स्थल पर निरंतर नजर रखने और उन सभी बदलावों का अध्ययन करने के लिए जिम्मेदार है जो बजट पर प्रभाव डाल सकते हैं जहां विशेष व्यवसाय की विभिन्न संपत्ति आवश्यकताएं होती हैं।

कामर्शियल लीजिंग मैनेजरों को अक्सर कार्यालय स्थल या भंडारकेन्द्रों पर नियुक्त किया जाता है और रीयल इस्टेट सेक्टर में करियर विकल्प के रूप में भी देखा जाता है। वह बाजार स्थल पर निरंतर नजर रखने और उन सभी बदलावों का अध्ययन करने के लिए जिम्मेदार है जो बजट पर प्रभाव डाल सकते हैं जहां विशेष व्यवसाय की विभिन्न संपत्ति आवश्यकताएं होती हैं।

आवश्यक लिखापढ़ी और प्रकियाओं को संभालने के लिए वसूली पेशेवर को या तो बैंक या प्राइवेट ऋणदाता द्वारा नियुक्त किया जाता है। वसूली पेशेवर ग्राहक की वित्तीय दस्तावेजों की समीक्षा तथा प्रतिबंध मामलों की प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार होता है ताकि संपत्ति को यथासंभव शीघ्रता से दुबारा बेचा जा सके। ऐसे सलाहकार निर्धारित समयावधि में अपना काम पूरा करने में सक्षम व सुव्यवस्थित होने चाहिए।

रीयल इस्टेट अटार्नी भी इस सेक्टर में एक अवसर है। एक अनुभवी रीयल इस्टेट अटार्नी खरीद समझौतों, रहन दस्तावेजों और हस्तांतरण दस्तावेजों समेत कागजातों की सवधानीपूर्वक जाचं करता है और उन्हें तैयार करता है।

अनेक कंपनियां व्यावसायिक संपत्तियों की रोजमर्रा कामकाजी गतिविधियों की देखरेख व उनके संचालन करने के लिए कार्पोरेट रीयल इस्टेट मैनेजर नियुक्त करती हैं। उनका प्रंमुख काम ग्राहक सेवा संबंधी प्रश्नों का प्रतिउत्तर देना, ग्राहक कार्य आदेशों, आवश्यकताओं व शर्तो को संसाधित करना होता है।

अधिकांश कंपनियां कार्पोरेट कम्युनिकेशन पेशेवरों को रखती है जिनका काम सार्वजनिक संबंधों से संबंधित कामकाजी गतिविधियों, प्रचार प्रसार, सोशल मीडिया, कंटेंट विकसित करना और संकट प्रबंधन का काम संभालना होता है।

भारतीय रीयल इस्टेट सेक्टर आवासी रीयल इस्टेट से बहुत ज्यादा बड़ा है। यह अपार रोजगार अवसरों से भरपूर है जिनमें विभिन्न क्षमताओं की आवश्यकता होती है।

- लेखक एमआरजी वर्ल्ड के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर हैं।

बैंकिंग परीक्षाओं में कामयाबी के सूत्र

बैंकिंग सेक्टर में करियर के लिए लाभकारी विकल्प हैं लेकिन उन्हें पाने के लिए, व्यक्ति को दो स्तरों पर होने वाली परीक्षा में भाग लेना होता है। इस परीक्षा में सफल कैसे हों इसके बारे में टिप्स देती हैं **तरन्नुम एन रज़ा**

Tarannum N Raza
Senior Knowledge Expert, T.I.M.E.
Delhi

बैंकिंग सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था में एक संभावनाशील सेक्टर के रूप में उभरा है। यह रोजगार के अनेक क्षेत्र प्रदान करता है। आईबीपीएस पीओ परीक्षा दो चरणों में आयोजित होती है - प्रारम्भिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा। इसमें खंडीय कट आफ और समग्र कटआफ की व्यवस्था है। आपको अंतिम मेरिट सूची में शामिल होने के लिए उच्च स्कोर प्राप्ति का लक्ष्य बनाना चाहिए। परीक्षा के कठिनाई स्तर को बढ़ाया गया है, इसलिए ठोस रणनीति के साथ बुनियादी जानकारियों की गहरी समझदारी की जरूरत है।

अंग्रेजी भाषा खंड की गहन समझदारी हो

यह खंड में विभिन्न प्रकार के मानक प्रश्नों समेत नए किस्म के प्रश्नों को शामिल देखा गया है। सभी किस्म के प्रश्नों का अभ्यास करें जो पिछले पांच सालों की प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षाओं में पूछे गए हैं। व्याकरण और शब्दावली में अच्छी तरह पारंगत हों। इन पर आधारित प्रश्न को कम समय में उत्तम सटीकता से उत्तर दिया जा सकता है।

परीक्षा में अच्छी रणनीति है कि उन प्रश्नों से शुरूआत करें जिन्हें हल करने में कम समय लगता हो- क्लोज टेस्ट, फिल इन द ब्लैक्स, पर्यायवाची/विपर्यायवाची, गलतियों को पहचानना, शब्दावली आधारित प्रश्न। पैराग्राफ आधारित प्रश्नों व काम्प्रिहेंशन पढ़ने

(शब्दावली प्रश्नों को छोड़कर, अगर हो तो) से संबंधित प्रश्नो को अंत में हल करना चाहिए- अगर समय अनुमति देता है। पेराजुम्बल्स या उलझे या घालमेलयुक्त प्रश्नों, जिनमें ज्यादा समय लगता है, को पिछले कुछ सालों में मुख्य परीक्षाओं में पूछते पाया गया है।

मात्रात्मक योग्यता खंड में अंकों की गणना करते रहें

प्रश्नों को हल करने में विवेकपूर्ण चुनाव के जरिए इस खंड में अच्छा स्कोर करें। 20 तक का गुणनफल पहाड़ा, 12 तक रेसिप्रोकल्स, और 1 से 30 तक की संख्याओं के स्क्वायर या वर्गमूल और क्यूब या घनमूल याद कर लें। सुनिश्चित करें कि आपने मूल अवधारणाओं को अच्छी तरह से समझ लिया है। परीक्षा में एक अच्छी रणनीति यह है कि बताए गए क्रम में प्रश्नों को हल न करें, बल्कि पहले चरण में आसान प्रश्नों को चुनें। फिर दूसरे चरण में उन करनेयोग्य प्रश्नों को चुनें जिन्हें हल करने में ज्यादा समय लगता है।

यह बेहतर होगा यदि व्यक्ति सरलीकरण/अनुमानीकरण, मिसिंग सीरीज, क्वाड्रेटिक इक्वेशंस, से शुरूआत करे। इसके बाद डाटा व्याख्या(रेशियो एंड एवरेज बेस्ड क्वेश्चन) - मेन्स परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण। एक सेट का डाटा जटिल लग सकता है लेकिन प्रश्न सरल हो सकते हैं। कठिन सेटों में भी आसान प्रश्नों की तलाश करें। अंकगणित, प्रोबेबिलिटी(बेसिक लेवल), पी एंड सी पर अध्यायों को दोहराएं। जहां भी संभव हो निकटीकरण का उपयोग करें।

तर्कबुद्धि क्षमता खंड से कैसे निपटें

निम्न क्रम में प्रश्नों को हल करें: असमानता, न्याय (सिलोजिज्म), कोडिंग-डिकोडिंग, रक्त संबंध एवं कुछ अन्य विविधतापूर्ण प्रश्न। इनके बाद, आप पहेलियां/ सीटिंग अरेंजमेंट प्रश्न हल कर सकते हैं। महत्ता वाले प्रश्नों पर ध्यान दें। जटिल बौद्धिक प्रश्नो को बाद में हल करें।

खुद को अपडेट रखें

वर्तमान हालातों पर किसी मासिक पत्रिका के साथ रोज अखबारों को पढ़ना बहुत जरूरी है। बीते छह महीने की खबरों से खुद को अवगत रखें। अर्थव्यवस्था, बजट, राजनीति, और बैंकिंग जागरूकता पर ध्यान दें। देशों की पूंजी, किताबों व लेखकों, ताजातरीन कंप्यूटर शब्दावली के बारे में जानें।

सभी खंडों में अनुमान लगाने से बचें अगर गलत होने पर परीक्षा में अंक काटे जाने का नियम है। समय प्रबंधन, पूर्ण समर्पण एवं उचित मार्गदर्शन आपको परीक्षाओं में सफलता दिलाएंगे।

स्कॉलरशिप

द युनिवर्सिटी आफ सिडनी फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग एंड इंफार्मेशन टेक्नोलाजीज के किसी भी कोर्स में डॉ. अब्दुल कलाम इंटरनेशनल अंडरग्रेजुएट वित्तीय सहायता के लिए आवेदन आमंत्रित करती है।

इस स्कालरशिप का उद्देश्य अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के अधिकतम प्रथम वर्ष की पचास फीसदी ट्यूशन फीस में छूट प्रदान करना है। इसके लिए आवेदन कर्ता को संतोषजनक अकादमिक प्रदर्शन के तहत प्रत्येक सेमेस्टर को न्यूनतम 65 प्रतिशत क्रेडिट औसत के साथ उत्तीर्ण करना होगा।

योग्यता: आवेदक ने न्यूनतम 98 या समकक्ष की आस्ट्रेलियन टर्टियरी एडमिशन रैंक (एटीएआर) के साथ युनिवर्सिटी द्वारा स्वीकृत इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी या आस्ट्रेलियन ईयर 12 की पढ़ाई पूर्ण करना आवश्यक है।

आवेदन कैसे करें: वित्तीय सहायता के अवसर के लिए छात्रों को आनलाइन फार्म भरना होगा। इसके लिए उन्हें https://www.sydney.edu.au/scholarships/b/dr-abdul-kalam-international-under-graduate-scholarship.html पर लॉगिन करना होगा।

आवेदन की अंतिम तिथि : 11 जनवरी, 2021

युनिवर्सिटी आफ मिन्नेसोटा में इंटरनेशनल स्टूडेंट व स्कॉलर सर्विसेज (आईएसएसएस) द्वारा वित्तपोषित आवश्यकता आधारित स्कालरशिप हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

कौन आवेदन योग्य है : भारतीय छात्र आवेदन कर सकते हैं।

योग्यता : ग्रांट युनिवर्सिटी द्वारा प्रदत्त किसी भी क्षेत्र में अंडरग्रेजुएट डिग्री कोर्स से अनुबंधित है।

इस वित्तीय सहायता की योग्यता हेतु, विदेशी छात्र के लिए आवश्यक है कि वह एफ-1 या जे-1 की छात्र अवस्था में हो तथा वो युनिवर्सिटी आफ मिन्नेसोटा-ट्विन सिटीज में पंजीकृत होना चाहिए।

सहयोगी दस्तावेज : आवेदकों को निम्न दस्तावेज जमा करने होंगे: अधिकृत दस्तावेज वे हैं जो मूल या मूल अकादमिक दस्तावेजों की संस्तुत प्रतियां हैं जिन्हें सेकेंडरी स्कूल या परीक्षा बोर्ड की ओर से सीधे सीलबंद, स्टैंपयुक्त लिफाफे में भेजा जाता है।

अधिकृत दस्तावेज की स्कैन या इलेक्ट्रानिक कापी को अनधिकृत माना जाता है।

प्रवेश शर्तें: युनिवर्सिटी में स्नातक डिग्री कोर्स के लिए आवेदन करते समय आवेदक हाईस्कूल उम्मीदवार होना चाहिए।

भाषा शर्त : विदेशी उम्मीदवारों को अमरीका में पढ़ने के लिए युनिवर्सिटी की अंग्रेजी भाषा दक्षता शर्तों पर खरा उतरना होगा।

आवेदन कैसे करें: इच्छुक उम्मीदवार आवेदन के लिए आमंत्रित है। उन्हें युनिवर्सिटी में अंडरग्रेजुएट डिग्री कार्यक्रम में दाखिला लेना होगा। पंजीकृत होने के बाद, उम्मीदवार इस स्कालरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की अंतिम तिथि : 1 फरवरी, 2021

साइबर सुरक्षा क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अवसर

कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर के व्यवसायों ने जबरदस्त परेशानियों का सामना किया है। जिस तरह संक्रामक फैलाव के कारण प्रत्यक्ष बैठकें व मुलाकातें आम तौर पर प्रतिबंधित हैं, डिजीटल माध्यमों से वर्चुअल होना साल 2020 के लिए नया सर्व-स्वीकृत नियम साबित होगा। यह विश्वस्तरीय व्यवसायों पर जबरदस्त और शायद अटल प्रभाव की भविष्यवाणी करेगा, जैसा कि तकनीक का अधिकतम उपयोग, कंपनियों के सोचने और काम करने का तरीका बदलने के लिए तैयार है।

वे व्यवसाय जिन्होंने डिजीटल पक्ष को अनदेखा किया है, वे शातिर हैकरों व अन्य साइबर अपराधियों द्वारा विकसित हानिकारक साफ्टवेयरों, वायरसों, मॉलवेयर आदि जैसे अनेक साइबर सुरक्षा हमलों से संबंधित खतरों से त्रस्त हैं। ये हमलावर कंपनी के निजी दायरे में तत्काल सेंध लगा सकते हैं और लाखों डालरों के डाटा व संपत्तियों को चुरा व बर्बाद कर सकते हैं। इसीलिए, कंपनी के लिए मजबूत, सक्षम तथा जबरदस्त साइबर सुरक्षा रणनीति निर्मित करना तथा सर्वसक्षम साइबर सुरक्षा ढांचा खड़ा करना मौजूदा हालात में सबसे महत्वपूर्ण कार्य है।

मोर्डोर इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, साइबर सुरक्षा बाजार 2019 में उल्लेखनीय 161.07 अरब डॉलर का था जो अब 2025 में 363.05 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचने का अनुमान है जो 2020-25 की अवधि के बीच सीएजीआर पर 14.5 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। प्रचंड गति से बढ़ रही साइबर सुरक्षा घटनाओं व सेंधमारियों की रोशनी में, साइबर सुरक्षा समाधानों का बाजार और भी तेज गति से बढ़ने वाला है। सीएजीआर की 16 फीसदी लहर के दौरान, पीडब्लूसी-डीएससीआई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में साइबर सुरक्षा क्षेत्र साल 2022 तक 3 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है।

भारत में भी, साइबर सुरक्षा कर्मचारी की मांग उल्लेखनीय स्तर पर बढ़ रही है जैसे जैसे व्यवसाय निरंतर बढ़ते साइबर हमलों से निपटने की जद्दोजहद में दिखते हैं। कीमती रोजाना 4000 से अधिक साइबर हमलों से डाटा संपत्तियां खोने के खतरे का सामना करते व्यवसायों से, इंटरनेट तेजी से एक अशुभ खतरे में बदल रहा है। जब तक कंपनियां रोजमर्रा स्तर पर इन भयंकर साइबर सेंधमारियों पर रोक लगाने के लिए साइबर सुरक्षा समाधान निर्मित करने की ओर संसाधनों को केन्द्रित नहीं करती हैं, व्यवसायों को गंभीर तथा कभी कभी अपूरणीय हानि का सामना करना तय है।

नेसोचेम की रिपोर्ट कहती है कि अकेले भारत को दस लाख साइबर सुरक्षा पेशेवरों की आवश्यकता होगी। रोजगार पोर्टल इंडीड के अनुसार, पिछले कुछ सालों में साइबर सुरक्षा रोजगार पदों के संदर्भ में पेशेवर पदों में 150 फीसदी की मांग वाला भारत आपूर्ति के बरक्त सर्वाधिक मांग प्रदर्शित करता है।

माइंड इट

भारतीय तकनीकी कंपनियों के समक्ष समस्या है

बेइंतहा बढ़ते साइबर खतरों से निपटने हेतु योग्य विशेषज्ञों की कमी होना, जो लगातार कम सुरक्षित व्यवसायों की आंतरिक प्रणालियों में सेंध लगाने के अवसर में लगे रहते हैं। नेसोचेम की रिपोर्ट कहती है कि अकेले भारत को दस लाख साइबर सुरक्षा पेशेवरों की आवश्यकता होगी। रोजगार पोर्टल इंडीड के अनुसार, पिछले कुछ सालों में साइबर सुरक्षा रोजगार पदों के संदर्भ में पेशेवर पदों में 150 फीसदी की मांग वाला भारत आपूर्ति के बरक्त सर्वाधिक मांग प्रदर्शित करता है। साइबर सुरक्षा योग्य संसाधनों की चाहत के बतौर कंपनियों के लिए खतरनाक मुसीबत जरा भी कम नहीं है और उचित रूप में सक्षम साइबर सुरक्षा प्रणाली का हैकरों व साइबर शौकीनों द्वारा बहुत आसानी से निर्दयतापूर्वक दोहन किया जा सकता है।

व्यापक साइबर सुरक्षा किलेबंदी की अनिवार्यता के साथ साइबर सुरक्षा साफ्टवेयर समाधानों में प्रशिक्षित व्यक्तियों की जरूरत अत्यधिक है और अन्वेषी कार्य जो फायरवाल्स, एंटी वायरस प्रोग्राम, क्लाउड डाटा बैकअप, कंपनी डाटा तक पहुंच को रोकना और गहन निगरानी के लिए ईमानदारीपूर्वक नीतिगत आचरण करना और संभावित मालवेयर की जांच जैसे संपदाओं को सशक्त बनाता है। कंपनियों को कृत्रिम मेधा, बिग डाटा और मशीन लर्निंग जैसे उल्लेखनीय स्तर पर नवीन तकनीकी उपकरणें द्वारा प्रस्तावित व्यापक संभावनाओं पर भी ध्यान देने की जरूरत है जिससे कि खतरों की जवाबी संरचनाओं का मजबूती मिल सके क्योकि क्रांतिकारी साफ्टवेयर खोज अनुकूल तरीके और डाटा प्रदान करने में सहायता करते हैं जो कि समस्या के प्रबल समाधानों के निर्धारण में आवश्यक होते हैं।

राकेश खरवाल
- लेखक साइबरबिट के एमडी-भारत

इस साल ईस्ट बंगाल के प्रदर्शन का आकलन नहीं करना : भूटिया

तपन मोहंता। कोलकाता

महान फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने रविवार को कहा कि ईस्ट बंगाल का शीर्ष स्तर की इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में खेलने का सपना पूरा हो गया है, लेकिन प्रशंसकों को इस सत्र में ज्यादा उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि क्लब ने अभी इसमें प्रवेश किया है। ईस्ट बंगाल के श्री सीमेंट को मुख्य प्रायोजक बनाने के एक महीने से भी कम समय बाद आईएसएल के आयोजक फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलमपेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) ने अधिकारिक रूप क्लब को लुभावनी लीग में शामिल करने की घोषणा की। अगला चरण नवंबर में गोवा के तीन स्थलों में खेला जाएगा।

पूर्व भारतीय कप्तान और क्लब के महान खिलाड़ी भूटिया ने सिक्किम से बात करते हुए कहा कि दर्शकों के हिसाब से देखें तो हर कोई इस साल आईएसएल में खेलने की उम्मीद कर रहा था। अब यह हो गया है। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से टीम को बनाने की चुनौती होगी। हमें इस साल टीम के प्रदर्शन का आकलन नहीं करना चाहिए। प्रतिद्वंद्वी क्लब एटीके मोहन बागान पहले ही गोवा में पृथकवास में प्रवेश कर चुका है, जबकि ईस्ट बंगाल को अभी विदेशी खिलाड़ियों और कोच की घोषणा करनी है। अभी ईस्ट बंगाल में 35 खिलाड़ी हैं, जिसमें मौजूदा भारतीय टीम के खिलाड़ी बलवंत सिंह भी शामिल हैं। भूटिया ने कहा कि क्लब को टीम बनाने में मुश्किल होगी और उन्हें लंबे समय के लिए टीम बनाने पर ध्यान लगाना चाहिए। भूटिया ने संदेश झिंगन का उदाहरण देते हुए कहा, सभी अच्छे भारतीय खिलाड़ियों के लंबे समय के अनुबंध हैं। टीम बनाने में समय लगेगा क्योंकि इस समय कोई भी खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होगा। एटीके मोहन बागान ने भारत के स्टार डिफेंडर झिंगन से पांच साल का करार किया है। उन्होंने कहा कि झिंगन ने अभी पांच साल का करार किया है। सभी शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों का अपने क्लबों के साथ लंबे समय का अनुबंध है। मुझे लगता है कि ईस्ट बंगाल को लंबे समय के लिए टीम बनानी होगी।

ईस्ट बंगाल इस साल आईएसएल में करेगा पदार्पण

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आयोजकों ने रविवार को बताया कि प्रतिष्ठित क्लब ईस्ट बंगाल आगामी सत्र (2020) में इस फुटबॉल टूर्नामेंट में पदार्पण करेगा। नवंबर से शुरू होने वाले आईएसएल में एक सदी पुरानी इस क्लब के जुड़ने की संभावना तभी शुरू हो गई थी जब कोलकाता के इसके नए निवेशक श्री सीमेंट लिमिटेड ने लीग में प्रवेश करने के लिए बोली दस्तावेज मंगाया था। श्री सीमेंट लिमिटेड और ईस्ट बंगाल के गठजोड़ को श्री सीमेंट ईस्ट बंगाल फाउंडेशन के रूप में जाना जाता है जिसने एफएसडीएल (आईएसएल का संचालन करने वाली इकाई) को बोली दस्तावेज सौंपे थे।

टूर्नामेंट में ईस्ट बंगाल 11वीं टीम होगी। कोविड-19 महामारी के कारण इस साल इसका आयोजन गोवा के तीन स्थलों पर होगा। आईएसएल में ईस्ट बंगाल का स्वागत करते हुए एफएसडीएल की अध्यक्ष नीता अंबानी ने कहा कि मोहन बागान के बाद उनके चिर- प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल के इस टूर्नामेंट से जुड़ने के बाद यह भारतीय फुटबॉल में एक शानदार विकास है। मोहन बागान एटीके के साथ गठजोड़ कर आईएसएल से जुड़ा है। अंबानी ने कहा कि ईस्ट बंगाल और उनके लाखों प्रशंसकों का स्वागत करना आईएसएल के लिए सुखद और गर्व का क्षण।

'टोक्यो क्वालीफाई कर चुके पैरा एथलीट 5 अक्टूबर से खेल गतिविधियां शुरू करेंगे'

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने रविवार को बताया कि टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके पैरा खिलाड़ी और खेलों के लिए अब तक क्वालीफाई नहीं कर पाने वाले खिलाड़ियों के देशभर के नेशनल सेंटर आफ एक्सीलेंस (एनसीओई) में पांच अक्टूबर से चरणबद्ध तरीके से खेल गतिविधियां फिर शुरू की जाएंगी।

साइ ने जून की शुरुआत में पहले चरण में अपने विभिन्न केंद्रों में सिर्फ ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके खिलाड़ियों को ट्रेनिंग की स्वीकृति दी थी। अपनी खेलो इंडिया फिर से पहल को आगे बढ़ाते हुए साइ ने पैरा एथलेटिक्स, पैरा पावरलिफ्टिंग, पैरा निशानेबाजी और पैरा तीरंदाजी के अलावा नौ खेलों में गतिविधियां शुरू करने की इजाजत दे दी है, जिसमें साइकिलिंग, हॉकी, भारोत्तोलन, तीरंदाजी, कुश्ती, जूडो, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और तलवारबाजी शामिल है। खेलों की बहाली के पहले चरण के पांच अक्टूबर 2020 को शुरू होने की उम्मीद है।

कोहली-रोहित की टक्कर में आरसीबी के लिए तेज गेंदबाजी परेशानी का सबब

एजेंसी। दुबई

विराट कोहली की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर बेंगलोर (आसीबी) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियन्स के खिलाफ सोमवार को खेले जाने वाले मुकाबले में अपनी तेज गेंदबाजी की कमियों को दूर करना चाहेगी। आरसीबी ने टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ उसकी बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई और टीम को 97 रन की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी।

कप्तान कोहली भी इन मैचों में बड़ी पारी (14 और एक रन) खेलने में नाकाम रहे और वह इस मैच में मैदान में कुछ समय बिताना चाहेंगे। सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडीक्कल ने अपने आईपीएल कॅरियर की शुरुआत शानदार अर्धशतक के साथ की, लेकिन किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ वह ज्यादा कुछ नहीं कर सके। इस युवा बल्लेबाज की कोशिश निरंतरता बनाए रखने की होगी। ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच अपनी पारी को मैच जीताऊ प्रदर्शनों में बदलाना चाहेंगे तो वही दिग्गज एबी डिविलियर्स शानदार लय में दिख रहे है। टीम का निचला क्रम उतना मजबूत नहीं है और उम्मीद है कि डिविलियर्स अखिरी के ओवरों में बड़े शॉट लगाकर इस कमी को पूरा करेंगे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दो मैचों में बाहर बैठने वाले दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर क्रिस मौरिस चयन के लिए उपलब्ध होंगे या नही। गेंदबाजी में स्पिनर युजवेंद्र चहल प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहे है, तो तेज गेंदबाजी में नवदीप सैनी के अलावा बाकी गेंदबाज रन रोकने में सफल नहीं रहे है। डेल स्टेन और उमेश यादव अब तक महंगे साबित हुए हैं। दक्षिण अफ्रीकी का इस महान खिलाड़ी को अंतिम 11 में जगह मिलने की उम्मीद है, लेकिन यादव की जगह मोहम्मद सिराज को उतारा जा सकता है। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी मोईन अली मध्यक्रम के लिए शानदार विकल्प है, लेकिन जोश फिलिप के नियमित रूप से विकेटकीपिंग करने के कारण वह डेल स्टेन की जगह ही टीम में शामिल हो सकते है।

भारत के सीमित ओवरों के उपकप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई वाली मुंबई इंडियन्स ने पहले मैच में हार के बाद शानदार वापसी की है। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मैच में रोहित का लय में आना और सूर्यकुमार यादव की बेहतरीन बल्लेबाजी टीम के लिए सकारात्मक पहलू है। टीम अंतिम 11 में जो एक बदलाव कर सकती है वह सौरव तिवारी की जगह इशान किशन को मौका मिल सकता है। गेंदबाजी में भी हार्दिक पंड्या और कीरोन पोलार्ड अच्छा विकल्प है, लेकिन कोच महेला जयवर्धने ने साफ कर दिया है कि लंबे समय के बाद वापसी कर रहे हार्दिक से गेंदबाजी करा कर वह कोई जोखिम नहीं लेना चाहते है। चेन्नई के खिलाफ औसत प्रदर्शन करने वाले जसप्रीत बुमराह केकेआर के खिलाफ शानदार वापसी से टीम को राहत मिली है। जेम्स पैटिंसन और ट्रेंट बोल्ट भी लय में है।

टीमें

आरसीबी: आरोन फिंच, देवदत्त पडीक्कल, पार्थिव पटेल, विराट कोहली (कप्तान), एबी डिविलियर्स, गुरकीरत मान, शिवम दुबे, क्रिस मौरिस, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, नवदीप सैनी, डेल स्टेन, युजवेंद्र चहल, एडम जाम्पा, इसुरू उडाना, मोईन अली, जोश फिलीप, पवन नेगी, पवन देशपांडे, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव।

मुंबई इंडियंस : रोहित शर्मा (कप्तान), आदित्य तारे, अनमोलप्रीत सिंह, अनुकूल रॉय, क्रिस लिन, धवल कुलकर्णी, दिग्विजय देशमुख, हार्दिक पंड्या, ईशान किशन, जेम्स पेटिसन, जसप्रीत बुमराह, जयंत यादव, कीरोन पोलार्ड, कृणाल पंड्या, मिशेल मैक्लीनागन, मोहसिन खान, नाथन कूल्टर नाइल, प्रिंस बलवंत राय, क्विंटोन डि कॉक, राहुल चाहर, सौरभ तिवारी, शेरफेन रदरफोर्ड, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट।

मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा।

मयंक अग्रवाल का शतक पंजाब का विशाल स्कोर

एजेंसी। शारजाह

मयंक अग्रवाल के शतक और कप्तान केएल राहुल के साथ उनकी पहले विकेट के लिए 183 रन की बड़ी साझेदारी की मदद से किंग्स इलेवन पंजाब ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रविवार को यहां दो विकेट पर 223 रन बनाए।

किंग्स इलेवन को बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर कर्नाटक के ए दोनों बल्लेबाज हावी हो गए। अग्रवाल शुरू से बड़े शॉट खेलने के मूड में दिखे। उन्होंने 50 गेंदों पर 106 रन बनाए, जिसमें दस चौके और सात छक्के शामिल हैं। पिछले मैच में शतक जड़ने वाले राहुल ने 54 गेंदों का सामना किया तथा अपनी 69 रन की पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया। निकोलस पूरण आठ गेंदों पर 25 रन बनाकर नाबाद रहे। शारजाह की पिच को शुरू से ही बल्लेबाजों के लिए अनुकूल माना जा रहा था तथा अग्रवाल और राहुल ने इसका पूरा फायदा उठाया और आईपीएल में पहले विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी निभाई। इन दोनों ने पावरप्ले में 60 रन जोड़े। यह आलम तब था जबकि पावरप्ले के पहले ओवर में जयदेव उनादकट ने तीन और अंतिम ओवर में जोफ्रा आर्चर ने केवल दो रन दिए। लेकिन इस बीच अग्रवाल ने अंकित राजपूत और उनादकट पर छक्के लगाए जबकि चौथे ओवर में गेंद थामने वाले आर्चर का राहुल ने लगातार तीन चौकों से स्वागत किया। राजपूत ने अपने दूसरे ओवर में भी 17 रन लुटाए। अग्रवाल दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेली गई 89 पारी की पुनरावृत्ति कर रहे थे। लेग स्पिनर राहुल तेवतिया के पहले ओवर में लगाए गए उनके दोनों छक्के दर्शनीय थे।

संक्षिप्त समाचार

इंटर मिलान ने फियोरेंटिना को 4-3 से हराया

मिलान। इंटर मिलान ने अंतिम तीन मिनट में दो गोल की बदौलत सीरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में फियोरेंटिना को 4-3 से शिकस्त दी। रोमेलू लुकाकू और डैनिलो डी एम्ब्रोसियो ने शनिवार को हुए मैच के अंत में गोल करके इंटर मिलान को सत्र में जीत से शुरुआत कराई। अटलांटा और लाजियो ने भी अपने पहले मुकाबले जीत लिए हैं। इंटर मिलान की टीम पिछले सत्र में यूवेंटस के बाद एक अंक पीछे रही थी। यूवेंटस ने रिकार्ड लगातार नौंवा सीरी ए खिताब जीता था।

शुभंकर शर्मा आयरिश ओपन में संयुक्त 76वें स्थान पर

बालीमेना (उत्तरी आयरलैंड)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने दुबई ड्यूटी फ्री आयरिश ओपन के तीसरे दौर में चार बोगी व एक डबल बोगी कर दी और वह एक भी बर्डी नहीं लगा सके जिससे उन्होंने छह ओवर 76 का कार्ड खेला। शुभंकर अब बिलकुल नीचे संयुक्त 67वें स्थान पर है। भारतीय मूल के ब्रिटेन में जन्में आरोन रॉय ने अंतिम दौर से पहले एक स्ट्रोक की बढ़त हासिल कर ली है और वह अपने दूसरे यूरोपीय टूर खिताब की ओर बढ़ रहे हैं। तीसरे दौर में रॉय आस्ट्रेलिया के मैवरिक एंटक्लिफ के साथ संयुक्त बढ़त बनाए थे, लेकिन उन्होंने तीसरे दौर में 67 का कार्ड खेला। रॉय ने अपना पहला यूरोपीय टूर खिताब 2018 में हांग कांग ओपन में जीता था। एक अन्य भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर कट हासिल करने में चूक गए थे।

लाहिड़ी 64 के शानदार कार्ड से संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर

पुंटा काना (डोमिनिकन गणराज्य)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी पीजीए टूर पर 2018 के बाद सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए यहां तीसरे दौर में बोगी रहित आठ अंडर 64 का कार्ड खेल कर कोरालेस पुंटाकाना चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर पहुंच गए। कोच विजय दिवेचा से सलाह लेने का असर उनके खेल पर दिखा, जिससे उन्होंने पहले दो दौर के आपने स्कोर 69,71 में काफी सुधार किया। दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त रूप से 54वें स्थान पर थे लेकिन अब उनका स्कोर 11 अंडर का है। कट हासिल करने वाले एक अन्य भारतीय अर्जुन अटवाल ने तीसरे दौर में तीन अंडर का कार्ड खेला और वह कुछ छह अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 36वें स्थान पर है। एडम लांग (64) 17 अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष पर है।

रियाल मैड्रिड ने रियाल बेटिस पर 3-2 से जीत दर्ज की

बार्सिलोना। रियाल मैड्रिड ने शनिवार को सेविले में खेले गए ला लीगा फुटबॉल लीग मुकाबले में रियाल बेटिस को 3-2 से शिकस्त दी। मैच के दौरान वीडियो एसिस्टेंट रैफरी (वीएआर) का भी इस्तेमाल किया गया। वीएआर में एक हैंडबॉल का पता लगा, जिससे सर्गियो रामोस ने 82वें मिनट में पेनल्टी को गोल में तब्दील कर दिया। रियाल बेटिस के डिफेंडर इमर्सन को 67वें मिनट में लाल कार्ड दिखाया गया, जिससे टीम 10 खिलाड़ियों के साथ ही मैदान पर खेल रही थी। रियाल मैड्रिड के लिए फेडरिको वाल्वरडे ने 14वें मिनट में गोल किया, जबकि इमर्सन के आत्मघाती गोल से टीम 2-2 की बराबरी पर पहुंची। रियाल बेटिस के लिसे ऐसा मांडी ने 35वें और विलियम कार्वाल्हो ने 37वें मिनट में गोल किया।

पोलैंड की राष्ट्रीय टीम के कोच कोरोना पॉजिटिव

वारस। पोलैंड फुटबॉल संघ ने कहा है कि उसकी राष्ट्रीय पुरुष टीम के कोच जेरजी बर्सेक कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए हैं और उन्हें पृथकवास में रखा गया है। संघ ने शनिवार शाम ट्विटर पर कोच बर्सेक के कोराना वायरस पॉजिटिव पाए जाने की घोषणा की और कहा कि पृथकवास से जुड़े नियमों का पालन किया जा रहा है। ओनेट न्यूज पोर्टल ने कहा कि बर्सेक को बुखार था, लेकिन उनमें और कोई लक्षण नजर नहीं आया है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने जीत दर्ज की

लंदन। आखिरी सीटी बजने से कुछ क्षण पहले पेनल्टी पर ब्रुनो फर्नांडिज के गोल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को शनिवार को इंग्लिश प्रीमियर लीग में ब्राइटन के खिलाफ 3-2 की जीत दिला दी जबकि चेल्सी को वेस्ट ब्रोम के साथ 3-3 के ड्रा से संतोष करना पड़ा। ब्राइटन को लुइस डुंक के द्वारा 43वें मिनट में किया गया आत्मघाती गोल भारी पड़ा। दूसरे मुकाबले में चेल्सी मुश्किल से अपनी हार टाल पाया। टीम 90 मिनट तक 3-2 से पिछड़ रही थी लेकिन आखिरी क्षणों में टैमी अब्राहम के गोल से उसने मैच ड्रा किया। अन्य मुकाबलों में तालिका में शीर्ष पर काबिज एवर्टन ने क्रिस्टल पैलेस को 2-1 जबकि साउथमप्टन ने बर्नले को 1-0 से हराया।

शीतकालीन खेलों के लिए सर्वश्रेष्ठ वातावरण दे सकती है हिमालयन रेंज : केशवन

नई दिल्ली। पूर्व स्टार लूश खिलाड़ी शिवा केशवन का मानना है कि हिमालय की बदौलत शीतकालीन खेलों से जुड़ा बड़ा उद्योग खड़ा किया जा सकता है, लेकिन इन खेलों से जुड़े खिलाड़ियों को लगता है कि भारत में उनकी अनदेखी हो रही है।

जापान के नगानो में 1998 में मात्र 16 साल की उम्र में शीतकालीन ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले अब तक के सबसे युवा लूश खिलाड़ी केशवन को अपनी उपलब्धियों की मान्यता के लिए 25 साल लंबे कॅरियर के खत्म होने का इंतजार करना पड़ा और उन्हें हाल में अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया। वह शीतकालीन खेलों से जुड़े पहले खिलाड़ी हैं, जिसे यह पुरस्कार दिया गया। दक्षिण कोरिया के प्योंगचेंग में 2018 शीतकालीन ओलंपिक के बाद संन्यास लेने वाले 39 साल के केशवन ने कहा कि इस सम्मान से उन लोगों की आस बंधी है जिनकी अनदेखी हुई है। केशवन ने मनाली के समीप अपने गांव से एजेंसी को बताया, जागरूकता की कमी, प्रशासन की ओर से समझ या ध्यान नहीं दिए जाने से शतकालीन खेलों के खिलाड़ियों को लगता है कि उनकी अनदेखी हो रही है।

इमरान से मुलाकात करने पर पीसीबी मिस्बाह और अन्य खिलाड़ियों से नाराज

कराची। पाकिस्तान के मुख्य कोच एवं मुख्य चयनकर्ता मिस्बाह-उल-हक, टेस्ट कप्तान अजहर अली और वरिष्ठ बल्लेबाज मोहम्मद हफीज ने घरेलू क्रिकेट में विभागीय टीमों को बहाल करने के लिए प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात की, जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को नागवार गुजरी। खिलाड़ियों के करीबी सूत्रों ने बताया कि पीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) वसीम खान सोमवार को इन खिलाड़ियों से मिलकर कर बोर्ड के नीतिगत फैसले के खिलाफ प्रधानमंत्री से मिलने पर नाराजगी जताएंगे। बैठक में पीसीबी के अध्यक्ष एहसान मनी, सीईओ वसीम खान भी उपस्थित थे।

शेफाली वर्मा जैसी प्रतिभाओं को खोजने पर होगा ध्यान: मुख्य चयन कर्ता नीतू डेविड

एजेंसी। नई दिल्ली

नव नियुक्त महिला मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड ने कहा कि उनके पैनल का ध्यान 16 वर्षीय शेफाली वर्मा जैसी और युवा प्रतिभाओं को खोजने पर लगा होगा। भारत की बेहतरीन स्पिनरों में से एक डेविड आधुनिक युग के सीमित ओवर क्रिकेट की जरूरतों को बखूबी समझती हैं।

सलामी बल्लेबाज शेफाली तब 15 साल की थी, जब उन्हें पिछले साल पहली बार टीम में शामिल किया गया था और भारत के लिए अपना पर्दापण करने के छह महीने बाद उन्होंने मार्च में टीम को टी-20 विश्वकप फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की। वह अपनी छक्के जड़ने की काबिलियत के बूते रातों रात मशहूर हो गईं। हेमलता काला की जगह लेने वाली 43 साल की डेविड ने कहा कि जिस तरह से क्रिकेट खेला जा रहा है, यह काफी तेज है और इसके लिए हमें शेफाली जैसी और खिलाड़ियों की जरूरत होगी। अब आप बल्लेबाजों को आते ही आक्रामक होते हुए देखते हो, यहां तक कि घरेलू क्रिकेट में भी, लेकिन पहले ऐसा नहीं होता था। हम उन खिलाड़ियों को मौका देना चाहते हैं। वर्ष 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली डेविड का एक टेस्ट की एक पारी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकार्ड है, जो उन्होंने 1995 में जमशेदपुर में इंग्लैंड के खिलाफ 53 रन देकर आठ विकेट हासिल कर बनाया था। उन्होंने 10 टेस्ट खेले जिसमें 41 विकेट चटकाए। डेविड की अगुआई वाले पैनल का पहला काम संयुक्त अरब अमीरात में नवंबर में महिलाओं के टी-20 चैलेंज के लिए तीन टीमों को चुनने का होगा, जो इंडियन प्रीमियर लीग के प्ले आफ के साथ ही खेला जाएगा।

अपना खेल सुधारकर कुछ रन जुटाने की जरूरत है: कार्तिक

एजेंसी। अबुधाबी

कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान दिनेश कार्तिक ने स्वीकार किया कि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी मैचों में अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है, क्योंकि वह अभी तक टूर्नामेंट में बल्ले से जलवा नहीं बिखेर पाए हैं। मुंबई इंडियन्स के खिलाफ टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले में 23 गेंद में 30 रन बनाने वाले कार्तिक शनिवार को खाता भी नहीं खोल सके। वह तीन गेंद खेलकर शून्य पर आउट हो गए।

हालांकि युवा शुभमन गिल के 62 गेंद में नाबाद 70 रन की बदौलत टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। वह अपनी टीम की जीत से खुश थे, लेकिन उन्होंने कहा कि वह आगामी मैचों में अच्छा खेलने की कोशिश करेंगे। कार्तिक ने मैच के बाद कहा कि एक बार शून्य पर आउट होने से आप बुरे खिलाड़ी नहीं बन जाते हो। मुझे शायद अपने खेल को सुधारने और कुछ रन जुटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्कोर बोर्ड पर रन जुटाना हमेशा अच्छा होता है। हम काफी मेहनत कर रहे हैं। मुझे लगता है कि आल राउंडर के होने का एक फायदा यह होता है कि आप उन्हें जरूरत के मुताबिक कहीं भी इस्तेमाल कर सकते हो।

पिछले कुछ साल से पावर हिटिंग का काफी अभ्यास किया: गिल

एजेंसी। अबुधाबी

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 62 गेंद में नाबाद 70 रन बनाने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि पिछले कुछ साल में उन्होंने पावर हिटिंग का काफी अभ्यास किया है और सलामी बल्लेबाज होने के नाते उनका काम टीम को जीत तक ले जाना था। केकेआर ने दो ओवर बाकी रहते सनराइजर्स को सात विकेट से हराकर इस सत्र में पहली जीत दर्ज की।

मैन आफ द मैच गिल ने मैच के बाद कहा कि गेंद ज्यादा स्पिन नहीं ले रही थी और बल्लेबाजी आसान थी। मैंने पिछले कुछ साल में पावर हिटिंग का काफी अभ्यास किया है। हमारी टीम के लिए यह जीत बहुत जरूरी थी। हमने अच्छी गेंदबाजी की और उसके बाद बल्लेबाजों की बारी थी। इयोन मोर्गन के साथ 92 रन की नाबाद साझेदारी के बारे में उन्होंने कहा, मोर्गन बहुत अच्छा खेल रहे थे। हमने लंबी बातचीत नहीं की। सलामी बल्लेबाज होने के नाते मेरा काम टीम को जीत तक ले जाना था। वहीं मोर्गन ने कहा, पहली जीत से लय और आत्मविश्वास लौटा। मुझे गिल को कुछ बताना नहीं पड़ा। उसकी बल्लेबाजी देखने में मजा आया और अपनी कामयाबी के बावजूद वह सीखने को बेताब रहता है। वह शानदार खिलाड़ी है। केकेआर के कप्तान दिनेश कार्तिक ने भी गिल की तारीफ करते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि यह युवा बल्लेबाज इसी तरह दबाव के बिना खेले।

गिल ने कमिंस की शानदार वापसी की प्रशंसा की

अबुधाबी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस की शानदार वापसी की प्रशंसा की, जो इंडियन प्रीमियर लीग के शुरुआती मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। दुनिया के नंबर एक टेस्ट गेंदबाज कमिंस ने मुंबई इंडियन्स के खिलाफ प्रत्येक ओवर में 16 रन से ज्यादा दिए थे और कोई विकेट भी हासिल नहीं किया। लेकिन शनिवार को उन्होंने 19 रन देकर एक विकेट झटका जिससे केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट पर 142 रन के स्कोर पर रोक दिया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 62 गेंद में नाबाद 70 रन की मैच विजई पारी खेलने वाले गिल ने कहा, एक खराब दिन हमारे लिए ज्यादा मायने नहीं रखता और उसने (कमिंस) इस मैच में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। केकेआर ने कमिंस को रिकार्ड 15.5 करोड़ में खरीदा और उन्होंने स्पिनर सुनील नारायण के साथ नई गेंद से गेंदबाजी की। गिल ने कहा कि पैट इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है। हमें पैट और सुनील से शुरुआत करनी पड़ी।

उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि गिल पर कोई दबाव नहीं रहे। मैकुलम (कोच ब्रेंडन मैकुलम) इसे लेकर स्पष्ट हैं कि सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज शीर्षक्रम पर बल्लेबाजी करेंगे। मुझे कुछ रन बनाने होंगे। मुझे लगता है कि हमारी टीम को कई हरफनमौला होने का फायदा मिला है। सनराइजर्स के कप्तान डेविड वार्नर ने पहले बल्लेबाजी के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि मेरा फैसला सही था और मुझे उस पर कोई अफसोस नहीं है क्योंकि हमारी ताकत डैथ ओवरों में गेंदबाजी रही है। हम बीच के ओवरों में रन नहीं बना सके और 30.40 रन पीछे रह गए।

सेवा और ध्यान के सद्गुण

हिंगोरी का कहना है कि हालांकि वैज्ञानिकों ने आज दिमाग पर ध्यान और सेवा के असर को साबित करना शुरू कर दिया है, मगर अज्ञात अभी भी ज्ञात के मुकाबले कहीं अधिक हैं

मानव मस्तिष्क की जटिलता को समझना लंबे समय से मूल वैज्ञानिक जिज्ञासा बना हुआ है। हजारों साल पहले हमारे प्राचीन संतों ने जिस चीज की चर्चा की थी, वो धीरे धीरे सामने आ रही है। उदाहरण के लिए, जब जागृत लोग मौजूद होते हैं, तो संवाद विचारों के आदान प्रदान या टेलीपैथी के जरिए होता है। आज उन्नत कंप्यूटरों को दो अगले स्थानों में लोगों के दिमागों तक पहुंच बनाना दिखाता है कि एक व्यक्ति जो कल्पना कर रहा है उसे दूसरा देख सकता है, हालांकि कुछ-कुछ विकृत, लेकिन यह विचार की पर्याप्त स्पष्ट छवि है।

सेवा

वर्षों से सेवा की भावना या दूसरों की सहायता करने के काम की अनगिनत धर्मग्रंथों व धर्मों में पैरवी की गई है। सिखधर्म, इस्लाम, ईसाइयत व अन्य सभी धर्मों ने दूसरों की सेवा तथा जरूरतमंद व वंचित को दान देने की महत्ता की शिक्षा दी है। न सिर्फ सेवा करने बल्कि तरीकों, कारणों व यहां तक कि आंतरिक प्रगति, जिनसे कि असलियत में सेवा का काम करते हुए, व्यक्ति गुजरता है, की जटिलता को कर्मसूत्र, किताब में रेखांकित किया है, चिंतन के लिए खासा भोजन प्रदान करता है। सामाजिक प्रशंसा पाने की मंशा के साथ दूसरों की सहायता करना इंसान का स्वभाव है। इसीलिए हम अनेक लोगों की खुले आम उनके परोपकारिक प्रयासों के लिए प्रशंसा होते देखते हैं। जैसे जैसे व्यक्ति आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ता है, उसकी सेवा के पीछे की भावना वो सब जो उसने पाया है उसके प्रति कृतज्ञता व दायित्व की भावना से कहीं आगे पहुंचती नजर आती है। और अंत में, यह एक आदत बन जाती है जिसमें व्यक्ति कार्य के प्रति कर्ता भावना जिम्मेदारी तक नहीं लेता है। मैं मानता हूं कि दूसरों की सहायता करना असलियत में प्राप्तकर्ता की शुभ कामनाओं व कृतज्ञता द्वारा अर्जित सकारात्मक कार्मिक कर्तव्य के कारण एक स्वार्थी काम है। इसलिए स्वार्थी कार्य होने के बजाय, सेवा स्वार्थ बन जाती है, हालांकि सकारात्मक रूप में और प्रदाता भी यहां ग्रहणकर्ता बन जाता है। अंतिम लक्ष्य है स्वयं कार्य का कर्ता से खुद को अलग कर लेना।

लेकिन दिमाग में दरअसल क्या होता है, जब व्यक्ति सड़क पर उतरता है और लोगों को भोजन खिलाता है या किसी बुजुर्ग महिला की सड़क पार करने में सहायता करता है? उत्तर सिर्फ अच्छा महसूस करने की तुलना में अधिक जटिल है। जो भावना हम सभी के भीतर वास करती है, उस क्षण एक सेल्फी ले लेती है, वे कौन हैं इसकी पूरी छवि को कैद कर लेती है, जो हर अच्छे काम के साथ बेहतर दिखने लग जाता है। लगभग सभी लोग अपनी सेल्फी द्वारा तुष्ट होने का उत्साह ग्रहण करते हैं, जो कि असलियत में सिर्फ उनका आत्मउत्साह होता है (आम तौर पर आध्यात्मिक स्तर के मुकाबल भौतिक स्तर पर ज्यादा) सेवा का प्रत्येक काम स्व-उत्साह और संबंधित व्यक्ति की आत्मछवि उभारता है। आप इसे 'सेवा में मेवा' कह सकते हैं।

हम जितना अधिक इंसानी मस्तिष्क का अध्ययन करते हैं उतना ही ज्यादा जानकारी इस दिशा में संकेत करती है। अध्ययन दिखाते हैं कि सेवा करना अमिगडाला में गतिविधि घटाती है। एमिगडाला वो क्षेत्र है जो भावनात्मक प्रतिक्रियाओं, खासतौर पर भय से जुड़ा होता है। न्यूरोलाजिस्ट भी मानते हैं कि जब हम दूसरों की सहायता करते हैं हमारा मस्तिष्क आक्सीटोसिन, सीरोटोनिन और डोपामाइन प्रसारित करता है, जिससे अच्छा महसूस होता है। इन हार्मोन्स में हमारे मूड को प्रोत्साहित करने तथा कार्टिसोल (तनाव वाले हार्मोन) के असर को बेअसर करने वाला असर होता है। इसके अलावा, शोध ने पाया है कि ऐसी गतिविधियों में भागीदारी दर्द की संवेदना को कमजोर भी कर सकती है। इसमें केवल एकल लाभ नहीं होता है। नियमित आधार पर करने पर, सकारात्मकता की सहज भावना जगती है जो फिर आपको सेवा के अधिक काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है, आपको इसे करने के शुरुआती दौर से आगे ले जाकर, जो कुछ आपने किया उससे अच्छा महसूस कराती है, उसे आदत के स्तर पर और अंतत: जो कुछ आपने किया उसके बारे में न सोचने के मुकाम पर ले जाती है।

> **हमारे धर्मग्रंथों के अनुसार, सेवा और ध्यान न केवल हमारे वर्तमान जीवन के पाठ्यक्रम को बदलते हैं, बल्कि भविष्य के जीवन के भी हैं और आध्यात्मिक प्रगति के पथ पर हमें निरंतर मदद करते हैं। ये हमें एक प्रकार का धन देते हैं जिसे हम आफ्टरलाइफ कर्म मुद्रा में ले जा सकते हैं**

ध्यान

हम सभी जानते हैं कि ध्यान या मेडिटेशन में शांतिदायक असर होता है और जो हममें शांति व आंतरिक संतुलन की भावना जगाता है। परिपक्व योगी लैब प्रयोगों से होकर गुजरे हैं जहां वे उल्लेखनीय ढंग से शारीरिक तापमान बदलने, अपने शारीरिक अंगों को जगाने व शांत करने में सक्षम हुए हैं जिसे पारंपरिक विज्ञान संभव नहीं मानता है।

हालांकि, मस्तिष्क पर ध्यान का असर कुछ ऐसा था जो तुलनात्मक रूप से हाल तक बहुत कम जाना गया है। नतीजे चौंकाने वाले हैं। यह पाया गया है कि ध्यान के अनुभवी अभ्यासकर्ताओं के दिमागों में अन्य लोगों से संरचनागत अंतर होते हैं।

ध्यानगत एवं भावनात्मक एकीकरण से संबंधित क्षेत्रों में सेरेब्रल कोर्टेक्स में देखने योग्य मोटाई होती है। स्वजागरूकता, करूणा और आत्ममंथन से जुड़े मस्तिष्क के हिस्से में ग्रे मैटर घनत्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है। पश्च भाग, जो मानसिक अस्थिरता में लिप्त रहता है और आत्म प्रासंगिकता भिन्नता भी देखती है। वे लोग जो ध्यान करते हैं उनमें एकाग्रता की उच्च योग्यता होती है और बहुत मजेदार ढंग से स्व-प्रासंगिकता जो आत्म उत्साह से जुड़ती है। यह एक और मजेदार हिस्सा है जिसके बारे में किताब, आत्मसूत्र में चर्चा हुई है, जहां स्वाराधना की अवधारणा पर चर्चा होती है। हालांकि यह आंतरिक दिव्यता को महसूस करने की क्रिया है, वो यात्रा जो आत्मप्रेम से आरंभ होती है। जो चीज चर्चा में भी आई, वो यह कि जब हम खुद को सही चीजों करने वाले के रूप में देखते हैं मसलन दूसरों की सेवा करना, पेड़ लगाना या वातावरण पर सकारात्मक असर डालना, हमारी आत्मछवि पर सकारात्मक ढंग से असर पड़ता है। इससे हमें खुद को लेकर अच्छा महसूस होता है और इसीलिए स्व-उत्साह का हमारा स्तर उन्नत होता है।

इसीलिए यह कोई आश्चर्य नहीं है कि योगियों के मस्तिष्क या टीपीजे में टेम्पोरोपराइटलल जंक्शन में भी अंतर था। यह परानुभूति व करूणा के साथ संबंधित है। दोनों आध्यात्मिक विकास के उच्च स्तर के संकेतक। अन्य सभी अच्छाइयों के अलावा, हालांकि एक और थी, एमिगदाला में ग्रेमैटर घनत्व में महत्वपूर्ण घटोत्तरी जो भय, बेचैनी और तनाव में भूमिका निभाती है। जो चीज जानना अत्यंत दिलचस्प है वो यह कि ध्यान बुढ़ापा विरोधी क्रीमों व सेरम बाजार के लिए नमी का काम कर सकता है। ध्यान का एक सशक्त दुष्प्रभाव को ग्रे मैटर पर आयु संबंधी प्रभावों को दूर करने तथा हमारी संज्ञानात्मक क्रियाकलाप की कमी घटाने की इसकी योग्यता बनते पाया गया है जिससे संभवतया हमारी डिमेंशिया जैसे रोगों से ग्रसित होने की संभावना कम होती है। अब क्या यह एक कारण हो सकता है कि क्यों हमारे प्राचीन योगियों को यदि हजार साल का नहीं तो सौ साल का कहा जाता है। मेरा अनुमान है कि हमें बस इसकी भी खोज के लिए विज्ञान की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। हालांकि वैज्ञानिकों ने आज मस्तिष्क पर ध्यान और सेवा के असर को साबित करना बस शुरू किया है, अज्ञात अभी भी ज्ञात की तुलना में कहीं ज्यादा है। यदि हम अध्ययन करते जो हमारे धर्मग्रंथों व पुस्तकें कहती हैं, तो ये न केवल हमारे वर्तमान जीवन, बल्कि भावी जीवनों के क्रम को बदल देते और तेजी से आध्यात्मिक प्रगति के पथ में हमारी सहायता करते। हमें हमें एक प्रकार की संपदा देते हैं जिसे हम जीवन उपरांत कार्मिक मुद्रा में आगे ले जा सकते हैं। इसलिए अंतिम प्रश्न जो उठता है, अब आगे क्या? शुरुआत का सही समय है अभी। अब अपने आसपास देखें और यदि इच्छा मौजूद है, अनेक दरवाजे खुलेंगे।

- लेखक हिंगोरी सूत्राज सीरीज आफस्प्रिचुअल बुक्स के रचनाकार हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

प्रत्यक्ष हाथ को काम करने दें

कोरोना वायरस तूफान की मार खाई, अर्थव्यवस्थाएं अनभिज्ञ हैं और बचने के लिए भाग रही हैं। मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था के चैंपियन अक्सर सभी आर्थिक रोगों के रामबाण के रूप में एडम स्मिथ के अदृश्य हाथ सिद्धांत का हवाला देते हैं। इस बार कोई अंतर नहीं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था मुक्त बाजार में काम कर सकती है, जहां हर कोई व्यक्तिगत हित के लिए कोशिश करता है। वो लाइसेज फेयरे थे जिन्होंने दो सदियों पहले पैरोकारी की थी। अनेक ग्रहणकर्ता थे और मार्क्सवाद के ढहने से दुनिया मुक्त बाजार पैरोकारों के लिए वैश्विक बाजार बन गई, जो तबाही और प्रगति के नए मॉडलों की ओर ले जा रही है। सामाजिक डार्विनवाद नया मंत्र था। लेकिन, इंसान प्रस्ताव देता है, ईश्वर नकार देता है। इसलिए प्रकृति द्वारा एक भारी उथलपुथल इस व्यवस्था को हिला देती है। अर्थ व्यवस्थाएं नौ पिनों की तरह गिरती हैं जैसे ही महामारी दुनिया को चीत्कार की हालत में ले आती है। लेने वाला नहीं जानता है, मुक्त बाजार सिद्धांतकार कुछ भी समझ पाने की हालत में नहीं थे, जैसा कि आईएमएफ ने माना कि वैश्विक अर्थव्यवस्था संकट में थी। वैश्विक भविषवाणियां अस्पष्टता दर्शा रही थीं, नौकरियां जाने का उत्तर तलाशना कठिन है। मानवता के लिए बड़ा प्रश्न है शांति कहां से पाएं। स्वाभाविक उत्तर अब प्रत्यक्ष हाथ में मौजूद नजर आता है, क्योंकि अप्रत्यक्ष पूर्णतया समाप्त हो रहा है। सरकारों का नियंत्रण व नेतृत्व ढांचा जो अनावश्यक समझा जाता था, उम्मीद की किरण बनता दिखता है। जैसे ही बड़ी सरकार वापस आती है, मौजूदा वैश्विक आर्थिक संकट से निपटने की रणनीतियों पर काम किया जा रहा है। क्या करें और कैसे करें जैसे सवालों का समाधान हो। भारतीय इतिहास के पास कुछ तरीके हैं। लखनऊ (तत्कालीन अवध) के 1784 के अकाल ने तत्कालीन नवाब, आसिफुद्दौला के सामने ऐसी ही चुनौती पेश की थी। अकाल लंबे समय तक रहा, जिसने अमीर और गरीब दोनों को प्रभावित किया। नवाब पर अर्थव्यवस्था को चलाए रखने तथा जीवन और आजीविकाओं को बचाए रखने का बहुत दबाव था। उसने भव्य निर्माण परियोजना शुरू करने का फैसला किया। लेकिन इस परियोजना का एक अनोखा पहलू था। उस दौरान गरीब मजदूर दिन में निर्माण कार्य किया करते थे, कुलीनों व अमीरों को रात में निर्मित ढांचे को गिराने के लिए कहा जाता था। यह काम जारी रहा और नवाब इस संकट से पार पा गए। जिन लोगों की इतिहास में दिलचस्पी है, यही वो आर्थिक रणनीति थी, जो भारत में लखनऊ के प्रसिद्ध स्मारक, बड़ा इमामबाड़ा के निर्माण की निहित वजह थी। मजेदार बात यह कि अर्थव्यवस्था को प्रेरित करने के लिए नवाब की यह आर्थिक समझदारी कींस द्वारा प्रस्तावित सिद्धांत के बहुत पहले कारगर साबित हुई थी। नवाब ने जिसकी परिकल्पना की थी, और कींस 150 साल बाद जिसे साकार किया था, वो यह कि सरकारी खर्च का संकटग्रस्त अर्थवस्था के पुनर्जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है। आर्थिक प्रोत्साहन एक प्रक्रिया है जिसे सरकारी खर्च द्वारा संचालित किया जाना चाहिए और जैसे ही सुधार आरंभ होता है, निजी पूंजीपति पैसा लगाना शुरू कर देते हैं। यही वह राजस्व बहुआयामी प्रभाव है जो अर्थव्यवस्था को मंदी से बाहर निकालता है। यही वो प्रत्यक्ष हाथ है जो संकट के दौर में काम आता है जब अप्रत्यक्ष हाथ विफल हो गए हों। नया दौर नए नजरियों की मांग करता है। जिस प्रकार अमरीका, यूरोपीय यूनियन और भारत जैसे लोकतंत्र अपनी अर्थव्यवस्थाओं को फिर से पटरी पर लाने के लिए संघर्षरत हैं, सवा दो सौ साल पहले अपनाया गया भारतीय नवाब का नजरिया उपयोगी नजर आता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि बड़ी सरकारों को हमेशा भारी हाथ का उपयोग नहीं करना होता है। कभी कभी बड़ा दिल है जो महत्वपूर्ण असर डालता है। अदृश्य हाथ का सिद्धांत फिर, साफमौसम में काम करता है।

कामयाबी के लिए सिर्फ इच्छाएं होना काफी नहीं

महेंद्र पाल

दोस्तों, इच्छाएं या चाहतें हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा होती हैं। दुनिया में आने और समझदारी के पहले पड़ाव से ही इंसान का इनसे साक्षात्कार हो जाता है। बल्कि यह कहें कि जीवन में प्रवेश करते ही, हम अपने अवचेतन में ही इच्छाओं के रथ पर सवार हो जाते हैं। शायद, जन्म लेते ही नवजात बच्चे द्वारा अपनी पहली रुलाई में मां को पुकारना, चाहत का पहला, हालांकि अवचेतन, कदम होता है। धीरे-धीरे इच्छाओं का यह सफर, जो शुरू तो अवचेतन से होता है, मगर धीरे-धीरे चेतन या चेतना का हिस्सा बनता जाता है, और जैसे जैसे यह चेतना के उत्तरोत्तर उन्नत धरातल पर पहुंचता जाता है, वैसे-वैसे इच्छाओं का दायरा व्यापक होते हुए व्यक्ति विशेष के साथ साथ पूरी सृष्टि या कायनात को अपने भीतर समेट लेता है।

खैर वापस लौटते हैं जीवन में चाहतों या इच्छाओं की अहमियत की तरफ।

इसमें संदेह नहीं कि हम जीवन में बहुत कुछ चाहते हैं। ये इच्छाएं या चाहतें ही हैं, जो हमें आगे बढ़ने के लिए नई मंजिलें या नए उद्देश्य प्रदान करती हैं, हमें उनको पाने के लिए उत्साहित करती हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, जिदंगी के प्रत्येक पड़ाव पर इच्छाओं या चाहतों की निरंतर नई खेप हमारे जीवन का हिस्सा बनती जाती है। जिनसे हमारी चाहतों का कद का दायरा, यहां तक की प्रारूप भी, उन्नत व व्यापक होता जाता है। यह जरूरी भी है, क्योंकि उम्र के साथ इच्छाओं या चाहतों का उन्नत होते जाना अनिवार्य है। ऐसा न होने पर, वही इच्छाएं, जो कभी प्रगति की वाहक बनी होती हैं, इंसान के लिए मानसिक गांठ बन जाती हैं जो फिर भविष्य में आगे बढ़ने के रास्ते में अवरोध बनती हैं।

वैसे इच्छाओं को अगर अपने समय या परिवेश या हालात का प्रारूप कहा जाए, तो शायद अनुचित नहीं होगा। क्योंकि इच्छाएं हवा में या निरी कपोल कल्पना में नहीं पैदा होतीं। इंसान सहजतापूर्वक वही इच्छा करता है, जो उस समय या वस्तुगत परिवेश या परिस्थिति में उपजती है। हालांकि इसमें भी इच्छओं का दायरा वर्तमान के साथ भविष्य का सुदूर या कहें कि असंभव सा लगने वाला लक्ष्य भी अपने भीतर समेट लेता है, मसलन दुनिया में पूरी तरह सद्भाव व समानता हो, कोई लड़ाई झगड़े न हों, पूरी दुनिया वसुधैव कुटुंबकम हो, आदि इत्यादि। लेकिन तब ऐसी इच्छाओं का साकार होना, समय के विस्तृत कालखंड का हिस्सा बन जाता है। फिर वो इंसानी जीवनावधि के दायरे से परे हो जाता है। लेकिन क्या सिर्फ चाहत रखना या इच्छा मात्र होना, इंसान को कामयाबी की मंजिल पर पहुंचा सकता है? बिलकुल नहीं। किसी महान व्यक्तित्व ने कहा है इच्छाएं जब तक तार्किक योजना का हिस्सा नहीं बनतीं, वे सच के रूप में साकार नहीं हो सकतीं या सफलता का प्रारूप नहीं बन सकतीं। इच्छाओं को साकार करने के लिए व्यक्ति को उन्हें पूरा करने की योजना बनाना अनिवार्य है। योजना बनने पर ही उक्त इच्छा की व्यवहारिकता तौली जा पाती है। उसमें भावी चुनौतियों का आंकलन व उनसे निपटने के तरीके पर विचारमंथन होता है। इससे इच्छा, जो योजनाबद्ध हो जाने पर तात्कालिक लक्ष्य बनती है, के समग्र मूल्यांकन व विश्लेषण का अवसर मिलता है जो फिर इंसान का दूरगामी या जीवन लक्ष्य बनकर उभरती है, जिस पर ताउम्र चलने का इंसान फैसला करता है और कामयाबी का मुकाम हासिल करता है।

यानी, इसमें संदेह नहीं कि बिना चाहत के या बिना इच्छाओं के इंसान जीवन में प्रगति नहीं कर सकता। लेकिन इच्छाओं को तार्किक योजना का हिस्सा बनाकर ही जीवन में कामयाबी पाई जा सकती है। इच्छाएं अगर बीज की तरह हैं तो इंसान की एकाग्रता व तार्किक योजनाबद्धता उस पहरेदार की तरह हैं जो उसे आवश्यक नमी, धूप व बरसात प्रदान करने का आधार व सुरक्षा मुहैया कराती हैं।

अपने डर को जीतो

दोस्तों, सोचकर कितना विचित्र लगता है कि हिंदी व्याकरण माला के दो अक्षर ड और र, जो स्वयं तो अक्षर-पंक्तियों में बीच में सहमे से रहते हैं, लेकिन जब आपस में मिलते हैं तो एक बिलकुल भिन्न दुनिया रच जाते हैं। जी हां, डर नामक शब्द देखने में दो अक्षरों का है मगर इंसानी चेतना में अपनी गहरा असर छोड़ता है। यह असर कभी तो इस कदर हावी होता है कि इंसान की सारी पहलकदमियां हाशिए पर चली जाती हैं, चुनौतियों के सारे पैंतरे बेमानी से लगने लगते हैं। दुनिया को वस्तुगत ढंग से समझने की जिज्ञासा और क्षमता उदासी ओढ़ लेती है और विपरीत से निपटने के सारे हौसले पस्त हो जाते हैं। इंसान निराशा और अवसादग्रस्तता के ऐसे कुएं में गिरता जाता है कि उसके जीवन का सामान्य पटरी पर लौट पाना बहुत ही कठिन होता है। यह प्रश्न सोचने का है कि आखिर डर की यह दुनिया क्यों और कैसे इंसानी जहनियत को अपना शिकार बनाती है? क्या डर या भय इंसान की अपनी सहज मौलिकता का हिस्सा है या जाने-अंजाने खयालों के किसी चोर दरवाजे से चुपचाप हमारे भीतर दाखिल हो जाता है? आखिर कब और कैसे इसकी शुरुआत होती है? और किनके जरिए सबसे पहले हमारी डर से मुलाकात होती है?

अगर हम सभी अपने बचपन को याद करें तो हमें काफी हद तक अपने इन प्रश्नों के उत्तर मिल सकते हैं। इंसान कोई पैदाइशी डरपोक नहीं होता। जीवन के शुरुआती पड़ाव यानी बचपन में उसके लिए हर रंग और अनुभव नवीनता लिए होता है। हम देखते हैं कि बच्चा जितना दिन के उजाले और रंगबिरंगी दुनिया से प्यार करता है उतना की अंधेरे की चांद-सितारों की दुनिया को भी। अंधेरे से भय का अहसास उसमें तब तक नहीं जड़ जमाता जब तक कि उसके सामने अंधेरे को, किसी भूत प्रेत या किसी जानवर की सूरत के बतौर, भय का जामा पहनाकर हमारे प्रियजनों द्वारा ही पेश नहीं किया जाता। अपने आसपास और स्वयं अपने बचपन के दिनों को याद करें तो हम पाएंगे कि हमारे सामने सबसे पहले हमारे अपनों ने डर की दुनिया परोसी थी। हालांकि कोई भी प्रियजन अपने बच्चे को डरपोक बनाना नहीं चाहता लेकिन जाने-अनजाने में बच्चे की जिज्ञासाओं व उसके मासूम व कभी कभी विचित्र व अबूझे सवालों का अनुत्तर उनसे यह कारनामा करा जाता है।

एक सच्चाई से इंकार नहीं किया जा सकता कि हमारे सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश में बच्चों की जिज्ञासाओं को पर्याप्त अहमियत नहीं दी जाती। प्राय: उनके सवालों को, उनकी जिज्ञासाओं को, कभी डांट फटकार तो कभी किसी अंजान भय के जरिए, नियंत्रित या दबाने का प्रयास किया जाता है। हालांकि यह भी सच्चाई है कि निंरतर उदार व बहुआयामी हो रही दुनिया ने आज की उदार और शिक्षित पीढ़ी को अपने बच्चों के प्रति उदार व संवेदनशील बनाया है। वह अधिकतम बच्चों की जिज्ञासाओं को शांत करने का प्रयास करती है। लेकिन हमारा वृहद सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश अभी भी पुराने सामंती तौर तरीकों में जकड़ा होने के कारण बच्चों में, उनके माता पिता से इतर, किन्हीं चोर दरवाजों से डर की दुनिया परोसता है।

आखिर इस डर को कैसे जीता जा सकता है? क्या टीवी आदि में दिखाए जाने वाले माऊंटेनड्यू मार्का विज्ञापन के आधार पर ? जैसे आप कोई घुट्टी या ड्रिंक पीएं और डर गायब? जी नहीं। यह ऐसे आवेग के रूप में हमारे भीतर समाया रहता है, जो हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता से परे है, जिससे हम लड़ नहीं सकते। दूसरे शब्दों में डर अधीनता या गुलामी का जामा पहने होता है। और इसे अगर किसी चीज से नियंत्रित किया जा सकता है तो वह है तर्क और विवेक। जैसे जैसे तर्क और विवेक की दुनिया फैलती जाती है, डर की दुनिया सिमटती जाती है।

हमें अपने मानसिक जगत से डर को बेदखल करने के लिए तर्क और विवेक को चुनना होगा। क्योंकि डर के मूल कारणों तक हमें तर्क और विवेक ही पहुंचाते हैं। जैसे ही हमें अपने डर का कारण पता चलता है, वैसे ही डर गायब हो जाती है। और जब डर गायब होता है तो कुछ भी करने या पाने की हिम्मत अपने आप आ जाती है। फिर कामयाबी की बुलंदी छूना असंभव नहीं रह जाता।